जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 32 संख्याः 118 प्रभात उदयपुर, शनिवार 1 मार्च, 2025 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

‘उत्तर भारत में कई भाषाएँ हैं, जो अब लुप्त सी हो गई हैं’

स्टालिन, तमिलनाडु के मु.मंत्री ने नई शिक्षा नीति के विरोध में नया तर्क दिया कि हिन्दी, तमिल को भी अपने में समावेश कर लेगी तथा तमिल मृत प्रायः हो जायेगी

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **अब तक यह माना जा रहा था कि भाषा का मुद्दा खत्म सा, बेअसर हो गया है तमिलनाडु में। पर, जिस तरीके से स्टालिन ने नई शिक्षा नीति के संदर्भ में इसे पेश किया है, वह पुनः जागृत सा हो गया है।**
- **राज्यपाल आर.एन. रवि के इस विवाद में कूद पड़ने से अब यह मुद्दा पुनः जीवित हो गया है कि उत्तर भारत, दक्षिण पर हिन्दी लादना चाहता है, तमिलनाडु को मारने के लिये।**
- **स्टालिन सरकार के ओर से राज्य के विधि मंत्री, एस. रघुपति ने भी राज्यपाल के रवैये के खिलाफ तीखा वक्तव्य दिया कि डी.एम.के. सरकार का दो भाषा फार्मूला ज्यादा सफल हुआ है, क्योंकि, तमिलनाडु ने भारी प्रगति की, शिक्षा, मैडिसन तथा इकॉनमी के क्षेत्र में, दो भाषा वाले फार्मूला के कारण।**
- **राज्यपाल ने इस तर्क के जवाब में कहा कि तीन भाषा फार्मूला के अंतर्गत प्रदेश के यूथ में हिन्दी पढ़ने का भी मौका मिलता है और ‘‘यूथ’’ राष्ट्रीय स्तर पर, नौकरी पा सकता है। दो भाषा फार्मूला के कारण युवाओं को दक्षिण भारत की अन्य क्षेत्रीय भाषा पढ़ने का मौका भी नहीं मिलता। उनका ‘‘जॉब मार्केट’’ सिकुड़ता जा रहा है।**
- **बहरहाल अब यह विवाद और फैलता जा रहा है, तमिलनाडु की सरकार व केन्द्रीय सरकार के बीच और तमिलनाडु का युवा इस लड़ाई में फंसकर दिशा भ्रम की स्थिति में है।**

नई दिल्ली, 28 फरवरी। तमिलनाडु में दक्षिणपंथी इकोसिस्टम हिंदी के मुद्दे पर वैसी ही प्रतिक्रिया दे रहा है, जैसी द्रमुक चाहती है और इससे पार्टी को इस भावनात्मक मुद्दे को ज्वलंत बनाए रखने और विधानसभा चुनावों से पहले इसे उछालने में मदद मिल रही है।

जहाँ भाजपा व संघ के लोग राष्ट्रीय शिक्षा नीति को प्रमोट करने के पक्ष में दलील दे रहे हैं, वहीं इसके विपरीत, द्रमुक और तमिलनाडु सरकार के लोग इसे हिंदी थोपने के रुप में देख रहे हैं और इसके खिलाफ प्रचार भी कर रहे हैं और इसे भावनात्मक मुद्दे का रुप दे रहे हैं। हालांकि ऐसे लोग हैं, जो मानते हैं कि भाषा का मुद्दा अपनी प्रासंगकिता खो चुका है, पर जब यह कहा जाए कि दिल्ली की एक हिन्दी पार्टी ‘‘तमिल’’ भाषा की हत्या कर देगी तो यह मुद्दा आम जनता को अपील करता है।

और तमिनलाडु के मुख्यमंत्री तथा द्रमुक के चीफ एम.के. स्टालिन बिल्कुल यही कर रहे हैं। उन्होंने हिंदी थोपने के खिलाफ आंदोलन छेड़ दिया है। अपनी बात समझाते हुए वे कहते हैं कि उत्तर भारत की कई भाषाएं मर रही हैं, आज उन्हें कोई भी नहीं बोल रहा, इसका कारण सिर्फ हिंदी है। हिंदी हर भाषा के लिए यही खतरा पैदा कर देती है, इसलिए उनकी सरकार व राज्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति का विरोध कर रहा है, जिसमें हिंदी पढ़ना अनिवार्य किया गया है।

अब इस विवाद में राज्य के राज्यपाल भी कूद पड़े हैं। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन की जोरदार वकालत की। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के दो भाषा के फार्मूले ने राज्य के युवा को कई अवसरों से वंचित कर दिया है। एक्स पर लिखी अपनी पोस्ट में उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में मानव सम्पदा व प्राकृतिक संसाधन भरपूर हैं। पर वह काफी उपेक्षित महसूस करता है, यह सही नहीं है।’’

उन्होंने आगे लिखा,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाई कोर्ट ने महँगाई भत्ते के आधार पर ग्रेच्युटी की गणना पर जवाब मांगा

जयपुर, 28 फरवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने रिटायर कर्मचारियों को मिलने वाली ग्रेच्युटी की गणना महंगाई भत्ते से करने को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए केन्द्र सरकार, राज्य के मुख्य सचिव, वित्त सचिव और पेंशन निदेशक से चार सप्ताह में जवाब मांगा है। जस्टिस महेन्द्र कुमार गोयल और जस्टिस मनीष शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश श्रीधर शर्मा व अन्य की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

- **हाई कोर्ट ने ग्रेच्युटी की गणना महँगाई भत्ते से करने को चुनौती देने वाली याचिका की सुनवाई की और केन्द्र सरकार, राज्य के मुख्य सचिव, वित्त सचिव व पेंशन निदेशक से जवाब माँगा।**

याचिका में वरिष्ठ अधिवक्ता हनुमान चौधरी और अधिवक्ता तरुण चौधरी ने अदालत को बताया कि 7वें वेतन आयोग के जरिए सेवानिवृत्त और मृत कर्मचारी को मिलने वाली ग्रेच्युटी की राशि को दस साल से बढ़ाकर बीस लाख किया था। केन्द्र सरकार ने 30 मई, 2024 को एक कार्यालय आदेश जारी कर महंगाई भत्ता मूल वेतन का पचास फीसदी होने पर कर्मचारी की ग्रेच्युटी की राशि को बढाकर 25 लाख रुपए कर दिया। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता पूर्व में ही रिटायर हो चुके

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उत्तराखंड के चमोली में भारी एवलांच में 57 मजदूर दबे, 32 को बचाया

बॉर्डर रोड ऑर्गनाइज़ेशन के कैम्प के पास ग्लेशियर फटने से यह हादसा हुआ है

- **सूत्रों ने बताया, जिस इलाके में एवलांच (हिमस्खलन) हुआ है, वहाँ बॉर्डर रोड ऑर्गनाइज़ेशन द्वारा सड़क निर्माण करवाया जा रहा था।**
- **प्रशासन मौके पर राहत व बचाव कार्य में जुटा है। 57 में से 32 मजदूरों को बचा लिया गया है, शेष को बचाने के प्रयास चल रहे हैं। पर, भारी बर्फबारी के कारण राहत व बचाव कार्य में परेशानी आ रही है।**
- **जहाँ हादसा हुआ है, वहाँ सैटलाइट फोन भी काम नहीं कर रहे हैं, इसलिए समुचित जानकारी नहीं मिल पा रही है।**

चमोली, 28 फरवरी। उत्तराखंड के चमोली में शुक्रवार सुबह 7.15 बजे एवलांच (हिमस्खलन) हुआ, जिसमें बॉर्डर रोड ऑर्गनाइज़ेशन (बीआरओ) के 57 मजदूर दब गए। जिस इलाके में हिमस्खलन हुआ, वहां सड़क निर्माण का काम चल रहा था। चमोली के माणा स्थित बॉर्डर रोड ऑर्गनाइजेशन (बीआरओ) के कैंप के पास ग्लेशियर फटने से यह बड़ा हादसा हुआ। 57 में से 32 मजदूरों को बचा लिया गया है। मौके पर राहत और बचाव दल लगातार काम में जुटा हुआ है। भारी बर्फबारी के कारण राहत और बचाव कार्य में परेशानी आ रही है।

3200 मीटर से ज्यादा ऊंचाई पर 6 फीट जमी बर्फ के बीच बाकी के 25 मजदूरों की तलाश जारी है। यह घटना बद्रीनाथ से 3 किलोमीटर दूर चमोली के माणा गांव में हुई है। हादसे के दौरान सभी मजदूर 8 कंटेनर और एक शेड में मौजूद थे।

रेस्क्यू किए गए सभी मजदूरों को माणा गांव में आईटीबीपी कैंप लाया गया है। यहां उनका इलाज चल रहा है। इनमें से चार लोगों की हालत गंभीर है। फिलहाल खराब मौसम के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन रोक दिया गया है। पूरे इलाके में तेज बर्फबारी हो रही है।

चमोली के जिलाधीश संदीप तिवारी ने बताया कि मौसम खराब होने की वजह से कुछ समय तक रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू नहीं हो पाया था। इलाके में लगातार बर्फबारी हो रही है। इस वजह से हेलीकॉप्टर वहां नहीं जा सकता है। जहां पर ग्लेशियर फटा है, वह ऐसा इलाका है, जो नो नेटवर्क ज़ोन है। सेटेलाइट फोन भी वहां पर काम नहीं कर रहे हैं। हादसे का शिकार हुई टीम के साथ कोई संपर्क नहीं हो पा रहा है। हमारी कोशिश है कि सभी को रेस्क्यू किया जा सके। अब तक किसी के भी हताहत होने की सूचना नहीं मिली है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस घटना पर दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि भगवान बदरी विशाल से सभी श्रमिक भाइयों के सुरक्षित होने की प्रार्थना करता हूं।

मौसम विभाग ने 28 फरवरी की देर रात तक उत्तराखंड में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया। मौसम विभाग के मुताबिक इस दौरान 20 सेमी तक बारिश हो सकती है।

घटना की सूचना मिलते ही, भारतीय सेना ने त्वरित बचाव दल को तुरंत सक्रिय किया। आइबेक्स ब्रिगेड के 100 से अधिक जवानों, चिकित्सकों, एंबुलेंस और भारी मशीनरी के साथ राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। लगभग 11:50 बजे तक बचाव दल ने पांच कंटेनरों का पता लगा लिया और 10 मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। शेष तीन कंटेनरों में फंसे लोगों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

‘अनुसूचित जाति आयोग में महत्वपूर्ण पद क्यों रिक्त हैं?’

राहुल गांधी ने कटाक्ष करते हुए कहा, ये रिक्त पद सरकार की एससी वर्ग के प्रति संवेदनहीनता की मनःस्थिति का प्रमाण हैं

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **राहुल गांधी के एक्स पर प्रसारित मैसेज में यह भी लिखा है कि, अनुसूचित वर्ग अपनी मजबूरियां व अन्याय की लड़ाई आयोग के समक्ष प्रस्तुत करता है, क्योंकि आयोग एक संवैधानिक संस्था है, पर, अगर आयोग का गठन ही नहीं हो पाया तो अपनी गुहार लेकर कहाँ जायें।**

नई दिल्ली, 28 फरवरी। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आज सरकार की घोर निंदा करते हुये कहा कि नैशनल कमीशन फॉर शिड्यूल्ड कास्ट्स में प्रमुख पद खाली पड़े हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से अनुरोध किया कि ये पद जल्दी भरे जायें ताकि यह आयोग दलितों के अधिकारों एवं हितों के संरक्षण के दायित्व को प्रभावी तरीके से पूरा कर सके।

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि आयोग में इन पदों का खाली होना मोदी सरकार की ‘‘दलित-विरोधी सोच’’ को दर्शा रहा है।

उन्होंने कहा कि यह आयोग एक संवैधानिक संस्था है तथा इसे कमज़ोर करना दलितों के संवैधानिक तथा सामाजिक अधिकारों पर सीधा हमला है। ‘‘एक्स’’ पर हिन्दी में की गई एक पोस्ट में गांधी ने कहा, ‘‘भाजपा सरकार की दलित-विरोधी सोच का एक और प्रमाण देखिये! नैशनल कमीशन फॉर शिड्यूल्ड कास्ट्स, जो दलितों के अधिकारों की रक्षा करता है, की जानबूझ कर उपेक्षा की जा रही है, इसके दो अति महत्वपूर्ण पद पिछले एक साल से खाली पड़े हैं।’’

उन्होंने कहा, ‘‘यह आयोग एक संवैधानिक संस्था है- इसे कमज़ोर करना दलितों के संवैधानिक एवं सामाजिक अधिकारों पर सीधा हमला है। अगर आयोग नहीं होगा, तो सरकार में दलितों की आवाज कौन सुनेगा? उनकी शिकायतों पर कार्यवाही कौन करेगा?’’

लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष ने कहा, ‘‘प्रधानमंत्री जी, आयोग के सभी यथाशीघ्र पद भरे जाने चाहिये, जिससे यह दलितों के अधिकारों एवं हितों की रक्षा करने के अपने दायित्व को प्रभावी तरीके से पूरा कर सके।’’

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

‘नकद मानदेय मिलने के बाद भी बोनस अंक का हक है’

जयपुर, 28 फरवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने नर्सिंग ऑफिसर भर्ती-2023 के मामले में कहा है कि यदि संविदा पर काम के बदले अभ्यर्थी को नकद मानदेय मिला है तो भी वह अनुभव के तौर पर बोनस अंक लेने का हकदार है। इसके साथ ही, अदालत ने संबंधित सीएमएचओ को कहा है कि वे

- **हाई कोर्ट ने नर्सिंग ऑफिसर भर्ती-2023 के मामले में तौशीब अंसारी की याचिका पर सरकार को यह निर्देश दिया और भर्ती पर विचार करने के लिए कहा।**

याचिकाकर्ता के अनुभव की जांच व सत्यापित कर उसकी नियुक्ति पर विचार करें। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने ये आदेश तौशीब अंसारी की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता प्रदीप सिंह ने बताया कि याचिकाकर्ता ने नर्सिंग

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

‘चुनाव के लिए ‘‘डीलिमिटेशन’’ केवल जनसंख्या के आधार पर हुआ तो हम स्वीकार नहीं करेंगे’

स्टालिन ने केन्द्रीय सरकार को संबोधित करते हुए कहा कि केवल जनसंख्या को आधार बनाना, दक्षिण भारत के राज्यों को, परिवार नियोजन कड़ाई से लागू करने के प्रयास के लिये दंड देना होगा

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **स्टालिन ने यह भी कहा कि केन्द्रीय सरकार इस बात का तो वादा करती है कि दक्षिण भारत के राज्यों की संसदीय सीटें कम नहीं होगी। पर, इस बात का विश्वास नहीं दे पाती कि उत्तर भारत की संसदीय सीटों की संख्या में बढ़ोतरी नहीं होगी।**

नई दिल्ली, 28 फरवरी। लोकसभा क्षेत्र परिसीमन को लेकर केन्द्र और दक्षिणी राज्यों के बीच मतभेद बढ़ रहे हैं तथा इससे संघीय संबंध खराब होने की नौबत आ सकती है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने मोदी सरकार से अपील की है कि केवल जनसंख्या के आधार पर संसदीय क्षेत्रों का निर्धारण करके दक्षिणी राज्यों को ‘‘दण्डित’’ न किया जाये। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसी किसी भी कोशिश का विरोध किया जायेगा।

स्टालिन ने कहा कि संसदीय क्षेत्रों के परिसीमन की कवायद के जरिये अगर राज्य के प्रति अन्याय किया गया तो तमिलनाडु के लोग तथा उनकी पार्टी, द्रमुक उसे कभी स्वीकार नहीं करेंगे।

स्टालिन, जो द्रमुक अध्यक्ष भी हैं, ने एक वीडियो मैसेज में कहा, ‘‘हमारी माँग बिल्कुल स्पष्ट है- केवल जनसंख्या के आधार पर संसदीय क्षेत्रों का निर्धारण मत कीजिये। दक्षिणी राज्यों, जिन्होंने जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने के लिये जिम्मेदाराना उपाय किये हैं, को दण्ड मत दीजिये।’’

उन्होंने अपने 72वें जन्मदिन की पूर्व संध्या पर अपने संदेश में कहा कि अगर ऐसा ‘‘अन्याय’’ जबरन किया गया तो तमिलनाडु तथा द्रमुक उसे कभी स्वीकार नहीं करेंगे।

स्टालिन ने पार्टी कार्यकर्ताओं को की गई अपनी अपील में कहा, ‘‘हमें यह संकल्प लेना ही होगा कि हम तमिलनाडु के कल्याण तथा प्रत्येक व्यक्ति एवं भविष्य के मामले में कभी समझौता नहीं करेंगे। हमें एकजुट होकर खड़ा होना तथा अपने राज्य के अधिकारों के लिये लड़ना होगा। तमिलनाडु प्रतिरोध करेगा और जीतेगा।’’

उन्होंने कहा, ‘‘सामान्यतः मैं अपना जन्मदिन भव्य तथा आडम्बरपूर्ण रूप में नहीं मनाता हूँ। लेकिन मेरी पार्टी के नेता और कार्यकर्ता (इस दिन)

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

समरावता कांड में जाँच क्यों लंबित रखी?

जयपुर, 28 फरवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने देवली-उनियारा विधानसभा सीट पर 13 नवंबर 2024 को हुए उपचुनाव के दौरान निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा द्वारा एसडीएम को थप्पड़ मारने की घटना के बाद

- **राजस्थान हाई कोर्ट ने देवली-उनियारा विधानसभा सीट के उपचुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा द्वारा एसडीएम को थप्पड़ मारने व ग्रामीणों के खिलाफ कार्यवाही के मसले पर जाँच अधिकारी से पूछा।**

समरावता में ग्रामीणों के खिलाफ हुई कार्रवाई की सीबीआई जांच की गुहार के लिए दायर याचिका में जांच

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बजरी माफिया के खिलाफ जाँच में सी.बी.आई. की सुस्ती पर हाई कोर्ट ने नाराज़गी जताई

अदालत ने कहा कि बजरी खनन के खिलाफ गत वर्षों में दर्ज हुई 416 एफ.आई.आर. पर जाँच रिपोर्ट क्यों तैयार नहीं है, इसकी जानकारी दे, सी.बी.आई. डायरेक्टर अगली तारीख पर

- यादवेन्द्र शर्मा -

- **सी.बी.आई. की ओर से कहा गया कि इन मामलों में जाँच करने के लिए उसके पास न तो पर्याप्त ‘‘मैन पावर’’ है और न ही पर्याप्त आधारभूत ढांचा है।**

जयपुर, 28 फरवरी। प्रदेश में अवैध बजरी खनन पर सैंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वैस्टिगेशन (सी.बी.आई.) द्वारा प्रारंभिक जांच रिपोर्ट नहीं उपलब्ध कराये जाने पर हाई कोर्ट ने मामले की सुनवाई की अगली तारीख पर सी.बी.आई. के डायरेक्टर को वी.सी. (वीडियो कॉन्फ्रेंस) के माध्यम से उपलब्ध होने के आदेश दिए है। अदालत ने कहा है कि सी.बी.आई. डायरेक्टर, जो प्रदेश में अवैध बजरी खनन की जांच के विषय में जानते हैं, वह स्पष्ट शब्दों में बताये कि अदालती आदेशों के बावजूद इस मामले में जांच क्यों नहीं बढ रही है। न्यायाधीश समीर जैन ने यह आदेश जब्बार बनाम स्टेट ऑफ राजस्थान में आपराधिक जांच को लेकर चल रहे मामले सुनवाई करते हुए दिए है। इस मामले की अगली सुनवाई 17 मार्च तय की गई है।

दरअसल इस मामले में वर्ष 2023 में जब्बार व उसके वाहन चालक शाहरूख खान के खिलाफ बूंदी जिले में अवैध रूप से बजरी खनन कर तस्करी व चोरी करने का आरोप लगाते हुए एफ.आई.आर. दर्ज की गई थी। मामले के तथ्य के अनुसार जब्बार का ड्राईवर अवैध रूप से निकाली गई 40 टन बजरी ले जा रहा था। जब इन दोनों ने अदालत में जमानत के लिए याचिका दायर की, तब अदालत ने मामले की सुनवाई करते हुए, 4 अप्रेल को तीखी टिप्पणी करते हुए कहा था कि प्रदेश में अवैध बजरी का खनन लम्बे अर्से से चला आ रहा है, और राज्य के खनन विभाग और पुलिस बेपरवाह और निर्लज तरीके से जांच करती है जिससे प्रतीत होता है कि अधिकारी व राज्य सरकार बजरी माफियाओं के साथ मिली हुई है।

अदालत ने यह तक कह दिया कि ऐसे मामलों में राजनैतिक दखलअंदाजी भी देखी जा सकती है क्योंकि पुलिस अफसर ऐसे मामलों केस डायरी में भी हर दिन एंट्री नहीं करते हैं और जांच कछुए की चाल से भी धीरे चलती है जबकि भारी प्रमाण स्पष्ट रूप से मौजूद होते हैं। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि बजरी खनन से राज्य सरकार की आय में भारी कटौती होती है परन्तु फिर भी राज्य सरकार बजरी खनन को रोकने के लिए स्वयं द्वारा शुरू की गई मुहिमों को लागू नहीं करती है। सभी तथ्यों को रिकॉर्ड पर लेते हुए अदालत ने 16 अप्रैल,2024, को इस मामले की जांच सी.बी.आई. को सौंपी थी और कहा था कि वह प्राथमिक जांच रिपोर्ट पेश करें। अदालत ने इस मामले में अधिवक्ता पूनीत सिंघवी को न्यायमित्र भी घोषित किया था।

आज अदालत के समक्ष सुनवाई के दौरान सामने आया कि केवल बनास व चम्बल नदी क्षेत्र में पिछली गहलोत सरकार के दौरान 416 एफ.आई.आर. दर्ज की गई थी। सी.बी.आई. की ओर से कहा गया कि जब्बार व शाहरूख खान के मामले में एक अतिरिक्त चार्ज शीट दायर की है, परन्तु अन्य मामलों में वह जांच इसलिए पूरी नहीं कर पा रही है क्योंकि उसके पास पर्याप्त आधारतभूत ढांचा और श्रमशक्ति उपलब्ध नहीं है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राज्य सरकार से सहयोग नहीं मिला है। जिस पर राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि सी.बी.आई. राज्य सरकार के अधीन कोई जांच एजेंसी नहीं है और हाई कोर्ट से ऐसा कोई आदेश नहीं दिया गया था जिससे राज्य सरकार को सी.बी.आई. को जांच अधिकारी सौंपने थे।

अदालत ने सी.बी.आई. की जांच के प्रति रवैये पर नाराजगी जताते हुए कहा कि अगली तारीख पर उनके डायरेक्टर सुनवाई के लिए उपलब्ध रहें।

तेलंगाना टनल हादसे में मजदूरों के जिंदा बचने की उम्मीद नगण्य

नागरकुर्नूल, 28 फरवरी। तेलंगाना के नागरकुर्नूल में निर्माणाधीन श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल

- **टनल में अभी भी 8 मजदूर फंसे हुए हैं। राहत कार्य चल रहा है पर हर दिन के साथ उम्मीद कम हो रही है।**

(एसएलबीसी) टनल का एक हिस्सा 22 फरवरी को ढ ह गया था। घटना को 6 दिन बीत चुके हैं। लेकिन टनल में फंसे 8 मजूदरों को अब तक नहीं निकाला जा सका है। रेस्क्यू जारी है।

शुक्रवार को साउथ सेंट्रल रेलवे (एससीआर) की 2 टीमें भी रेस्क्यू के लिए पहुंचीं। टीम भारी धातुओं को प्लाज्मा कटर और ब्रॉक कटिंग मशीन जैसे आधुनिक उपकरणों से काटकर रास्ते से हटा रही है।

नेशनल जियोफिजिकल रिसर्च ?

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

केवल प्रकाश का अभाव ही अंधकार नहीं, प्रकाश की अति भी मनुष्य की आँखों के लिए अंधकार है। –स्वामी रामतीर्थ

देश में डिजिटल क्रांति का असर : मनोरंजन के नाम पर परोसी जा रही है अश्लीलता

डिजिटल क्रांति ने देश में मनोरंजन के तरह तरह के साधन उपलब्ध करा दिए है। इनमें एक ओटीटी प्लेटफार्म भी है। आजकल ओटीटी की चर्चा खूब हो रही है। ओटीटी की फुल फॉर्म ओवर द टॉप होती है। यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म है, जो कुछ और प्लेटफॉर्म्स की मदद से मोबाइल पर ही वेब सीरीज, फिल्में, और सीरियल उपलब्ध करा देता है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 2024में देश में ओटीटी देखने वाले दर्शकों की संख्या 550 मिलियन तक पहुंच गई है। यह 2023 की तुलना में काफी ज्यादा है, जो इस डिजिटल क्रांति के तेजी से बढ़ने का संकेत देता है। इंटरनेट की रफ्तार बढ़ना, स्मार्टफोन का चलन बढ़ना और टेलीकॉम कंपनियों के बीच डेटा के दाम कम करने की होड़ इस बढ़ते हुए दर्शक वर्ग का कारण हैं। दरअसल कोरोना महामारी के दौर में डिजिटल वर्ल्ड में एक गजब की क्रांति हुई। इस दौरान लोग घरों में बंद थे। उन्हें मनोरंजन की तलाश थी। विशेषकर युवा वर्ग अपने मोबाइल पर कुछ न कुछ खोज रहे थे। और उन्हें घर बैठे यह सुविधा ओटीटी प्लेटफॉर्म ने सुलभ करा दी। इससे शहर से गांव तक ओटीटी प्लेटफॉर्म का चलन बढ़ गया। मोबाइल पर ही लोगों को मनपसंद वेब सीरीज, फिल्में और शो मिलने लगे। अब उन्हें कहीं जानें की जरुरत नहीं थी। सिनेमा हाल में तीन–चार घंटे बिताने की भी कोई जरुरत नहीं थी। देखते–देखते ओटीटी प्लेटफॉर्म्स सबका चहेता बन गया और मनोरंजन के साथ मोज़ मस्ती तक लोगों की पहुंच आसान हो गई। अमेरिका से होते हुए भारत में सबसे पहली बार साल 2008 में ओटीटी प्लेटफॉर्म की शुरुआत हुई थी। रिलायंस एंटरटेनमेंट ने देश का पहला ओटीटी प्लेटफॉर्म Bigflix लॉन्च किया था। दो साल बाद 2010 में Digivive ने TV नाम से ओटीटी मोबाइल ऐप लॉन्च किए गए। इनमें वीडियो ऑन डिमांड के साथ टीवी देखने की भी सुविधा मिली। वर्तमान में भारत में कई तरह के ओटीटी प्लेटफॉर्म्स हैं। नेटफ्लिक्स, अमेज़न प्राइम वीडियो, डिज़्नी हॉटस्टार वूट, हुलु, सोनी लिव, जी फाइव और एमएक्स प्लेयर आदि अब सब जगह आसानी से उपलब्ध है। ओटीटी सर्विस वर्तमान में बहुत पॉपुलर हो गई है।

ओटीटी जैसे–जैसे लोगों में लोकप्रिय हुआ वैसे–वैसे अच्छाइयों के साथ बुराइयां भी इसमें शामिल हो गई है। इसे देखते हुए केंद्र सरकार ने ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के लिए नई गाइडलाइंस जारी की हैं। गाइडलाइंस में अश्लील और आपत्तिजनक कंटेंट पर सख्ती बढ़ाई गई है, ताकि बच्चों और युवाओं को अश्लील तथा अनुचित कंटेंट देखने से रोका जा सके। वेब सीरीज में बढ़ते नशे के प्रयोग और अश्लीलता को लेकर केंद्र सरकार ने ओटीटी प्लेटफार्म को चेतावनी भी जारी की है। रणवीर इलाहाबादिया विवाद के बाद सरकार ने ओटीटी और डिजिटल मीडिया पर नियंत्रण को लेकर नए नियम लागू किए हैं। सरकार ने यह कदम हाल ही में विवादों में आए 'इंडियाजगॉटलेटेंट' शो के एक अश्लील मजाक को लेकर उठाया गया है। दरअसल देश के मनोरंजन परिदृश्य में बड़े पैमाने पर क्रांतिकारी परिवर्तन हुए हैं और इस क्रांति के केंद्र में ओवर–द–टॉप (ओटीटी) की उल्लेखनीय भूमिका है। ओटीटी ने देश में बड़ी हलचल मचा दी हैं। ओटीटी से सबसे ज्यादा हमारा युवा वर्ग आकर्षित हुआ है। इसका उपयोग मुख्य रूप से वीडियो ऑन डिमांड प्लेटफॉर्म्स, ऑडियो स्ट्रीमिंग, ओटीटी डिवाइसेस, वोइसआईपी कॉल, एवं कम्युनिकेशन चैनल मैसेजिंग आदि के लिए किया जाता है। ओटीटी प्लेटफार्मों में नेटफ्लिक्स, अमेज़ॅन प्राइम वीडियो, डिज्नी हॉटस्टार, हुलु और यूट्यूब टीवी शामिल हैं। ये प्लेटफ़ॉर्म आमतौर पर फिल्मों, टीवी श्रृंखला, वृत्तिचत्रों, लाइव स्पोर्ट्स और समाचार सहित सामठी की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में फेमस यूट्यूबर और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर रणवीर अल्लाहबादिया से जुड़े विवाद पर टिप्पणी की और उनके कुछ कंटेंट को 'अश्लील' और 'समाज के लिए शर्मनाक' बताया गया है।

आज ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म पर क्राइम पर आधारित शो या ऐसे शो जिसमें क्राइम सम्बन्धित कंटेंट अधिक शामिल हों, अधिक देखने को मिल रहे हैं। वहीं लगभग 70 प्रतिशत लोगों का मानना है कि आज ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म पर दिखाए/ परोसे जाने वाले कंटेंट लोगों, खासकर युवाओं के मन-मस्तिष्क, रहन-सहन और समाज पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। सबसे बड़ी युवा आबादी वाला देश भारत है। आज हमारा युवा नशाखोरी के मकड़जाल में फंसता जा रहा है।

ओटीटी प्लेटफार्म पर दरअसल इंटरनेट पर जारी धारावाहिक या वीडियो एपिसोड की एक श्रृंखला होती है और इसे वेब शो के नाम से भी जाना जाता है। वेब सीरीज को भी टीवी सीरियल की तरह डिजाइन किया जाता है। वेब सीरीज का प्रसारण सिर्फ डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर ही किया जाता है। इसका प्रसारण सिर्फ इंटरनेट पर होने के कारण ही इसे वेब सीरीज कहा जाता है। वेब सीरीज में अश्लीलता दिखाई जा रही है जो कि समाज के लिए हानिकारक है। वेब सीरीज में गालियां एवं अश्लीलता को खुल कर दिखाया जाता है जिससे कि वेब सीरीज का गरम मसाला बरकरार रहता है एवं इसकी ओर ज्यादा से ज्यादा लोग आकर्षित होते रहते हैं। युवाओं पर भी इनका गहरा असर पड़ता है। वेब सीरीज में दिखाए जाने वाले नशे, रंगीन लाइफस्टाइल में जीना युवाओं की पसंद बन जाती है। मनोरंजन के साधन का यह बदलता स्वरूप अपने आप में एक बड़ा विषय है जिसकी हमें समीक्षा करने की जरूरत हैं। वेब सीरीज के प्रति युवा पीढ़ी का आकर्षण बढ़ा है। इसमें सामाजिक व नैतिक मूल्यों को दरकिनार करके कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाने की शिकायतें उठ रही हैं। वेब सीरीज से सामाजिक तानाबाना प्रभावित हो रहा है। परिवार में रिश्ते भी प्रभावित हो रहे हैं। भारतीय सभ्यता और संस्कृति दुनिया में सबसे उम्दा है। इसके संरक्षण की आवश्यकता है। इसी कड़ी में वेबसीरीज पर रोकथाम जरूरी है। इंटरनेट पर अनेक वेब सीरीज उपलब्ध हैं। इसमें अपराधों के साथ ही अश्लीलता भरे कार्यक्रम प्रस्तुत किए जा रहे हैं। यह भारतीय सभ्यता और संस्कृति के लिए खतरा है। अधिकांश वेब सीरीज समाज में गंदगी फैला रहे हैं। देश की संस्कृति को गलत दिशा में मोड़ने का कुचक्र किया जा रहा है।

ओटीटी प्लेटफार्म का प्रभाव इतना बढ़ गया है कि अमेरिका की दो सबसे बड़ी कंपनिया नेटफ्लिक्स और अमेज़न प्राइम ने भारतीय भाषा में कंटेंट बनाना शुरू कर दिया है। भारत में अमेज़न प्राइम, नेटफ्लिक्स, जी 5, हॉटस्टार प्रीमियम, अल्ट बालाजी जैसे कुछ सबसे प्रसिद्ध एप्लीकेशन है जिनकी मदद से हम वेबसीरिज का आनंद उठा सकते है। वेब सीरीज के संवादों में गाली–गलौज से लेकर लिंगसूचक, जातिगत और व्यक्तिगत टिप्पणी का बोलबाला अधिक हो रहा है जो हमारे सामाजिक ताने बाने को क्षतिग्रस्त कर रहे है। एक सर्वे के अनुसार वेबसीरीज में समाहित सामग्रियों का समाज पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करने की प्रक्रिया में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार और दिल्ली के उत्तरदाताओं के मत को इकठ्ठा किया है। उत्तरदाताओं से मिले जवाब के अनुसार आज अमेज़न सबसे अधिक देखा जाने वाला ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म है। वहीं आज ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म पर क्राइम पर आधारित शो या ऐसे शो जिसमें क्राइम सम्बन्धित कंटेंट अधिक शामिल हों, अधिक देखने को मिल रहे हैं। वहीं लगभग 70 प्रतिशत लोगों का मानना है कि आज ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म पर दिखाए/ परोसे जाने वाले कंटेंट लोगों, खासकर युवाओं के मन–मस्तिष्क, रहन–सहन और समाज पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। सबसे बड़ी युवा आबादी वाला देश भारत है। आज हमारा युवा नशाखोरी के मकड़जाल में फंसता जा रहा है। इन दिनों OTT प्लेटफॉर्म का खूब बोलबाला है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर वेब सीरीज में सरे आम नशे और अश्लीलता को परोसा जा रहा है। गन्दी बात के साथ ड्रग्स, सिगरेट और शराब का सरेआम सेवन हो रहा है। युवा वर्ग आजकल फिल्मों के स्थान पर वेब सीरीज में अधिक डूबा हुआ है।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

महाकुंभ : एक थाली और एक थैला अभियान ने दिखा दी देश को नई दिशा

विनोद पाठक

प्रयागराज के महाकुंभ में एक ऐसा अनूठा अभियान चलाया गया। जो देश में प्लास्टिक के इस्तेमाल को लेकर दिशा और दशा, दोनों को बदल । दरअसल, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने महाकुंभ से पहले देशभर से एक थाली और एक थैला इकट्ठा करने का बड़ा अभियान छेडा था, ताकि प्लास्टिक की थाली और थैलियों के प्रयोग से बचा जा सके। देश से जुटाई गईं स्टील की थालियों और कपड़े के थैलों की महाकुंभ में अखाड़ों, संस्थाओं और सरकारी विभागों को आपूर्ति की गई। इस अभियान के क्रांतिकारी परिणाम सामने आए हैं, जो न केवल आर्थिक, बल्कि पर्यावरण के दृष्टिकोण से बहुत महत्वपूर्ण हैं।

सरकारी आंकड़ों पर विश्वास करें तो महाकुंभ में 66 करोड से अधिक श्रद्धालु संगम में स्नान कर चुके हैं। इतनी बाडी संख्या में श्रद्धालुओं के आने के बावजूद 4200 हेक्टेयर में फैला महाकुंभ मेला क्षेत्र स्वच्छ नजर आता है। हजारों की संख्या में मेला क्षेत्र में भंडारे चलने के बावजूद कहीं भी प्लास्टिक की थाली या गिलास देखने को नहीं मिल रहे हैं। मेला प्रशासन की सफाई को लेकर व्यवस्था तो ही है, लेकिन इसका बडा श्रेय एक थाली और एक थैला अभियान को भी जाता है।

महाकुंभ आयोजन से जुड़े सरकारी अधिकारियों ने भी प्लास्टिक मुक्त महाकुंभ को लेकर प्रयास शुरू किए। इसमें साधु–संतों को अपने साथ जोड़ा। अखाड़ों ने यह प्रण लिया कि इस बार प्लास्टिक का उपयोग नहीं करेंगे। हालांकि, असली समस्या यह आ रही थी कि यदि प्लास्टिक नहीं तो फिर क्या? इसका रास्ता दोना–पत्तल और कुल्हड से निकला, लेकिन करोड़ों की संख्या में इनकी आपूर्ति आसान नहीं होती। फिर इनके निस्तारण की व्यवस्था भी करनी पड़ती। इसके बाद स्टील की थाली और कपड़े के थैले का आइडिया सामने आया। स्टील की थाली को धोकर दोबारा इस्तेमाल में लिया जा सकता है। यदि आंकड़ों पर जाएं तो महाकुंभ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने 14 लाख से अधिक स्टील की थालियां वितरित की हैं। 13 लाख से अधिक कपड़े के थैले बांटें हैं। पौने तीन लाख से अधिक स्टील के गिलास बांटे गए हैं। इस अभियान से 29,000 टन अपशिष्ट की कमी आई है और 140 करोड़ रुपए से अधिक की बचत हुई है।

एक थाली और एक थैला अभियान में साधु–संतों और संस्थाओं का योगदान सराहनीय रहा है। उन्होंने इस अभियान को न केवल हाथों–हाथ लिया, बल्कि ऐसी व्यवस्था की कि भक्त स्वयं थालियां को साफ करें और सुरक्षित रखकर जाएं। यही कारण है कि मेला क्षेत्र प्लास्टिक की थाली या गिलास नजर नहीं आए। दूसरा, प्रशासन ने दोना–पत्तल, कुल्हड़ और कपड़े के थैलों को बहुत अधिक बढ़ावा दिया। जो बायोडिग्रेडेबल हैं।

पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचते हैं। मेला प्रशासन ने अपनी ओर से अखाड़ों को दोना–पत्तल, कुल्हड़ और जूट–कपड़े के थैले मुफ्त में वितरित किए। सभी 25 सेक्टरों में इनके स्टॉल्स लगाए। प्लास्टिक मुक्त महाकुंभ को लेकर जनजागरुकता अभियान चलाया। पूरे मेला क्षेत्र को प्लास्टिक फ्री घोषित किया। आज देश के आगे प्लास्टिक एक गंभीर समस्या बना हुआ है। खासकर प्लास्टिक की थाली, गिलास और चम्मच पर्यावरण को बेहद नुकसान पहुंचा रहे हैं। प्लास्टिक, जो बरसों–बरस तक डिकम्पोज नहीं होता है। इस समस्या को लेकर सुप्रीम कोर्ट भी कई बार टिप्पणी कर चुका है, लेकिन कोई भी राह इस दिशा में नजर नहीं आ रही है, लेकिन जिस तरह से महाकुंभ में स्टील की थाली व गिलास और कपड़े के थैले ने राह दिखाई है, वो काबिलेतारीफ है। देश इसका अनुसरण कर एक बड़ी समस्या से निजात पा सकता है। देश में हर वर्ष अरबों प्लास्टिक की थाली, गिलास, चम्मच आदि का इस्तेमाल विभिन्न अवसरों पर होता है। इनकी जगह यदि स्टील का इस्तेमाल हो तो बड़ी राहत मिल सकती है। स्टील को न केवल बार–बार प्रयोग में लिया जा सकता है, बल्कि खराब होने पर ये आसानी से रि–साइकिल भी हो जाता है।

महाकुंभ में आए करोड़ों लोगों ने इस अभियान को देखा है। निश्चित रूप से वो इससे प्रेरित हुए होंगे। आगामी दिनों में हमें शादी, भंडारों और अन्य अवसरों पर प्लास्टिक के बजाय स्टील के बर्तनों का इस्तेमाल देखने को मिल सकता है। कपड़े के थैले को लेकर अभियान देश भर में चलता रहता है। बहुत से संगठन इससे जुड़े हुए हैं, लेकिन स्टील की थाली एक क्रांतिकारी कदम साबित होने वाला है। निश्चित ही महाकुंभ से निकला यह संदेश देश भर में पहुंचेगा।

–विनोद पाठक,
(वरिष्ठ लेखक एव पत्रकार)

डॉ. गर्ग ने सड़के मंजूर करने पर सीएम का जताया आभार

भरतपुर (निस)। भरतपुर विधानसभा क्षेत्र को ऐतिहासिक सौगातें देने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का पूर्व मंत्री एवं विधायक डॉक्टर सुभाष गर्ग ने हार्दिक आभार व्यक्त किया।

विधायक डॉ सुभाष गर्ग ने बताया कि भरतपुर विधानसभा क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक सौगातें दी गई है जिनमें लोहागढ स्टेडियम एवं जसवंत प्रदर्शनी मैदान में ड्रेनेज कार्य, 10 करोड़ रुपए से मथुरा बाईपास से मुरवारा सड़क का 2 किलोमीटर चौड़ाईकरण एवं सुदृढीकरण कार्य, प्लॉट नंबर ई–90, 4 करोड़ 10 लाख रुपए से ब्रज औद्योगिक क्षेत्र से जघीना रोड (एलसी–24जी) तक सड़क का उन्नयन कार्य, 2 करोड़ 95 लाख रुपए से प्लॉट नंबर जीआई–128 से ई–90, ब्रज औद्योगिक क्षेत्र तक सड़क का सुदृढीकरण कार्य, 7 करोड़ रुपए से रेडक्रॉस सर्किल से रेलवे स्टेशन सड़क का चौड़ाईकरण कार्य, एमएसजे महाविद्यालय भरतपुर में अध्ययन ब्लॉक, ऑडिटोरियम निर्माण व अन्य कार्य, 33 केवी जीएसएस,जाटोली रथभान (सेवर), मोतीझील, स्कीम नंबर 13 है। बता दें कि इससे पहले विधायक डॉ. सुभाष गर्ग ने 28 जनवरी, 2025 को मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा को पत्र लिखकर नगर निगम क्षेत्र और गैर अनुमोदित कॉलोनियों में अत्यधिक बारिश के कारण खराब हुई सड़कों का जिक्र करते हुए 50 किलोमीटर सड़कों के लिए 30 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान किए जाने की मांग की थी।

आशा पाण्डेय का दिल्ली में किया जाएगा सम्मानित

उदयपुर, । वर्ष 2025 का दूसरा ॐ शांति साहित्य गौरव सम्मान उदयपुर की सुविख्यात कवयित्री आशा पाण्डेय ओझा आशा को दिया जाएगा। ॐ शान्ति साहित्य मेमोरियल, दिल्ली के अध्यक्ष और ख्यातनाम कवि नरेश शांडिल्य ने बताया कि आठ मार्च महिला दिवस के दिन एक समारोह में आशा को यह सम्मान प्रदान किया जाएगा। कविता विधा में उनके स्तरीय अवदान के लिए कवयित्री आशा को अंगवस्त्र, नारियल, प्रशस्ति पत्र और ग्यारह हजार की राशि से सम्मानित किया जाएगा। आशा पाण्डेय ओझा

आशा पाण्डेय

आशा की अब तक ग्यारह पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। वे साहित्य की हर विधा में लेखन करती हैं। गीत, ग़ज़ल कविता, कहानी, आलेख, निबंध, संस्मरण, यात्रा वृत्तांत सहित कई विधाओं पर अपनी कलम चला चुकी हैं। संस्थापक नरेश शांडिल्य ने अपने माता–पिता स्व. ओम प्रकाश शर्मा और स्व. शांति देवी की पुण्य स्मृति में पिछले वर्ष संस्थान की स्थापना की थी।

समाज सेवी यश अग्रवाल होंगे महामूर्खाधिराज

भरतपुर (निस)। मित्र मण्डली तरूण समाज समिति की मीटिंग अध्यक्ष अमर सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। पिछले 52 वर्ष से चली आ रही परम्परा को कायम रखते हुए होली पर्व पर तीन दिवसीय रंगीलो महोत्सव के अन्तर्गत प्रमुख उद्योगपति एवं समाजसेवी यश अग्रवाल 2025 महा मूर्खाधिराज होंगे।

10 मार्च को कुम्हेर गेट से महामूर्खाधिराज की विशाल शोभायात्रा आरंभ होकर शहर के कुम्हेर गेट, लक्ष्मण मंदिर, चौबुर्जा होते हुए मानसिंह सर्किल पर समाप्त होगी। जुलूस संयोजक नरेन्द्र सिंह मैनेजर व संस्था संस्थापक हरिमोहन मित्तल के अनुसार शोभायात्रा में रंग और गुलाल पर पूर्णतया प्रतिबंध रहेगा। पूरी शोभायात्रा में गुलाब की पंखुड़ियों से होली मिलन समारोह का आयोजन होगा। शोभायात्रा में विभिन्न झांकियां, श्वान एवं अन्य आकर्षण में भुसावर की चन्द्रप्रकाश पार्टी, सूरजपोल से खुशीराम, भागचंद, सोहनलाल पार्टी, नमक कटरा से धर्मसिंह व शंकर की पार्टियों की आकर्षक झांकियां, बलवीर सिंह निगोही की बम्ब पार्टी, मंगला ढोल की बम्ब पार्टी, नासिक ढोल के करतब देखने को मिलेंगे। महामंत्री पवन खण्डेलवाल के अनुसार कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया गया है। तरूण समाज समिति की मीटिंग में अमरसिंह अध्यक्ष, हरिमोहन मित्तल संस्थापक, नरेन्द्र सिंह मैनेजर, नवीन शर्मा, त्रिलोक सर्राफ, किशन गुप्ता, जसविंद सिंह गिल, प्रदीप शर्मा, राजकुमार बबुआ आदि अन्य सदस्य उपस्थित थे।

सीएम 2 मार्च को बांसवाड़ा जिले में, शक्तिपीठ के करेंगे दर्शन

बांसवाड़ा । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 2 मार्च को जिले में शक्तिपीठ त्रिपुरा सुंदरी मंदिर के दर्शन कर पूजा–अर्चना करेंगे। मुख्यमंत्री के विशेषाधिकारी योगेश कुमार गोयल ने बताया कि मुख्यमंत्री शर्मा 2 मार्च को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रातः 10.40 बजे आगरा एयरपोर्ट से विशेष वायुयान से रवाना होकर प्रातः 11.40 बजे तलवाड़ा हवाईपट्टी पहुंचेंगे तथा 11.45 बजे तलवाड़ा हवाईपट्टी से हेलीकोप्टर द्वारा 11.50 बजे हेलीपेड त्रिपुरा सुंदरी, उमराई पहुंचकर प्रातरू 11.50 से 12.20 तक त्रिपुरा सुंदरी में दर्शन–पूजा करेंगे तथा दोपहर 12.20 हेलीकोप्टर से प्रस्थान कर दोपहर 12.35 बजे डूंगरपुर जिले के खेरमाल पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की 2 मार्च को जिले में प्रस्तावित त्रिपुरा सुंदरी की यात्रा के तहत जिला कलेक्टर डॉ इंद्रजीत यादव व जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अठावाला ने तलवाड़ा हवाई पट्टी, त्रिपुरा सुंदरी हेलीपैड, मंदिर परिसर आदि की व्यवस्था व तैयारियों का जायजा लिया।

जिला कलेक्टर व एसपी ने तलवाड़ा हवाई पट्टी पर सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों से हवाई पट्टी व रेस्ट हाउस में की जाने वाली व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने दोनों स्थानों पर आवश्यकतानुसार सभी व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर अभीषेक गोयल, सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की दी जानकारी

भरतपुर (निस)। महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व अतिरिक्त महानिदेशक आईसीएमआर, योजना आयुक्त, योजना आयोग के संयुक्त सलाहकार, राष्ट्रीय चिकित्सा सांख्यिकी संस्थान, नई दिल्ली के पूर्व निदेशक डॉ पदम सिंह व महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय के सहायक कुल सचिव डॉ फरबट सिंह ने माँ सरस्वती और महाराजा सूरजमल की प्रतिमा के समक्ष माल्यार्पण और पुष्प् अर्पित कर किया गया। डॉ पदम सिंह का स्वागत डॉ फरबट सिंह ने पुष्प् गुच्छ, शॉल एवं श्रीफल के साथ किया। डॉ कृतिका त्रिगुणायत ने कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए कहा कि हर साल 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है।

ईट भट्टे की चिमनी से निकला धुंआ, भट्टा मालिक व श्रमिक के चेहरे खिले

हलैना, भरतपुर (निस)। एनसीआर क्षेत्र के नियम एवं सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की पालना करते हुए नदबई, वैर, भुसावर तहसील तथा हलैना उप तहसील क्षेत्र में संचालित ईंट भट्टों पर ईंट पकाई का कार्य और चिमनी से धुंआ निकलना शुरू हो गया। जिसको देख भट्टा मालिक सहित व्यापारी, ठेकेदार, श्रमिक आदि के चेहरे पर खिलावट झलक आई है। ये भट्टे अब 30 जून तक चलेंगे और एक जुलाई को चिमनी से धुंआ निकलाना बन्द हो जाऐगा। साल के 365 दिन में से केवल 122 दिन ही इन भट्टो पर ईंट पकाई होगी। ईंट भट्टा कारोबार से जुडे लोग और भट्टा संचालक एनसीआर के नियम और भरतपुर जिले का एनसीआर क्षेत्र में शामिल होने से दु:खी है,जिससे भरतपुर और डीग जिले का ईंट भट्टा कारोबार प्रभावित है। ये श्रमिक अपने परिवार सहित देश के

■ 30 जून तक ईट पकाई का होगा कार्य

कई राज्यों से दशहरा से दीपावली पर्व के आसपास आते है और गुरू पूर्णिमा से रक्षाबन्धन पर्व तक अपने घरों को लौटते है। जब ये गांव व घर से आते है तो सभी के चेहरे पर खुशियां नजर आती है। जिन्हे ईंट भट्टा मालिक, मुनीम व अन्य कर्मचारी श्रमिकों के द्वारा ईंट थपाई, निकासी, पकाई, बिक्री आदि कार्य कराए जाते है।

कहां कहां संचालित है भट्टे : उपखण्ड नदबई, वैर, भुसावर, डीग जिले के उपखण्ड नगर व कुम्हेर तथा पडौसी जिले अलवर के उपखण्ड कठूमर, लक्ष्मणगढ एवं दौसा जिले के उपखण्ड महवा, मण्डावर, लवाण, करौली जिले के उपखण्ड टोडाभीम में करीब 250 से अधिक ईंट भट्टे संचालित है। भरतपुर जिले में कस्वा नदबई, हलैना, बेरी, रामनगर, नसवारां, हन्तरा, सरसैना, ईरनियां, अरोदा, बुढवारी, भदीरा, नामखेडा, करीली, ऊंच, कबई, रौनिजा आदि गांवों पर 125 से अधिक ईंट भट्टे है।

ढाई दशक में 190 भट्टे हुए बन्द : ईंट भट्टा संचालक चंचल जिन्दल, सन्तोष चौधरी, अनिल सैनी व पिन्टू जाट ने बताया कि भरतपुरव डीग जिला एनसीआर क्षेत्र में आता है। जिले के वैर, नदबई, भुसावर व नगर उपखण्ड क्षेत्र में ही ये भट्टे संचालित है। जहां ये भट्टे लगे हुए है, वहां से दिल्ली की दूरी करीब 250 किमी है और ताज महल की दूरी करीब 75 किमी है। दिल्ली से दौसा,अलीगढ च मथुरा की दूरी करीब 120 किमी से 200 किमी होगी। इन जिले में एनसीआर के नियम लागू नही होते है। जहां ईंट भट्टें की चिमनी से धुआं नवम्बर व दिसम्बर से निकलाना शुरू हो जाता है। जबकि भरतपुर जिले में 1 मार्च से भट्टे की चिमनी से धुआं निलकता है और ये भट्टे चालू होते है। ऐसा होने से भरतपुर जिले को ईंट भट्टा कारोबार चौपट हो गया। एनसीआर नियम से जिले मे साल 2000 से 2024 तक करीब 190 ईंट भट्टे बन्द हो गए। वर्ष 2022 में 55ए वर्ष 2023 में 43 तथा वर्ष 2024 में 21 भट्टे बन्द हुए। साल 2025 में 10 भट्टे बन्द हो सकते हे।

एनसीआर से निकले तो सस्ती मिले ईंट : ईंट भट्टा मालिक संघ के पूर्व जिलाध्यक्ष सन्तोष चौधरी ने बताया कि एनसीआर क्षेत्र में भरतपुर जिले का आना और कठोर नियम के कारण जिले का उद्योग धन्धा चौपट हो गया। जिले के अनेक उद्योग बन्द हो गए। अब ईंट उद्योग धन्धा भी बन्द के कगार पर है। यदि भरतपुर जिले के उपखण्ड वैर, भुसावर, नदबई, नगर आदि एनसीआर क्षेत्र के निकले और राजस्थान प्रान्त में एक साथ ईंट भट्टों की जलाई शुरू हो, तभी ईंट सस्ती होगी और ईंट भट्टा कारोबार प्रगति करेगा। ऐसा होने से लोगों को रोजगार भी प्राप्त होंगे।

कहां से आते श्रमिक : ईंट भट्टा संचालक चंचल अग्रवाल हलैना वाले एवं बिजेन्द्र सिंह हन्तरा ने बताया कि ईंट भट्टों पर कार्य करने को स्थानीय एवं राजस्थान के कई जिले सहित उत्तरप्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, बिहार, झारखण्ड, दिल्ली, गुजराज, पंजाब आदि प्रान्तों से श्रमिक आते आते है। जो ईंट थपाई, ईंट जलाई, ईंट निकासी आदि के कार्य करते है। श्रमिकों को लाते वक्त उन्हे एडवांस में पैसा दिया जाता है और जब ये लौटते है,उस वक्त कार्य के हिसाब से पैसा की लेनदेन करते है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 1 मार्च, 2025

फाल्गुन मास, शुक्ल पक्ष, द्वितीया तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2081, पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र दिन 11:23 तक, साध्य योग सायं 4:25 तक, बालव करण दिन 1:43 तक, चन्द्रमा आज मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य–कुम्भ, चन्द्रमा–मीन, मंगल–मिथुन, बुध–मीन, गुरू–वृष, शुक्र–मीन, शनि–कुम्भ, राहु–मीन, केतु–कन्या राशि में।

आज त्रिपुष्कर योग सूर्योदय से दिन 11:23 तक है। आज चन्द्र दर्शन, दक्षिण श्रृंगोन्नति, फुलेरा दोज है। आज श्री रामकृष्ण परमहंस जयन्ती, पंचक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 8:21 से 9:47 तक, चर 12:39 से 2:05 तक, लाभ–अमृत 2:05 से 4:55 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:55, सूर्यास्त 6:24

मेष

घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है।

वृष

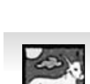

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

मिथुन

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य में आ रही परेशानियों से से राहत मिलेगी। आज आर्थिक मामलों में उचित सफलता मिलेगी।

कर्क

परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। नवीन कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

सिंह

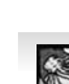

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

कन्या

परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

तुला

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक

घर–परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

धनु

घर–परिवार में आपसी वाद–विवाद हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त–व्यस्त हो सकती है। खान–पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मकर

व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को बाहर जाना पड़ सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार हो सकता है। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

स्वच्छता के क्षेत्र में घाटोल ऐसे कीर्तिमान बनाएगा की मुख्यमंत्री प्रशंसा करेंगे :के के गुप्ता

■ घाटोल पंचायत समिति में स्वच्छता आमुखीकरण कार्यशाला आयोजित

बांसवाडा, । जिले की पंचायत समिति घाटोल में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत स्वच्छता आमुखीकरण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के प्रदेश समन्वयक केके गुप्ता मुख्य वक्ता रहे। भारतीय जनता पार्टी जिला बांसवाडा के अध्यक्ष पूंजीलाल गायरी का आतिथ्य रहा। कार्यशाला के प्रारंभ में पंचायत समिति विकास अधिकारी डॉ धनपत सिंह ने समस्त अतिथियों का स्वागत किया।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्वच्छ भारत मिशन अभियान शुरू किया गया था तब उनका यह विजन था कि देश के प्रत्येक गांव तक स्वच्छता पहुंचने चाहिए और जहां स्वच्छता होगी वहां लोग शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहेंगे तथा क्षेत्र का अच्छा विकास होगा। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि सभी कर्मचारी और अधिकारी कमर कस ले और जिले की पंचायत समिति घाटोल क्षेत्र को स्वच्छता के क्षेत्र में अव्वल बनाने के लिए लग जाए, घाटोल क्षेत्र स्वच्छता में ऐसे नए कीर्तिमान स्थापित करेगा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा अपने भाषण में घाटोल की स्वच्छता की प्रशंसा करेंगे। घाटोल को स्वच्छ बना दिया तो यह क्षेत्र भी समृद्धशाली और विकसित बन जाएगा।

गुप्ता ने कहा कि हमारी पार्टी भाजपा भी स्वच्छता मिशन को लेकर बहुत गंभीर है। पिछले महीना जयपुर में आयोजित हुए राइजिंग राजस्थान कार्यक्रम में लगभग 30 हजार करोड रुपए के निवेश के समझौता पत्र पर हस्ताक्षर हुए और राजस्थान प्रदेश में बडे-बडे उद्योग स्थापित होंगे तथा रोजगार के भी नए अवसर उत्पन्न होंगे। उद्योग स्थापित होने के साथ हमारा राजस्थान प्रगति पथ की ओर आगे बढेगा लेकिन प्रदेश तभी सही मायने में विकसित राज्य बन पाएगा जब स्वच्छ राजस्थान बनेगा। उन्होंने कहा कि स्वच्छता जैसा राष्ट्रीय अभियान और इसमें शत प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति के लिए सर्वप्रथम यह आवश्यक है कि कर्मचारियों के साथ-साथ स्थानीय जनप्रतिनिधि भी पूर्ण उत्तरदायित्व और जागरूकता के साथ कार्य करें। हम देखते हैं कि स्थानीय निकाय अथवा पंचायत चुनाव में लाखों करोडों रुपए प्रचार में और मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए खर्च कर दिए जाते हैं लेकिन यदि स्वच्छता में हम ईमानदारी के साथ कार्य करें और जनता को प्रत्यक्ष लाभ पहुंचाएं तो अगले चुनाव में जनता स्वयं हमें ही अपना प्रतिनिधि चुनने के लिए तैयार रहेगी।गुप्ता ने कहा कि प्रायः देखा गया है कि गांव में गंदगी होने का मुख्य कारण जगह-जगह प्लास्टिक की थैलियां बिखरी रहना है, हमें गांव की माता बहनों को यह जागरूक करना होगा कि प्लास्टिक की थैलियां को इधर-उधर नहीं फेंके। इसके लिए एक कट्टा का उपयोग किया जाए जिसे प्लास्टिक घर कहा जाता है, इसके अंदर सभी प्रकार का प्लास्टिक वेफर आदि एकत्र करके रखें और एक निश्चित दिनांक पर पंचायत का कार्मिक जाकर उसे एकत्र कर ले। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता नहीं होने का दूसरा प्रमुख कारण पुराने समय से इकट्ठा किया गोबर होता है। गांव में लेगसी वेस्ट अर्थात पुराना कचरा भी ज्यादा मात्रा में एकत्र रहता है। इसको भी वैज्ञानिक पद्धति अनुसार निस्तारित जाएं। ग्राम पंचायत में जनता को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए आई ई सी एक्टिविटी की जाए।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष गायरी ने कहा सकारात्मक सोच के साथ अच्छा कार्य करने का जज्बा हमारे अंदर है तो निश्चित ही अच्छे परिणाम प्राप्त होते हैं।

उन्होंने कहा कि श्री गुप्ता जी में स्वच्छता के प्रति कम करने की एक अलग ही लगन और जज्बा है। इन्होंने डूंगरपुर की एक छोटी सी नगर परिषद में स्वच्छता के क्षेत्र में बहुत बडे-बडे काम करके दिखाए हैं। कार्यशाला में पंचायत समिति के अतिरिक्त विकास अधिकारी, सहायक विकास अधिकारी, समस्त ग्राम पंचायत के ग्राम विकास अधिकारी, समस्त सरपंच और ग्राम तथा ब्लॉक स्वच्छता समन्वयक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त

उप समिति 2 को उदयपुर में

उदयपुर, । संसदीय राजभाषा समिति की तीसरी उप समिति 2 मार्च की दोपहर 12.15 बजे वायुयान से उदयपुर पहुंचेंगी। समिति सदस्य 3 मार्च की सुबह 10 बजे भारतीय खान ब्यूरो के जोनल कार्यालय, 10.45 बजे प्रधान आयकर आयुक्त कार्यालय, 11.30 बजे मुख्य आयकर आयुक्त कार्यालय, 12.15 बजे भारतीय स्टेट बैंक के प्रशासनिक कार्यालय, 1.45 बजे केनरा बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय, 2.30 बजे बैंक ऑफ बदौड़ा के क्षेत्रीय कार्यालय, 3 बजे दी ऑरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड मंडल कार्यालय उदयपुर, 3.45 बजे भारतीय जीवन बीमा निगम कार्यालय-2 उदयपुर का अवलोकन करेंगे। समिति सदस्य अगले दिन 4 मार्च को 10 बजे कर्मचारी राज्य बीमा निगम उपक्षेत्रीय कार्यालय उदयपुर, 10.45 बजे केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर संभाग चित्तौड़गढ़ का निरीक्षण उदयपुर में, 11.30 बजे राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण उप क्षेत्रीय कार्यालय उदयपुर और 12.15 बजे यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया के क्षेत्रीय कार्यालय उदयपुर के निरीक्षण करेंगे। यह समिति समिति इसी दिन शाम 6.55 बजे वायुयान से जयपुर के लिए प्रस्थान कर जाएगी।

डॉ. शर्मा को मिलेगा अवार्ड

उदयपुर । बाघ संरक्षण क्षेत्र में कार्यरत रणथंभौर की विश्व प्रसिद्ध संस्थाटाइगर वॉच की ओर से वन्यजीव संरक्षण के लिए प्रतिवर्ष दिए जाने वाले प्रतिष्ठित फतेहसिंह राठौड स्मृति वन्यजीव संरक्षण पुरस्कारों की घोषणा की गई है। इसके तहत पर्यावरणीय विषयों पर लेखन और वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी के माध्यम से पर्यावरण व वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में जनजागरूकता पैदा करने के लिए सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के अतिरिक्त निदेशक, वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर व लेखक डॉ. कमलेश शर्मा को पीपल एंड नेचर सर्विसेज टू वाइल्ड लाइफ अवार्ड के लिए चुना गया है। टाइगर वॉच के ख्यातिप्राप्त जीव विज्ञानी डॉ. धर्मेंद्र खांडल ने बताया कि डॉ. कमलेश शर्मा को उनके पर्यावरण व वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में दीर्घकालिक समर्पण व स्वस्फूर्त प्रयासों के लिए सवाईमाधोपुर में आयोजित होने वाले 13वें श्री फतेहसिंह राठौड स्मृति व्याख्यान एवं संरक्षण पुरस्कार - 2025 समारोह में प्रतिष्ठित पीपल एंड नेचर सर्विसेज टू वाइल्डलाइफ अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। यह समारोह 1 मार्च को फतेह पब्लिक स्कूल, सवाई माधोपुर में आयोजित किया जाएगा।

लेक्रोज खिलाड़ियों का अभिनंदन

उदयपुर,। हाल ही ओकीनावा जापान में आयोजित हु एशियन यूथ लेक्रोज प्रतियोगिता में भाग लेकर लौटी भारतीय टीम में राजस्थान के सदस्य उदयपुर के मोहनलाल गमेती, खुमाराम गमेती व प्रणय त्रिपाठी का उदयपुर सांसद डॉ. मन्नालाल रावत ने अपने जिला परिषद स्थित कार्यालय में अभिनंदन किया। सांसद ने लेक्रोज एसोसिएशन ऑफ इंडिया के नवनियुक्त अध्यक्ष गोरखपुर सांसद मशहूर भोजपुरी फिल्म अभिनेता रवि किशन शुक्ला के अध्यक्ष चुने जाने पर उन्हें बधा प्रेषित की साथ ही लेक्रोज एसोसिएशन ऑफ इंडिया तथा राजस्थान लेक्रोज संघ का आभार व्यक्त किया। उन्होंने उम्मीद जता कि भारतीय टीम अपने प्रदर्शन को निरंतर सुधार कर 2028 लॉस एंजेल्स ओलंपिक में होने वाली लेक्रोज प्रतियोगिता में देश का झंडा बुलंद करेगी ।

नेत्र परीक्षण शिविर हर शनिवार को

बांसवाड़ा । दृष्टि नेत्रालय दाहोद, भाविन चश्मा घर एवं श्री नारायण आरोग्य धाम अन्नपुर्णा धार्मिक सेवा संस्थान लोहारिया के संयुक्त तत्वावधान में प्रत्येक शनिवार को आसोडा मार्ग स्थित लोहारिया बलाप पुरानी ओपीडी पर निशुल्क नेत्र परीक्षण एवं ऑपरेशन के लिये पंजीयन शिविर आयोजित किया जायेगा। जीतमल बुनकर ने बताया कि शिविर में नेत्रों का निःशुल्क परीक्षण एवं ऑपरेशन के लिये पंजीयन किया जायेगा।

प्रो. राम शीन्दे 1 को उदयपुर में

उदयपुर, । महाराष्ट्र विधान परिषद के अध्यक्ष प्रो. राम शीन्दे शनिवार प्रातः 08:05 बजे वायुमार्ग से उदयपुर के महाराणा प्रताप एयरपोर्ट डबोक आएंगे। वे यहां से सड़क मार्ग से भीनमाल जालौर जाएंगे और पुन इसी दिन रात्रि में उदयपुर आएंगे। वे रात्रि विश्राम उदयपुर में करेंगे ।

विवादित जमीन का कब्जा नहीं सौंपने का ज्ञापन दिया

भीण्डर। भीण्डर के राजकीय सामान्य चिकित्सालय की विवादित जमीन पर उदयपुर जिला श्रम न्यायालय ने दिये फैसले के बाद भीण्डर में जन अक्रोष फूट पड़ा। आमजन ने स्वतः ही अपने प्रतिष्ठान बंद करके भीण्डर पुलिस थाने के बाद एकत्रित होकर विवादित जमीन का कब्जा नहीं सौंपने का ज्ञापन दिया, जिस पर पुलिस प्रशासन ने उच्च न्यायालय में अपील होने तक कब्जा नहीं सौंपने का निर्णय किया। उल्लेखनीय हैं कि उक्त जमीन का विवाद वर्श 2011 से चल रहा हैं उस समय भी भीण्डर तीन दिन तक बंद रहा था। इसके बाद से मामला उदयपुर जिला न्यायालय में विचाराधीन है। वहीं इस मामले को लेकर एक मार्च शनिवार शाम 7 बजे सूरजपोल पर आमसभा का आयोजन किया जायेगा। पुलिस ने घर-घर नोटिस भेजे तो लोगों में हुआ आक्रोष भीण्डर पुलिस ने षुक्रवार सुबह इस मामले में भीण्डर की तरफ से केस लड़ रहे 19 पक्षकारों को नोटिस भेजे। नोटिस जैसे ही सभी के पास पहुंचे और सोषल मीडिया पर वायरल होने लगे तो लोगों में आक्रोष फैलने लगा। नोटिस में पुलिस ने बताया कि कस्बा भीण्डर प्रार्थीगण सत्यनारायण पुत्र ऊंकार लाल अग्रवाल व मनोज कुमार पुत्र नवरतन लाल दक की सरकारी हॉस्पिटल के सामने भीण्डर उदयपुर मुख्य मार्ग पर प्रार्थीगण की दो संपत्तियां भूखण्ड पर कब्जा प्राप्त करने के सम्बन्ध में एसडीओ वल्लभनगर के आदेश से थानाधिकारी भीण्डर को रिसीवर नियुक्त किया गया था। जिला न्यायाधीश (श्रम न्यायालय) उदयपुर द्वारा प्रकरण संख्या 32/17 मु.दी. 18 फरवरी 2025 के जारी आदेशानुसार उक्त भूखण्डो को कब्जा प्रार्थीगणों को नियमानुसार सुपुर्द करवाने हेतु आदेशित किया गया। प्रार्थीगणों को आज दिनांक 28 फरवरी 2025 को नियमानुसार कब्जा सिपुर्द किया जावेगा। उक्त कार्यवाही में आप कोई व्यवधान व बाधा उत्पन्न नहीं करें। अन्यथा आपके खिलाफ विधि अनुसार कार्यवाही अमल में लायी जावेगी। उक्त नोटिस से आप सूचित होवे। भीण्डर बंद का आव्हान, ज्ञापन सौंपा नोटिस से लोगों में फैले आक्रोष के बाद हॉस्पिटल जमीन बचाने की संघर्श समिति ने बाजार बंद का आव्हान करके भीण्डर पुलिस थाने पर एकत्रित होना तय किया।

सड़क पर फेंका जा रहा कचरा

उदयपुर, । नगर निगम द्वारा शहर की सफाई व्यवस्था सुधारने को लेकर प्रतिदिन नित नए कार्य किया जा रहे हैं लेकिन कई लोगों द्वारा सफाई व्यवस्था को बिगाडने का कार्य किया जा रहा है। शुक्रवार को ऐसा ही वाकया चेतक सर्किल स्थित सैनिक विश्रांति गृह के सामने देखने को मिला।

नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी सत्यनारायण शर्मा ने बताया कि वह नगर निगम आयुक्त राम प्रकाश के निर्देश पर शहर की सफाई व्यवस्था का जायजा ले रहे थे तभी दोपहर को 2 सफाई कार्य करने वाले संवेदक दो हैंड कार्ड में कचरा लेकर सैनिक विश्रांति ग्रह के सामने स्थित कचरा पॉइंट पर कचरा फेंक रहे थे। उनसे कचरे के बारे में जानकारी ली गई जिस पर उन्होंने बताया कि यह कचरा उन्होंने दिलशाद भवन आर एन टी पी जी होस्टल से एकत्रित कर इस हैंड कार्ट के माध्यम से यहां खाली करते है। जानकारी में आया कि यह कार्य उनके द्वारा प्रतिदिन किया जाता है। जब उनसे डोर टू डोर कचरा संग्रहण वहां के बारे में जानकारी ली गई तो उन्होंने उक्त वाहनों में कचरा नहीं डालने की जानकारी दी गई।स्वास्थ्य अधिकारी शर्मा ने मौके पर ही स्वास्थ्य निरीक्षक नरेंद्र श्रीमाली, जमादार आदि को बुलाया।

डॉ. बिन्दल ने किया सीएचसी खमनोर का निरीक्षण

राजसमंद, । सीएमएचओ डॉ हेमन्त कुमार बिन्दल ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र खमनोर का निरीक्षण कर वहां चिकित्सा अधिकारीयों को परिवार कल्याण कार्यक्रम के तहत नियत सेवा दिवस पर स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं एवं आशाओं के माध्यम से अधिक से अधिक योग्य दम्पत्तियों को प्रेरीत कर लाभान्वित करने के लिये निर्देशित किया। उन्होंने सीएचसी के प्रत्येक विभाग में जाकर वहां दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं का अवलोकन किया तथा मरीजो को छाया के लिए आवश्यक संख्या में पौधारोपण करने के लिए चिकित्सा अधिकारी प्रभारी ओपी लाठी को निर्देशित किया। उन्होंने मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत संस्थान पर भर्ती मरीजों को अधिक से अधिक लाभान्वित करने के लिए निर्देशित किया तथा मरीजों के हित में स्थानीय भामाशाहों को प्रेरीत कर आवश्यक सुविधाओं का प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया। उन्होने संस्थान में ऑपरेशन थियेटर का निरीक्षण कर वहां आई ऑपरेशन के लिए आवश्यक उपकरणों एवं सामग्री को देखा तथा नैत्र रोग विशेषज्ञ को शीघ्र ऑपरेशन की शुरूआत कर आमजन को लाभान्वित करने के लिए निर्देशित किया।

अमरथून में मनाया राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

बांसवाड़ा । राउमावि अमरथून में डॉ. सीवी रमन का जन्मदिन राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में संस्था प्रधान अरुण व्यास के मुख्य आतिथ्य में समारोहपूर्वक मनाया गया। रसायन विज्ञान विभाग प्रमुख नासिर अली अंसारी ने सीवी रमन सहित भारतीय वैज्ञानिकों के बहुमूल्य समाज को दिए योगदान की सार गर्भित चर्चा की गई और खोजों की विषद् व्याख्या की। समारोह में विभिन्न प्रतियोगिता, आशु भाषण, मेंहदी प्रतियोगिता, चार्ट मॉडल प्रदर्शनी, रंगोली मढ़ना पोस्टर प्रतियोगिता, विभिन्न कला निर्माण, मटकी निर्माण, बास से विभिन्न सजावटी सामठी निर्माण आदि सहित व्यावसायिक गतिविधियों ऑटो मोबाइल से जुड़ी 5 दिवसीय कार्यशाला का भी समापन कर विभिन्न उत्कृष्ट विजेताओं को नगद और पुरस्कार दिए गए।

सार-समाचार

रात्रि चौपाल में आमजन को मिली राहत

राजसमंद, । जिला कलक्टर बालमुकुंद असावा ने शुक्रवार रात्रि को कुंभलगढ ब्लॉक के गढबोर तहसील के ग्राम पंचायत जनावद में आयोजित रात्रि चौपाल में स्थानीय नागरिकों की विभिन्न समस्याओं को सुना। रात्रि चौपाल शाम 7 बजे शुरू हुई। इस अवसर पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तत्काल समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए। रात्रि चौपाल के दौरान उपस्थित नागरिकों ने पानी, बिजली, सडक, स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य स्थानीय मुद्दों से संबंधित समस्याओं को जिला कलेक्टर के सामने रखा। कलक्टर ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों को त्वरित कार्रवाई करने का आदेश दिया। असावा ने कहा कि सरकार आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है और हम सभी मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर हल करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे प्रत्येक समस्या का व्यक्तिगत रूप से निरीक्षण करें और शीघ्र समाधान सुनिश्चित करें। रात्रि चौपाल के माध्यम से स्थानीय नागरिकों को अपनी समस्याएं सीधे जिला प्रशासन तक पहुंचाने का अवसर मिला, जिससे प्रशासन और आमजन के बीच समन्वय में सुधार होगा। यह रात्रि चौपाल जनावद के नागरिकों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ, जहां उन्होंने अपनी समस्याओं को सीधे जिला कलेक्टर के समक्ष रखा और त्वरित समाधान की उम्मीद जताई। इस दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर नरेश बुनकर एवं उपखंड अधिकारी सहित अन्य उपस्थित रहे।

राजीविका राजसखी मेला आज से

राजसमंद, । राजीविका राजसखी मेले का आयोजन शनिवार से 3 मार्च तक द्वारकेश वाटिका में किया जाएगा जिसका उद्घाटन शनिवार को सुबह 1० बजे होगा। इस दौरान जिला कलक्टर बालमुकुंद असावा के निर्देशन में जिला प्रशासन के प्रोजेक्ट सक्षम सखी के तहत बडे स्तर पर क्रेडिट लिंकेज भी प्रदान किए जाएंगे। साथ ही अधिकाधिक बिक्री सुनिश्चित की जाएगी। डीपीएम डॉ सुमन अजमेरा ने बताया कि आयोजन के तहत एक ही स्थान पर राजीविका (स्वयं सहायता समूहों) की ग्रामीण महिलाओं द्वारा तैयार गुणवत्ता पर खरे विविध प्रकार के आकर्षक उत्पादों की बम्पर बिक्री होगी। हल्दीघाटी के प्रसिद्ध चैत्री गुलाब से निर्मित गुलकंद, गुलाब जल, शरबत एवं अन्य उत्पाद बिक्री के लिए रखे जाएंगे। अचार, मसालों, जूट बैग, फाइल कवर, टेराकोटा मिट्टी के उत्पाद, हैंड वॉश, डिशवॉश, फिनाइल, सेनेटरी पेड आदि कई सामान उचित दाम पर उपलब्ध होंगे। आमजन अपने परिवार के साथ ग्रामीण महिलाओं द्वारा तैयार इन उत्पादों को खरीद सकते हैं।

चंद्रशेखर आजाद की पुण्यतिथि मनाई

राजसमंद, । जिला मुख्यालय के समीपवर्ती मोही कस्बे में संचालित आजाद पब्लिक स्कूल में संतोष शक्तावत की अध्यक्षता में चंद्रशेखर आजाद की पुण्यतिथि मनाई गई। प्रभारी चिराग कीर ने बताया कि चंद्रशेखर आजाद एक महान क्रांतिकारी व्यक्तित्व के धनी थे, जिन्होंने देश को आजाद कराने के लिए कहीं आयाम स्थापित किए। उनकी देशभक्ति से आज हम स्वतंत्र जी रहे हैं।

कार्यालय नगरपालिका नाथद्वारा, जिला-राजसमन्द (राज.)
Email: np_ntd@yahoo.in Ph. 02953-233526

क्रमांक /न.पा.नाथ./नामा./2025/17662 दिनांक : 28.02.2025

-: आपत्ती सूचना :-

एतर्थ द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित व्यक्तियों द्वारा जरिये क्रय शुद्धा/पट्टाशुद्धा के आधार पर भूखण्डों कानामान्तरण/नामहस्तान्तरण का स्वयं के नाम पर निम्नांकित वर्णित सम्पत्ति पर नामान्तरण/नाम हस्तान्तरण कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त आवेदन के संबंध में किसी भी हितधारी को कोई आपत्ती हो तो सात दिवस (कार्य दिवस) में नगरपालिका कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तुत कर दें अन्यथा प्रकरण में कोई आपत्ती प्राप्त नहीं होने एवं दस्तावेज पूर्ण पाये जाने पर नियमानुसार कार्यवाही पूर्ण करते हुए उक्त प्रकरणो में आगामी कार्यवाही सम्पादित कर दी जायेगी।

क्र. सं.	आवेदक का नाम व पता	आवेदित सम्पत्ति का पता	पड़ौस का विवरण			
			पूर्व	पश्चिम	उत्तर	दक्षिण
1.	श्री राजेश कुमार सोनी पिता श्री भेरू लाल सोनी एवं श्रीमती पुजा स्वर्णकार पत्नि राजेश कुमार, लाल बाग, नाथद्वारा	भूखण्ड संख्या-14 क्षेत्रफल-780 वर्गफिट, श्री वल्लभ विहार कॉलोनी कोठारिया रोड़ लाल बाग, नाथद्वारा	अन्य भूमि	आम रास्ता 30 फीट	भूखण्ड संख्या-13	भूखण्ड संख्या-15

आयुक्त, नगपालिका नाथद्वारा

प्रोजेक्ट निर्माण से बच्चों की वैज्ञानिक क्षमता होती है विकसित : गरासिया

बांसवाड़ा । जीनियस चिल्ड्रन एकेडमी सैकण्डरी स्कूल सेमलिया में विज्ञान प्रदर्शनी का शुभारंभ मुख्य अतिथि यूथ आइकन एवं अंतर्राष्टक्रीय जनजाति संस्कृति अलंकरण से सम्मानित अतीत गरासिया ने फीता काटकर किया। अध्यक्षता संस्था प्रधान नीलम जगताप ने की जबकि विशिष्ट अतिथि संस्थान सचिव जयेश पुरोहित रहें। मुख्य अतिथि अतीत गरासिया ने विद्यार्थियों द्वारा प्रदर्शित मॉडलों का अवलोकन करते हुए विद्यार्थियों से प्रादर्श के बारे में जानकारियां भी ली एवं उन्हें मार्गदर्शन प्रदान करते हुए लक्ष्य अर्जित कर उच्च मुकाम अर्जित करने के लिये प्रेरित किया।

गरासिया ने विद्यार्थियों का मोटिवेशन सेशन लेते हुए स्वयं के जीवन के अनुभव साझा करते हुए मोबाईल का उपयोग नहीं करने, लक्ष्य निर्धारित कर नियमित अध्ययन करने, माता-पिता एवं गुरुजनों का सम्मान करने के लिये भी प्रेरित किया। यूथ आइकन गरासिया ने बच्चों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करने के लिये विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं साहिल पटेल, देवेन्द्र शर्मा, महेन्द्र पंड्या, भूपेन्द्र कुमारी, विधि चरपोटा, विरेन्द्र सिंह सिसोदिया, अर्पिता कलाल, लोकेश पटेल, दीपिका माथुर, भारती गर्ग, हितेश मेघवाल, दीक्षा पटेल का सम्मान किया। विद्यार्थियों ने शिक्षक साहिल पटेल एवं देवेन्द्र शर्मा के निर्देशन में मॉडल तैयार किये। विज्ञान प्रदर्शनी में कक्षा 8 के प्राची एवं दल द्वारा प्रदर्शित किया गया हाइड्रोलिक ब्रिज एवं कक्षा 8 के शौर्य बुनकर, कृष्णा एवं दल द्वारा प्रदर्शित मिलिट्री टैंक क्रमशरू प्रथम व द्वितीय रहे। विद्यार्थियों ने प्रदर्शित किये उत्कृष्ट मॉडल विज्ञान प्रदर्शनी के दौरान विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट मॉडल प्रदर्शित किये जिनका अवलोकन करते हुए मुख्य अतिथि अतीत गरासिया ने विद्यार्थियों की प्रतिभा एवं शिक्षकों द्वारा समर्पित भाव से बच्चों को दिये गये मार्गदर्शन की सराहना की। गरासिया ने विद्यार्थियों की अभिव्यक्ति क्षमता की सराहना करते हुए ठाामीण क्षेत्र में गुणवत्तायुक्त शिक्षा के साथ ही गुरुजनों के निर्देशन में बच्चों द्वारा किये गये नवाचार एवं विद्यालय स्टाफ के समर्पण भावों को प्रेरणास्पद बताया। विज्ञान प्रदर्शनी में कक्षा 8 के क्रिश कलाल एवं दल ने सोलर कुकर एवं वाटर डिस्पेन्सर, कक्षा 6 के गणेश एवं दल ने सोलर सिस्टम एवं हेमांग व दल ने बज वायर गेम, कक्षा 7 के किर्तिक्षा एवं दल ने डे-नाईट वर्किंग मॉडल, कक्षा 7 के हिरेन व दल ने स्टेट एंड उनके केपिटल, कक्षा 7 के तिलकराज एवं दल ने मैथ्स स्क्वायर मशीन, कक्षा 7 के सार्थक एवं दल ने इलेक्ट्रिक कार, कक्षा 7 के हर्षिल एवं दल ने स्विंग व्हील, कक्षा 8 के प्राची एवं दल ने हाइड्रोलिक ब्रिज, कक्षा 8 के भव्या एवं दल ने रिनिवेबल पावर प्रोजेक्ट मॉडल, कक्षा 8 के संजना चुंडावत एवं दल ने लंग्स वर्किंग मॉडल, कक्षा 8 के हिमांशु कुशवाह एवं दल ने विंड मिल पावर, कक्षा 8 के शौर्य बुनकर, कृष्णा एवं दल ने मिलिट्री टैंक, कक्षा 4 के विराट एवं ठ़ापु ने एयर कूलर, कक्षा 4 के आराध्या एवं दल ने वॉल्केनो, कक्षा 5 के धुरव एवं दल ने लिफ्ट हाऊस, कक्षा 5 के वाही एवं दल ने अर्थ क्रुस्ट मॉडल, कक्षा 9 के हंशिका एवं दल ने वर्किंग ऑफ हाट्र कक्षा 9 के नितिन एवं दल ने वर्किंग मॉडल टू जनरेट इलेक्ट्रिसिटी एवं कक्षा 8 के मेहुल एवं दल ने हॉलोठााफिक 3डी इमेज मॉडल प्रदर्शित किये।

41 रक्त वीरों ने रक्तदान किया

उदयपुर । पलटन की मस्जिद चेतक सर्कल पर मददगार हिंदुस्तानी द्वारा निशुल्क मेडिकल हेल्थ चेकअप कैंप और रक्तदान शिविर में 41 रक्त वीरों ने रक्तदान किया। मददगार हिंदुस्तानी टीम ने सभी रक्त वीरों को मोमेंटो और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया शिविर में महाराणा भूपाल चिकित्सालय, ब्लड बैंक की टीम और सरल ब्लड बैंक की टीमों ने अपना सहयोग प्रदान कर रक्त एकत्रित किया। मददगार हिंदुस्तानी टीम द्वारा महाराणा भूपाल चिकित्सालय, ब्लड बैंक की टीम और सरल ब्लड बैंक की टीमों को अपर्णा पहना कर और मोमेंटो देकर सम्मानित किया। कैंप में मरीजों का ब्लड प्रेशर और शुगर की निशुल्क जांच कर मरीजों को 7 दिन की निशुल्क दवाइया दी गई। संस्थापक इस्लाम अशरफी ने बताया कि रक्तदान शिविर में आने वाली सभी टीमों को ऊपरना पहना कर सभी का सम्मान किया । शिविर में रोटरी क्लब मीरा के सदस्यों डॉक्टर प्रीति सोगानी और सेक्रेटरी नीलम दुबे मुख्य अतिथि रहे। विशिष्ट अतिथि डॉक्टर देवेंद्र सरीन ,मधु सरीन मैडम, उर्मिला मैडम और डॉक्टर ज्योत्सना जैन रही।

38-01/2018-सीसीपीडी

भारत सरकार

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय

दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग

5वां तल, पंडित दीनदयाल अंत्योदय भवन, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली-03

दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग (डीईपीडब्ल्यूडी), सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, इस विभाग के तहत मुख्य आयुक्त दिव्यांगजन के कार्यालय में आयुक्त दिव्यांगजन (अनारक्षित) के पद पर नियुक्ति के लिए पात्र अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित करता है। इस पद के लिए वेतनमान और भत्ते भारत सरकार के अपर सचिव के लिए यथा स्वीकार्य वेतनमान और भत्ते होंगे। वर्तमान वेतनमान 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार 1,82,200-2,24,100/- रुपये हैं।

2. विस्तृत विज्ञापन के लिए कृपया इस विभाग की वेबसाइट https://depwd.gov.in/ को देखें। इस विज्ञापन के रोजगार समाचार पत्र में प्रकाशन के 45 दिनों के अंदर आवेदन प्रस्तुत किया जाए।

(देबाला भट्टाचार्जी)
अवर सचिव, भारत सरकार

CBC 38117/11/0045/2425

फोटोग्राफी और रील मेकिंग कॉन्टेस्ट की बढ़ाई तारीख

■ अब 11 मार्च तक कर सकेंगे फोटोज और रील्स अपलोड

बांसवाड़ा । राजस्थान नगरीय आधारभूत विकास परियोजना ने आरयूआईडीपी सिल्वर जुबली फोटोठााफी एण्ड रील मेकिंग कॉन्टेस्ट में आवेदन की आखिरी तारीख बढ़ा दी है। अब इस कॉन्टेस्ट में भाग लेने वाले प्रतिभागी 11 मार्च तक फोटोज और रील्स अपलोड कर सकेंगे। आरयूआईडीपी अपने 25 वर्ष पूर्ण होने पर फोटोग्राफी एण्ड रील मेकिंग कॉन्टेस्ट और केस स्टडीज कॉन्टेस्ट फॉर इनोवेटिव इंजीनियरिंग सोल्यूषन्स का आयोजन कर रहा है जिनका आागाज परियोजना निदेशक पीयूष सामरिया द्वारा 12 फरवरी को किया गया था। इस अवसर पर दोनों प्रतियोगिताओं के पोस्टर्स का विमोचन भी किया गया। इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिये परियोजना की वेबसाइट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स फेसबुक, इन्स्टाग्राम और एक्स पर दिये लिंक और क्यूआर कोड के जरिये प्रतियोगिता की जानकारी ली जा सकती है और फोटोज, रील्स एवं केस स्टडीज को अपलोड किया जा सकता है। फोटोठााफी एण्ड रील मेकिंग प्रतियोगिता का थीम क्रिएटिंग अर्बन इन्फ्रास्ट्रक्चर, चेंजिग लाइव्स रखा गया है। प्रतियोगिता में भेजे जाने वाले फोटोज या रील्स, परियोजना द्वारा किये जा रहे पेयजल आपूर्ति और सीवरेज कार्यों और उनसे होने वाले लाभों पर केन्द्रित होने चाहिये। फोटोठााफ या रील्स आरयूआईडीपी के प्रोजेक्ट शहरों में खींचे या रिकॉर्ड किये गये हों एवं रील्स की अवधि एक मिनट से अधिक नहीं होनी चाहिये। प्रतियोगिता में फोटोठााफी के लिये ज्यूरी द्वारा चुने गये विजेताओं के लिये प्रथम पुरस्कार पच्चीस हजार, द्वितीय पुरस्कार पन्द्रह हजार व तृतीय पुरस्कार दस हजार रुपए का रखा गया है। इसके अलावा पांच हजार रुपए की राशि के 10 सांत्वना पुरस्कार भी दिये जायेंगे। फोटोठााफी एण्ड रील मेकिंग कॉन्टेस्ट में आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर अब 11 मार्च कर दी गयी है। केस स्टडीज कॉन्टेस्ट फॉर इनोवेटिव इंजीनियरिंग सोल्यूशन्स के अंतर्गत शहरी क्षेत्र में जल संरक्षण, ट्रीटेड वेस्टवाटर के पुर्नउपयोग और एनआरडब्ल्यू कम करने से संबंधित इनोवेटिव इंजीनियरिंग सोल्यूशन्स से संबंधित केस स्टडीज आमंत्रित की गयी हैं। इंजीनियरिंग के छात्र, पास आउट छात्र, इंजीनियरिंग कॉलेज के टीचर्स व थीम से संबंधित क्षेत्र के स्टार्टअप्स में कार्यरत इंजीनियर्स अपनी केस स्टडीज भेज सकते हैं। केस स्टडी ऑरिजनल होनी चाहिये और कहीं भी प्रकाशित नहीं की गई हो। ज्यूरी द्वारा चुनी गई बेहतरीन केस स्टडीज के लिये प्रथम पुरस्कार पचास हजार रुपए, द्वितीय पुरस्कार पच्चीस हजार रुपए और तृतीय पुरस्कार पन्द्रह हजार रुपए रखा गया है। इस प्रतियोगिता के लिये आवेदन की भी अंतिम तिथि 11 मार्च है। दोनों ही प्रतियोगिताओं के लिये आवेदक भारत का नागरिक होना चाहिये और उसकी आयु 18 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिये। ध्यान रहे कि परियोजना द्वारा चतुर्थ चरण के अंतर्गत 41 शहरों में आधारभूत विकास कार्य किये जा रहे हैं जिनमें पेयजल आपूर्ति, सीवरेज, फीकल स्लज एण्ड सेप्टेज मैनेजमेन्ट, ड्रेनेज एवं शहरी सौन्दर्यीकरण कार्य शामिल हैं।

कार्यालय राज. मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी, प्राथ. स्वा. केन्द्र बार खण्ड जवाजा जिला (ब्यावर)

क्रमांकः- RMRS /लेखा/निविदा/ 2025/41 दिनांकः- 25/02/25

निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बार पर 31-03-2026 तक के लिये निम्नलिखित कार्यो के लिए पंजीकृत ठेकेदारो व अन्य विभागो से मोहरबन्द निविदायें आमन्त्रित की जाती है। निविदायें दिनांक 07-03-2025 को दोपहर 12.00 बजे तक बेची जाएगी एवं उसी दिन दोपहर 1.00 बजे तक प्राप्त की जाएगी। प्राप्त निविदाए दिनांक 08.03.2025 को दोपहर 2.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जावेगी। निविदा पर संबधित कार्य हेतु निविदा लिखा होना चाहिए।

S. No.	Name Of Work	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	निविदा शुल्क
1.	साफ- सफाई कार्य (सामग्री सहित)	2,60,000 RS	5200/-	200

शर्ते :-

1. प्रतिभूति राशि के बिना प्राप्त बिड पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। प्रतिभूति राशि बैंकर चैक/डीडी/ जरिये RMRS बार के नाम से देय होगी।
2. कार्य की विस्तृत जानकारी एवं शर्ते कार्यालय समय पर कार्यालय में देखी जा सकती है।
3. समिति न्यूनतम दर वाली निविदा को स्वीकार करने हेतु बाध्य नहीं है तथा किसी भी निविदा या निविदा के किसी भाग का बिना कारण बताये रद्ध करने का अधिकार सोसायटी के पास सुरक्षित होगा।

चिकित्सा अधिकारी प्रभारी
आदर्श प्राथ.स्वास्थ्य केन्द्र, बार (जवाजा)
जिला- ब्यावर (राज.)

कांस्टेबल पर रिश्वत मांगने का आरोप

कोटा, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो टीम ने परिवादी के प्रार्थना पत्र पर मामले का सत्यापन कराने के बाद थाना विज्ञान नगर के कांस्टेबल मूलाराम के विरूद्ध रिश्वत मांगने का प्रकरण दर्ज किया है। भष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय स्वर्णकार ने बताया कि 12 नवम्बर 2024 को परिवादी ने प्रार्थना पत्र पेश किया। परिवादी ने प्रार्थना पत्र में कहा कि थाना विज्ञान नगर में एस.सी.एस.टी एक्ट के तहत मामला दर्ज करवाया था। जिसमे पीड़ित प्रतिकार योजना के तहत समाज कल्याण विभाग की तरफ से 2 लाख रूपये की राशि मिलनी थी जिसमे परिवादी का आवेदन ऑनलाईन प्रोसेस करने व उक्त राशि दिलवाने की एवज मे थाना विज्ञान नगर के कांस्टेबल मुलाराम ने 15 हजार रिश्वत की मांग की है। लेकिन ट्रेप का शक होने पर आरोपी ने रिश्वत नही ली। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने कहा कि शिकायत का गोपनीय सत्यापन कराया गया जिसमे रिश्वत मांग की पुष्टि हुई। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सबूतों के आधार पर कांस्टेबल मुलाराम के विरूद्ध मामला दर्ज किया गया है।

जालोर में रीट परीक्षा को लेकर दो जनो को होटल से दबोचा

जालोर, (कासं)। जालोर कोतवाली पुलिस ने शुक्रवार को रीट परीक्षा-2024 में नकल की रोकथाम के लिए दो जनो को गिरपतार कर मोबाईल के सम्बंध में गहन जांच जारी है। उक्त

- **आरोपियों से एक लाख रुपये व 4 मोबाइल भी जब्त किए**
- **गिरपतार आरोपी एक कॉलेज का संचालक**
- **कॉलेज संचालक ने अपनी पहचान आईडी होटल में जमा नही करवाई थी**

आरोपियों से चार मोबाईल फोन एवं एक लाख रूपये जब्त किए। उक्त गिरपतार आरोपी एक कॉलेज का संचालक है तथा होटल में छह लोग रुके थे जिसमें कॉलेज संचालक ने अपनी पहचान आईडी होटल में जमा नही करवाई थी। महानिरीक्षक पुलिस विकासकुमार जोधपुर, रेंज जोधपुर के निर्देशानुसार रीट परीक्षा-2024 में नकल व डमी अभियर्थीयों की रोकथाम के लिए जालोर पुलिस अधीक्षक ज्ञानचन्द्र यादव के निर्देशन में कोतवाल अरविन्द कुमार ने 27 फरवरी 2025 को रीट परीक्षा 2025 में नकल रोकथाम हेतु प्रभावी गश्त एवं निगरानी के दौरान संदिग्ध घुमते दो युवकों को् गिरफ्तार किया गया। युवक गणेशाराम के कब्जे से एक लाख रूपये व 4 मोबाईल हैंडसेट जब्त किये जाकर धारा 106 बीएनएसएस के तहत् जांच शुरू की गई।

पुलिस ने बताया कि युवक गणेशाराम पुत्र ठाकराराम जाति जाट निवासी देवडा पुलिस थाना झाब व भीखाराम पुत्र भीयांराम जाति बिश्नोई निवासी रानीवाडा रोड सांचौर अपने परिचित परीक्षार्थीयों को नकल करवाने की फिराक में थे, मगर नाकाम किया।

उक्त आरोपी गणेशाराम जाट कॉलेज का संचालक है। जो जालोर के एक निजी होटल में पांच -छह जनो के साथ रूके थे जिसमें पांच जनो ने अपनी आईडी होटल मालिक को दी थी लेकिन कॉलेज संचानक ने अपनी पहचान छिपा कर रुका था जिस पर कोतवाली पुलिस ने सर्तकता दिखाते हुए होटल से दबोच लिया।

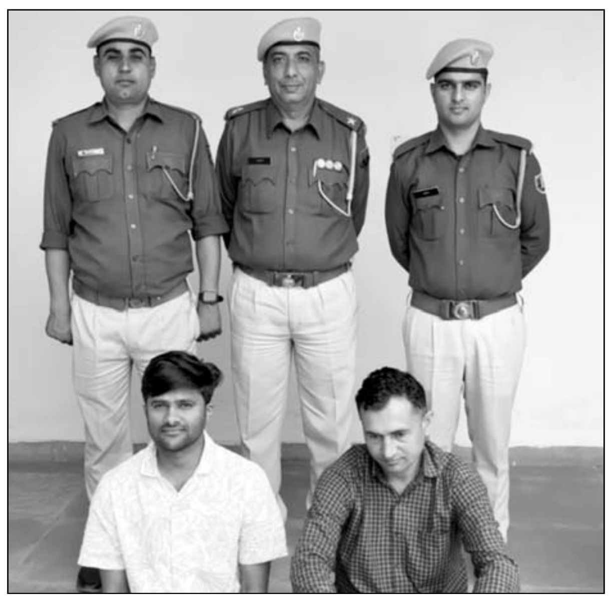

जालोर कोतवाली पुलिस ने रीट परीक्षा को लेकर दो जनों को गिरपतार किया।

यूआईटी के तत्कालीन सचिव निलंबित

उदयपुर। उदयपुर नगर विकास प्रन्यास (यूआईटी)वर्तमान उदयपुर विकास प्राधिकरण (यूडीए) के तत्कालीन सचिव नितेंद्र पाल सिंह को राज्य के कार्मिक विभाग ने सस्पेंड कर दिया है। दो दिन पहले की तारीख में यह आदेश निकला है। यूआईटी में 530 करोड़ रुपए की वित्तीय अनियमितता के मामले में यह कार्रवाई की गई है। दो दिन पहले की तारीख में यह आदेश निकला है। यूआईटी में 530 करोड़ रुपए की वित्तीय अनियमितता के मामले में यह कार्रवाई की गई है। बता दे कि उनका रिटायरमेंट भी 28 फ़रवरी को ही है। कार्मिक विभाग के शासन उप सचिव मुकेश कुमार मीणा ने 26 फरवरी 2025 की तारीख में निकाले आदेश में कहा कि उनके विरुद्ध राजस्थान सिविल सेवाएं,वर्गीकरण,नियंत्रण एवं अपील नियम 1958 के नियम 16 के अन्तर्गत अनुशासनात्मक कार्रवाई विचाराधीन है और उसी के तहत उनको निलंबित किया गया है। निलंबन काल में उनका मुख्यालय शासन सचिव कार्मिक विभाग जयपुर में रहेगा। उल्लेखनीय है कि 2022 से 24 तक के ऑडिट, तथ्यात्मक और मीडिया रिपोर्ट से यूआईटी में घोटाला सामने आया था। इसमें नियमों के विरूद्ध कई प्लानिंगों की अनुमति दे दी थी और राजस्व हानि पहुंचाई।

रेलवे कर्मचारी पर पुलिस इंटेलिजेंस का शिकंजा

बीकानेर। जिले के महाजन कस्बे से पुलिस इंटेलिजेंस ने जिस ई-मित्र संचालक और एक रेलवे कर्मचारी को हिरासत में लिया था, उसमें रेलवे कर्मचारी पर राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में लिप्त होने के प्रमाण मिले हैं। ई मित्र संचालक को फिलहाल गिरफ्तार नहीं किया गया लेकिन रेलवे कर्मचारी भवानी सिंह पर कानूनी कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

डीजी इंटेलिजेंस संजय अग्रवाल ने बताया- रेलवे कर्मचारी भवानी सिंह के खिलाफ प्रमाण मिले हैं कि उसने कुछ सामान राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में के तहत भेजा है। प्रमाण मिलने के बाद अब उस पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है। क्या सामान भेजा है और किसे भेजा है? इस सवाल पर अग्रवाल ने कहा कि उसकी तरफ से की गई कार्रवाई राष्ट्र विरोधी है और फिलहाल मामले की गहनता से जांच की जा रही है।

ई मित्र संचालक से पूछताछ के मुद्दे पर अग्रवाल ने कहा कि इंटलिजेंस पुलिस के पास कई तरह की सूचनाएं आती है। इसे कंफर्म करने के लिए पूछताछ की जाती है। सामान आदि की जांच की जाती है। कुछ भी गड़बड़ मिलता है तो कार्रवाई की जाती है। महाजन से जिन दो जनों से पूछताछ की गई थी, उसमें रेलवे कर्मचारी भवानी सिंह पर शक और गहराया है। ऐसे में उस पर कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस इंटेलिजेंस ने भवानी सिंह की राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के बारे में कुछ भी स्पष्ट नहीं किया है। माना जा रहा है कि महाजन फिल्ड फायरिंग रेंज के संबंध में रिपोर्ट्स इधर-उधर की गई है। इंटेलिजेंस टीम लंबे समय से उस पर नजर रखे हुए थी। वो जिस ईमित्र में आता जाता था, उस पर भी नजर थी। हालांकि पुलिस को ई मित्र से ज्यादा सुराग नहीं मिला, ऐसे में उसके संचालक को छोड़ दिया गया है। वहीं भवानी सिंह से अभी पूछताछ हो रही है। इसके अलावा भी कुछ सामरिक महत्व की सूचनाएं दुश्मन देशों तक पहुंचाने की आशंका में पूछताछ की जा रही है। महाजन फिल्ड फायरिंग रेंज के कारण आसपास के क्षेत्रों में पाकिस्तानी सेना हनी ट्रेप करवाती है। पाकिस्तानी लड़कियां स्वयं को पत्रकार बताते हुए दोस्ती बढ़ ाती है और महत्वपूर्ण जानकारी एकत्र करती है। पिछले साल फरवरी में ही महाजन फिल्ड फायरिंग रेंज में कैंटीन संचालित करने वाले विक्रम सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। वो पाकिस्तानी लड़कियों के संपर्क में था।

नारी अवाडर्स 2025 की तैयारियों पर चर्चा

समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया जाएगा

भरतपुर (निस)। लघु उद्योग भारती बैठक जिला अध्यक्ष कविता गोयल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में सचिव हरप्रीत कौर, चित्रा शर्मा, सोनल गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहीं। इस मौके पर पदाधिकारियों ने महिला दिवस के उपलक्ष्य में संस्था द्वारा आयोजित किए जा रहे व्यापारी नारी अवाडर्स 2025 की तैयारियों पर चर्चा की गई। संस्था की ओर से इस वर्ष महिला दिवस पर व्यापारी नारी अवाडर्स 2025 का आयोजन नौ मार्च को किया जा रहा है। इसमें विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान उन महिलाओं को मिलेगा, जिन्होंने उद्यिमता, नवाचार, नेतृत्व ओर सामाजिक योगदान में अपनी अलग पहचान बनाई है। लघु उद्योग भारती महिला शाखा की सचिव हरप्रीत कौर मग्गो ने बताया कि इस पुरूस्कार के लिए आवेदन विभिन्न श्रेणियों में मांगे गए हैं। मुख्य रूप से कम उम्र में सफलता पाने वाली महिला उद्यमी, अपने नेतृत्व से बिजनेस को नई ऊंचाईयों तक ले जाने वाली महिला, कल्चर, कला और संस्कृति के क्षेत्र में उद्यमशीलता दिखाने वाली महिला, नवाचार और और नई तकनीकों के माध्यम से सफलता पाने वाली महिला, सेवा क्षेत्र में उत्कृष्ट व्यवसाय करने वाली महिला, निर्माण उद्योग में अपना लोहा मनवाने वाली महिला, शिक्षा के क्षेत्र में व्यवसाय से आगे बढकर योगदान देने वाली महिला, नेतृत्व क्षमता और प्रेरणादायक व्यक्तित्व वाली महिला, व्यावसायिक उत्कृष्टता एवं बिना किसी बाहरी सहायता के सफलता पाने वाली महिलाओं का सम्मान किया जाएगा। समारोह में नारी शक्ति का जश्न मनाया जाएगा। साथ ही महिला उद्यिमयों की प्रेरणादायक कहानियों को साझा किया जाएगा। यह आयोजन महिलाओं को उनके कार्यक्षेत्र में और अधिक सशक्त बनाने और प्रोत्साहित करने के लिए किया जा रहा है। व्यापारी नारी अवाडर्स का मुख्य उद्देश्य महिलाओं की सफलता को पहचान देना और उनके योगदान को सम्मानित करना है।

श्रीगंगानगर में 24 घंटे में 5 मिलीमीटर बारिश

श्रीगंगानगर। जिले में पिछले 24 घंटों के दौरान पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से मौसम पूरी तरह से बदल गया है। इस दौरान हुई 5 मिलीमीटर बारिश से तापमान में गिरावट आ गई है। वहीं बारिश से किसानों के चेहरों पर भी खुशी की लहर छा गई।

पश्चिमी विक्षोभ के चलते जिले में रुक-रुक कर बारिश हुई। जिससे खेतों में खड़ी रबी की फसलों को लाभ हुआ है। विशेष रूप से गेहूं, जो, चना और किन्नू जैसी फसलें इसस लाभान्वित होंगी।

मौसम के इस परिवर्तन से किसानों को उम्मीद है कि उनकी फसलें अच्छे से विकसित होंगी और पैदावार में बढ़ोतरी होगी। इसके अलावा बारिश के कारण तापमान में गिरावट आई है, जिससे वातावरण में ठंडक बढ़ी है। जो खासतौर पर फसलों के लिए लाभकारी है।

वर्तमान में मौसम ठंडा होने के कारण फसलों को न केवल सूखा बल्कि गर्मी से भी राहत मिली है। किसान मौसम की इस राहत को लेकर उत्साहित हैं। यह बारिश रबी की फसलों के लिए एक वरदान साबित होगी।

मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिनों तक हल्की बारिश और बादल छाए रहने की संभावना बनी हुई है, जो कृषि के लिए अनुकूल रहेगा।

'कामकाजी महिलाओं के लिए आवास गृहों की सुविधा शीघ्र'

राजसमंद। राजस्थान विधानसभा में विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने राज्य सरकार का ध्यान प्रदेश के प्रत्येक जिला मुख्यालय पर कामकाजी महिला आवास गृहों की सुविधा शीघ्र उपलब्ध कराने की ओर आकर्षित किया। उन्होंने सदन में तारांकित प्रश्न के माध्यम से सरकार से यह मांग की कि इन आवास गृहों में आवश्यक सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं तथा महिलाओं के लिए न्यूनतम दर पर भोजन व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। विधायक ने कहा कि कामकाजी महिलाओं को सुरक्षित, सुलभ एवं सस्ती आवासीय सुविधा उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके लिए स्पष्ट नीति बनाकर संचालन, न्यूनतम सुविधाएं, प्रवेश पात्रता, रहने की अधिकतम अवधि एवं देय शुल्क जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं को परिभाषित किया जाए। साथ ही इन आवास गृहों के संचालन की नियमित जांच व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। सामाजिक अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने विधायक दीप्ति माहेश्वरी के मूल प्रश्न के उत्तर में बताया कि वर्तमान में प्रदेश के प्रत्येक संभाग मुख्यालय पर कामकाजी महिला पुनर्वास गृह संचालित हैं। सरकार ने जिला मुख्यालयों पर आवास गृहों के संचालन के लिए दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं और इसके लिए अभिरुचि की अभिव्यक्ति के प्रस्ताव आमंत्रित किए गए हैं। मंत्री ने यह भी बताया कि विगत तीन वर्षों में राज्य सरकार ने कामकाजी महिला आवास गृहों के भवन निर्माण पर 26.8० करोड खर्च किए हैंए जबकि इनके संचालन पर 66.98 लाख का व्यय किया गया है। विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने सरकार से मांग की कि इन योजनाओं को तेजी से लागू किया जाए, जिससे प्रदेश की कामकाजी महिलाओं को सुरक्षित एवं किफायती आवास सुविधा मिल सकें। विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने राज्य सरकार का ध्यान राजस्थान के मार्बल उद्योग की मौजूदा चुनौतियों की ओर आकर्षित किया और इस उद्योग को रॉयल्टी एवं जीएसटी दरों में राहत प्रदान करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

दीप्ति माहेश्वरी

मलबे में दबने से मां और बेटे की मौत

जयपुर। जयपुर ग्रामीण जिले के सांभर लेक थाना इलाके में शुक्रवार सुबह एक मकान ढह गया। जहां मलबे में दबने से घर के अंदर सो रहे मां और बेटे की मौत हो गई। वहीं बड़ा बेटा और भांजा गंभीर घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों की मदद से घायल बेटे-भांजे को सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती करवाया है। पुलिस प्रथम दृष्टया जांच में सामने आया कि पुरानी दरार के कारण मकान ढहा है। फिलहाल मामले की जांच पड़ताल चल रही है। थानाधिकारी राजेन्द्र कुमार यादव ने बताया कि हादसा सांभर लेक के रिंनगी गांव में मेवाराम गुर्जर के घर हुआ है। जहां मेवाराम अपनी पत्नी हंसा देवी , बेटे दिलसुख व लोकेश और 65 वर्षीय मां के साथ रहता है। जानकारी में सामने आया है कि शुक्रवार सुबह मेवाराम परिवार को घर में सोता छोड़कर काम करने के लिए खेत पर चला गया। इस दौरान सुबह साढ़े चार बजे अचानक मकान का आधे से ज्यादा हिस्सा गिर गया। मकान के एक हिस्से के गिरने की आवाज सुनकर आस-पास के लोग बाहर आ गए। मौके पर इकट्ठा हुए लोगों ने परिवार के सदस्यों को निकालने की कोशिश करते हुए पुलिस को सूचित किया। हादसे की सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। स्थानीय लोगों की मदद से मलबे में फंसे परिवार को बाहर निकालने का प्रयास किया गया।

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या - 12/2024-25

विश्वविद्यालय द्वारा जारी ई-निविदा सूचना क्रमांक 16923 दिनांक 27.02.2025 के तहत निर्माण कार्य हेतु निविदा जारी की गई है, जिसका NIB Code GSU2425A0047 एवं UBN Code GSU2425WSOB00055 है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल **http://eproc.rajasthan.gov.in** एवं स्टेट पोर्टल **http://sppp.rajasthan.gov.in** पर उपलब्ध है। उक्त कार्य हेतु पूर्व में जारी ई-निविदा संख्या 11/2024-25 क्रमांक 16557 दिनांक 19.02.2025 (NIB Code GSU2425A0045 एवं UBN Code GSU2425WSOB0005) को अपिहार्य कारणों से निरस्त किया जाता है।

राज.संवाद/सी/24/12412 सम्पदा अधिकारी

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड

(राजस्थान सरकार का उपक्रम) कॉरपोरेट कार्यालय, 04, मीरा मार्ग, उदयपुर- 313001(राज.)

फोन नम्बर: (0294)2428768/2428763-67, फैक्स: (0294)2428768,2428739

दिनांक :- 28/02/2025

ई-निविदा सूचना

ई-निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
ई-निविदा संख्या 17/2024-25 UBN No. MML2425GLOB00218	कम्पनी की लाईम स्टोन मांइस, जैसलमेर पर विभिन्न प्रकार की साइज एवं विवरण अनुसार कन्वेयर बेल्ट्स की आपूर्ति हेतु निविदा। अनुमानित मात्रा - निविदानुसार, धरोहर राशि (रु. में) 40,000/-, निविदा प्रपत्र मूल्य (रु. में) 1180/-

उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.rsmm.com / www.sppp.rajasthan.gov.in अथवा उप महाप्रबंधक (एमएम) से उपरोक्त पतें पर सम्पर्क करें।

राज.संवाद/सी/24/12403 उप महाप्रबन्धक (प्रशासन)

कार्यालय अधिशाषी अभियंता,

जन स्वा. अभि. विभाग, जिला ग्रामीण खण्ड प्रथम, बीकानेर

Email ID-eepheddn1bkn@gmail.com Contact No. 0151-2226473

क्रमाक-5454-5475 दिनांक-27.02.2025

बोली संशोधन सूचना

इस कार्यालय की बोली सूचना संख्या 80-82/2024-25 जो दिनांक 28.02.2025 को दोपहर 02.00 बजे तक ऑनलाईन भरी जाकर दिनांक 28.02.2025 को 04.00 बजे ऑनलाईन खोली जानी है में निम्नानुसार संशोधन किया जाता है।

क्र.सं.		लिखा गया	संशोधन (पढा जावे)
1	Operation and Maintenance of Work (Scope of Work)	Appropriate provision for equipment and Remote Terminals Units (RTUs) shall be included in the Administrative and Financial and Technical Sanction proposals	Deleted
2 sion	Dates	Last Date of Bid Submission: 28.02.2024 upto 02.00 PM Date of Opening of Bid: 28.02.2024 at 04.00 PM	Last Date of Bid Submis- 11.03.2025 upto 02.00 PM Date of Opening of Bid: 11.03.2025 at 04.00 PM

शेष बोली एवं शर्तें यथावत रहेगी।

(राजीव दत्ता)
अधिशाषी अभियन्ता
जन.स्वास्थ्य अभि. विभाग
जिला ग्रामीण खण्ड प्रथम, बीकानेर

एडीएम बुनकर ने ली बैठक

राजसमंद। उप जिला निर्वाचन अधिकारी नरेश बुनकर ने शुक्रवार को अपने कक्ष में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की। बैठक में समस्त मतदान केंद्रों पर बूथ स्तरीय अभिकर्ता (बीएलए) नियुक्त करने के निर्देश दिए गए। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने जानकारी दी कि निर्वाचन विभाग द्वारा 7 जनवरी को मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन किया जा चुका है।

बीकानेर में बारिश, लूणकरनसर में ओले गिरे

बीकानेर। सुबह से रुक रुक कर बारिश हो रही है। सुबह करीब पांच बजे हल्की बूंदाबांदी के बाद दोपहर में भी बारिश हुई। बीकानेर शहर के साथ ही गांवों में भी बारिश हुई। लूणकरणसर में बारिश के साथ ओले भी गिरे। मौसम विभाग ने बीकानेर में बारिश को लेकर यलो अलर्ट जारी किया था।

लगातार बढ़ ते तापमान के बीच बीकानेर में बारिश ने मौसम बेहतर कर दिया है। हल्की सर्द हवाओं के बीच बूंदाबांदी का लोग लुत्फ उठाते नजर आए। पिछले कुछ दिनों में तापमान तीस डिग्री सेल्सियस से अधिक होने के कारण शहर धीरे धीरे गर्मी की चपेट में आ रहा था लेकिन अचानक हुई इस बारिश ने फिर से मौसम को अच्छा कर दिया। बीकानेर में आने वाले कुछ दिन तक मौसम ऐसा ही रहने की उम्मीद की जा रही है मौसम विभाग का कहना है कि आज पश्चिमी राजस्थान व आसपास के क्षेत्र के ऊपर दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। जिससे रुक रुककर बारिश हो रही है। आज बीकानेर, जोधपुर, जयपुर, भरतपुर संभाग में कहीं-कहीं मेघगर्जन के साथ हल्की बारिश व अचानक तेज हवाएं 30-40 किलोमीटर प्रति घंटा चलने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक कल जयपुर, भरतपुर संभाग व शेखावाटी क्षेत्र में कहीं-कहीं मेघगर्जन के साथ हल्की बारिश होने व शेष अधिकांश भागों में मौसम मुख्यत: शुष्क रहने की संभावना है। 2 मार्च से आगामी 4-5 दिन मौसम मुख्यत: शुष्क रहने की संभावना है। आगामी 24 घंटों में तापमान में विशेष परिवर्तन नहीं होने व तत्पश्चात न्यूनतम तापमान में 2 से 4 डिग्री गिरावट वह अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री बढ़ोतरी होने की संभावना है।

अवैध शराब पकड़ी

जोधपुर, (कास)। कमिश्नरेट पुलिस ने महिने के अंतिम दिन माइनर एक्ट में कार्रवाई करते हुए खाइवालों के साथ अवैध शराब को जब्त किया।

महामंदिर थाने के एएसआई अमित कुमार ने नागौरी गेट रोड मंदिर के पास गुब्बाखाई कर रहे शोएब को गिरफ्तार कर 2270 रूपये की राशि जब्त की। इसी तरह शास्त्रीनगर थाने के हैड कांस्टेबल मजीद खान ने मिल्क मैन कॉलोनी क्षेत्र में गुब्बाखाई कर रहे गोविन्द सैन से 1850 रूपए जब्त किए।

अनिता चौधरी हत्याकांड कारोबारी के आवास पर पड़ताल

जोधपुर, (कास)। बहुचर्चित अनिता चौधरी हत्याकांड मामले में अब सीबीआई ने भी केस दर्ज करने के बाद बड़े स्तर पर इसकी पड़ताल में जुटी है। शुक्रवार को सीबीआई टीम एसपी राजपाल सिंह के सुपरविजन में ब्यूटीशियन अनिता चौधरी के ब्यूटी पार्लर स्थल पर पहुंची और साक्ष्य जुटाए, साथ ही कारोबारी तैयब अंसारी के निवास पर भी पडताल की। मामले में मृतका ब्यूटीशियन अनिता चौधरी के पति का कहना है कि उन्हें सीबीआई जांच पर पूर्ण भरोसा है। उसके पति और पुत्र से सीबीआई की टीम पहले ही पूछताछ कर चुकी है। मामले को लेकर गत 3 फरवरी को सीबीआई ने केस दर्ज किया था। जिसमें कारोबारी तैयब अंसारी को भी नामजद किया गया था। अनिता चौधरी की सहेली सुमन सैन के घर पर भी पडताल की जा रही है।

सीबीआई पहले ही एक केस लवली कंडारा की जांच में जोधपुर में बैठी है और जांच पड़ताल में जुटी है। इधर अनिता चौधरी हत्याकाण्ड को लेकर काफी समय से परिजन की तरफ से सीबीआई जांच की मांग की जाती रही है। राज्य सरकार से भी सीबीआई जांच की मांग रखी गई थी। पुलिस द्वारा प्रकरण से जुड़े आरोपियो के खिलाफ चार्जशीट दाखिल किए जाने के बाद 3 फरवरी को सीबीआई में केस दर्ज किया गया था।

बता दें कि जोधपुर कमिश्नरेट पुलिस ने न्यायालय में चार्जशीट पेश की थी। पुलिस ने अनिता हत्याकांड में मुख्य आरोपी गुलामुद्दीन और उसकी पत्नी आबिदा को ही आरोपी मानते हुए उनके खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था। जांच अधिकारी एडीसीपी (महिला अपराध अनुसंधान सेल पश्चिम) सुनील के पंवार ने नियत समय में मामले की जांच कर गत तीस जनवरी को कोर्ट में यह चार्जशीट पेश कर दी जिसमें गुलामुद्दीन द्वारा अनिता की हत्या कर टुकड़ों में काटना और उसकी पत्नी को उसका सहयोगी माना है।

जांच अधिकारी सुनील के पंवार ने बताया था कि अनिता चौधरी की हत्या लूट के इरादे से की गई थी। गत 27 अक्टूबर को अनिता अपने पार्लर से गुलामुद्दीन के घर गई, तो वह उसे एस्कॉर्ट कर रहा था। नशीला पदार्थ पिलाकर उसे बेहोश किया गया। उसके पहने हुए जेवर उसने उतार लिए। अपनी पत्नी को उसकी बहन के घर भेज दिया। अगले दिन 28 अक्टूबर को सुबह जब अनिता नहीं उठी, तो वह घबरा गया। बेहोशी की हालत में उसने सिर फोडक़र हत्या कर दी। शव को ठिकाने लगाने के लिए उसने सरदारपुरा से एक तेज चाकू खरीदा जिससे छह टुकड़े कर शव गाड़ दिया था। पुलिस ने इस हाइप्रोफाइल मामले में एक प्रॉपर्टी डीलर को भी कई दिनों तक हिरासत में रखा था। लेकिन उसके खिलाफ पुख्ता सबूत नहीं मिले, जिसके चलते उसे छोड़ना पड़ा।

गंगापुर सिटी ट्रेन के रुट में आंशिक परिवर्तन

कोटा, (निसं)। मंडल के गंगापुर सिटी-मथुरा रेलखण्ड पर गंगापुर सिटी-छोटी उदई स्टेशनों के मध्य समपार फाटक संख्या 179 पर रोड़ ओवर ब्रिज गर्डर लोन्चिंग एवं गंगापुर सिटी स्टेशन पर स्टील गर्डर लोन्चिंग कार्य 04 मार्च तक किया जा रहा है।

इस अधोसंरचना कार्य के लिए ब्लॉक लिया गया है। इस कार्य हेतु गंगापुर सिटी-अजमेर-गंगापुर के बीच चलने वाली डेमू चार ट्रिप बामनवास-गंगापुर सिटी के बीच आंशिक निरस्त रहेगी। गाड़ी संख्या 79601 अजमेर-गंगापुर सिटी डेमू एवं वापसी में गाड़ी संख्या 79602 गंगापुर-सिटी डेमू दिनांक 28 फरवरी, 01, 03 एवं 04 मार्च को दोनों दिशाओं में बामनवास-गंगापुर के बीच आंशिक निरस्त रहेगी अर्थात यह डेमू गाड़ी उक्त चार ट्रिप अजमेर-बामनवास तक के स्टेशनों के बीच संचालित होगी।

इस संबंध में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि यात्रियों को होने वाली असुविधा के लिए खेद है। क्योंकि विकास हेतु कार्य किया जाना आवश्यक है।

इस संबंध में सर्व-संबधित स्टेशनों और कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है। यात्रियों से अनुरोध है कि ट्रेन की उचित स्थिति की जानकारी स्टेशनों, रेल मदद 139 अथवा ऑनलाईन प्राप्त कर यात्रा करें।

जिला न्यायाधीश ने किया उपकारागृह का निरीक्षण

गंगापुर सिटी के उपकारागृह का निरीक्षण जिला न्यायाधीश देवेंद्र दीक्षित ने किया।

गंगापुर सिटी। उप कारागृह का गुरुवार को जिला एवं सेशन न्यायाधीश देवेंद्र दीक्षित ने निरीक्षण किया। यह निरीक्षण राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देश पर किया गया। न्यायाधीश ने मुख्य प्रहरी विदेश कुमार से कारागृह की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने बंदियों की कुल संख्या, पहली बार अपराध करने वालों की जानकारी और उनको दी जा रही सुविधाओं के बारे में पूछा। बंदियों से उनके मुकदमों और परिवार से संपर्क की स्थिति के बारे में भी बातचीत की। निरीक्षण में कारागृह की व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं।

- **बंदियों को दी जाने वाली सुविधाओं की विस्तार से जानकारी ली**

जेल परिसर और बैरकों में साफ-सफाई का स्तर भी अच्छा था। जेल में कुल 89 बंदी मौजूद मिले। न्यायाधीश ने प्रिजन लीगल एड क्लिनिक का भी दौरा किया। यहां बंदियों को मिल रही निःशुल्क कानूनी सलाह और सहायता की जानकारी ली। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव समीक्षा गौतम ने बंदियों को उनके कानूनी अधिकारों से अवगत कराया। उन्होंने बंदी कल्याण योजनाओं की जानकारी दी। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2०23 की धारा 479 के बारे में बताते हुए बंदियों को अपराध और नशे से दूर रहने का सलाह दी।

राजस्थान सरकार

निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर

क्रमांक निदे/अ.ख.अ. नीलामी / निलामी (ML03)/2025/ई-10231

ई-नीलामी विज्ञिप्त

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली, 2017 के अध्याय-।।। के तहत निम्नांकित प्लॉटो के आंवटन ई-नीलामी के माध्यम से किये जाने हेतु इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म पर बोली आमंत्रित की जाती है। संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है:-

जिला	तहसील	राजस्व ग्राम	खनिज	कुल प्लॉट
ब्यावर	मसूदा	जसवंतपुरा लहरी	मेसेनरी स्टोन	8
बून्दी	बून्दी	गुवार	सैण्ड स्टोन	2
	तालेड़ा	थडी	एम-सेण्ड के निर्माण हेतु ऑवरबर्डन डंप के परमिट	1
सिरोही	सिरोही	वलदरा	मेसेनरी स्टोन (एम-सेण्ड हेतु)	2
भीलवाडा	आसीन्द	सांकड का बाडिया	ग्रेनाईट	5
पाली	रानी	जवाली	मेसेनरी स्टोन (एम-सेण्ड हेतु)	1
प्रतापगढ	छोटीसादडी	जीवनपुरा	मेसेनरी स्टोन	3
राजसमंद	देवगढ	महासिंह जी का खेडा	ग्रेनाईट	2
	आमेट	माकरडा	क्वार्टज, फेल्सपार व ग्रेनाईट	1
		मुण्डकोशिया	क्वार्टज, फेल्सपार व ग्रेनाईट	2
	गढबोर	धानीन	क्वार्टज, फेल्सपार व ग्रेनाईट	10
सीकर	दांतारामगढ़ नीमकाथाना	रूपपुरा मण्डोली	मेसेनरी स्टोन मेसेनरी स्टोन (एम-सेण्ड हेतु)	1 1
डीडवाना-कुचामन	डीडवाना	कोलिया	मेसेनरी स्टोन	8
उदयपुर	घांसा	चन्देसरा	मेसेनरी स्टोन (एम-सेण्ड हेतु)	2
डूंगरपुर	नयागांव	महीडा नयागांव	मेसेनरी स्टोन मेसेनरी स्टोन	2 1
	सीमलवाडा	सीथल	मेसेनरी स्टोन	7
		चाडोली	मेसेनरी स्टोन (एम.सेण्ड हेतु)	1
	दोवडा	भचडीया	मेसेनरी स्टोन	2
			मेसेनरी स्टोन (एम-सेण्ड हेतु)	
डूंगरपुर	दोवडा	फलोज	मेसेनरी स्टोन	1
फलौदी	लोहावट	नयाबेरा	मार्बल	2
जयपुर	मौजमाबाद	भैराना	मेसेनरी स्टोन	1
	दूदू	साखून	क्वार्टज फेल्सपार, ग्रेनाईट व मेसेनरी स्टोन	2
			ग्रेनाईट व मेसेनरी स्टोन	1
			ग्रेनाईट एवं मेसेनरी स्टोन	
जोधपुर	चामू	मेरिया	सैण्ड स्टोन	23
	औसिया	पावूनगर	मेसेनरी स्टोन	17
नागौर	मुण्डवा	पालड़ीव्यासा	मेसेनरी स्टोन (एम-सेण्ड हेतु)	2
	मूण्डवा	पालड़ीव्यासा	मेसेनरी स्टोन	49
अजमेर	केकड़ी	एकलसिंगा	ग्रेनाईट	1
	भिनाय	रामालिया	ग्रेनाईट व मेसेनरी स्टोन	10
			ग्रेनाईट, मेसेनरी स्टोन (एम-सेण्ड हेतु)	1
	अराई	डाग	ग्रेनाईट	2
अलवर	नौगांवा	नाहरपुर खुर्द	मेसेनरी स्टोन	1
योग				178

विशेष नोट:-
1. प्लॉटों का विस्तृत विवरण, अमानत राशि, बोली प्रस्तुत करने की तिथि व समय इत्यादि का विवरण, ई-ऑक्शन की शर्ते विभागीय वेबसाइट www.mines.rajasthan.gov.in एवं इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म प्रदाता कंपनी MSTC Ltd. की वेबसाइट www.mstcecommerce.com पर उपलब्ध है।

DIPR/C/2244/2025 (दीपक तंवर) निदेशक

'केंद्रीय बजट विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम'

पीएम मोदी ने भारत की अंतरिक्ष और अंतरराष्ट्रीय नीति पर किया फोकस, परिणाम स्वरूप हमारी अर्थव्यवस्था हुई मजबूत : राव राजेंद्र सिंह शेखावत

जयपुर। भाजपा प्रदेश कार्यालय में शुक्रवार को केंद्रीय और राज्य सरकार की ओर से पेश किए गए बजट को लेकर भाजपा जयपुर दक्षिण जिला की ओर से प्रबुद्धजन सम्मेलन तथा प्रेसवार्ता आयोजित की गई। प्रबुद्धजन सम्मेलन में सांसद मंजू शर्मा और राव राजेंद्र सिंह शेखावत ने तथा कैबिनेट मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने बजट को सर्व स्पर्शी, सर्व समावेशी बताते हुए विकसित भारत 2047 के सपने को साकार करने वाला बताया। इस दौरान विधायक कैलाश वर्मा, जयपुर दक्षिण जिला अध्यक्ष राजेश गुर्जर ने भी बजट को लेकर चर्चा की।

प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए सांसद राव राजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की अर्थव्यवस्था विश्व में अपनी अलग पहचान बना रही है। देश के मजबूत केंद्रीय नेतृत्व के चलते आज हम विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में खड़े है, और जल्द ही भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर उभरेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वित्त मंत्री ने विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने का लक्ष्य निर्धारित करते हुए केंद्रीय बजट 2025-26 पेश किया है। इसी तर्ज पर राजस्थान सरकार ने विकसित राजस्थान के सपने के लिए हर वर्ग की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए बजट पेश किया।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में सांसद राव राजेन्द्र सिंह ने प्रेस को संबोधित किया। इस दौरान उनके साथ उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा मौजूद थे।

सांसद राव राजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पहले किसी ने भी देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए अंतरराष्ट्रीय नीति और भारत की अंतरिक्ष नीति पर काम नहीं किया लेकिन मोदी सरकार ने इन दोनों नीतियों पर कार्य किया, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है।

- 'मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सरकार के नेतृत्व में राजस्थान के विकास में देखने को मिली गति'

इससे भारत विकसित देशों के साथ बराबर खड़ा हो पाया है। यह देश के स्वाभिमान और स्वालंबन की परिधी को परिभाषित करता है।

सांसद राव राजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि भारत के वैज्ञानिकों ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में अपने पांव मजबूत किए है। आज भारत नासा की तुलना में कई गुणा कम लागत पर अंतरिक्ष में सेटेलाइट भेज रहा है, ऐसे में विश्व के कई देश हमारे प्लेटफॉर्म का उपयोग कर रहे है। यह विश्व में हमारे मजबूत अंतरिक्ष नीति को दर्शाता है। इससे अर्थव्यवस्था भी मजबूत होती है। भारत स्मॉल न्यूक्लियर रिएक्टर के क्षेत्र में अपनी नई पॉलिसी के साथ कार्य कर रहा है। इससे देश की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी और हम विकसित भारत 2047 के सपने का साकार करने की दिशा में आगे बढ़ेंगे।

सांसद राव राजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान की अर्थव्यवस्था में तेजी से विकास की गति देखने को मिल रही है। भाजपा सरकार का लक्ष्य 350 बिलियन डॉलर तक राजस्थान की अर्थव्यवस्था को पहुंचाना है, उसकी तुलना में हम 50 फीसदी से ज्यादा पहुंच चुके है और अगले चार साल में इस लक्ष्य को साकार करेंगे। उन्होंने कहा कि राजस्थान की सरकार ने प्रदेश की जनता को केंद्रीत करते हुए अपने पिछले दो बजट पेश किए। इसमें किसान की आय बढ़ाने के साथ, आधारभूत व्यवस्था में निवेश, अन्नदाता के खेत से लेकर आमजन के घर तक शुद्ध जल पहुंचाने जैसे महत्वपूर्ण निर्णय किए है। भाजपा सरकार ने यमुना, चंबल और साबरमती परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना बनाते हुए विकसित भारत की पृष्टभूमि में विकसित राजस्थान की व्यवस्था को सुसज्जित करने का काम किया है। कार्यक्रम में जयपुर दक्षिण जिला प्रभारी विमल अग्रवाल, पूर्व विधायक निर्मल कुमावत, संयोजक हृदय सुमन पारीक भी मंच पर उपस्थित रहे।

आदिवासियों के अलग धर्म कोड पर विधानसभा में नोकझोंक

- जो आदिवासी खुद को हिंदू नहीं मानते वे एसटी आरक्षण, टीएसपी का फायदा छोड़ें : समाराम गरासिया
- बीजेपी विधायक समाराम गरासिया ने सदन में कहा, ''आदिवासी का कोई धर्म कोड नहीं, वह हिंदू है।''

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। विधानसभा में जनजाति विकास और सामाजिक न्याय की अनुदान मांगों पर बहस के दौरान आदिवासियों के अलग धर्म कोड के मुद्दे पर कई बार नोकझोंक और हंगामा हुआ।

गणेश घोघरा सहित कई कांग्रेस विधायकों ने अलग आदिवासी धर्म कोड की मांग उठाई। बीजेपी विधायकों ने इस पर पलटवार करते हुए कहा कि आदिवासी इस देश के मूल निवासी हैं और प्राचीन समय से हिंदू धर्म से जुड़े हैं, रामायण और महाभारत में भी इसके प्रमाण मिल जाएंगे। ज्ञात रहे कि आदिवासी इलाके के कांग्रेस और बीएपी के विधायक अलग आदिवासी धर्म कोड की पहले भी मांग करते आए हैं।

बहस में भाजपा विधायक समाराम गरासिया ने कहा कि, आदिवासी का कोई धर्म कोड नहीं, वह हिंदू है। अंग्रेज यह सब लाए, आदिवासी गर्व से कहता है कि वह हिंदू है।

उन्होंने कहा- जो आदिवासी खुद को हिंदू नहीं मानते वे एसटी आरक्षण और टीएसपी इलाके का लाभ छोड़ दें। उन्हें दो धर्म का लाभ थोड़े ही मिल सकता है। जो खुद हिंदू नहीं है तो एसटी आरक्षण का फायदा क्यों ले। आदिवासी परंपरागत हिंदू हैं।

उधर कांग्रेस विधायक गणेश घोघरा ने कहा कि, आदिवासियों का अलग से धर्म कोड लागू होना चाहिए। जब बौद्ध, जैन धर्म का अलग से कोड है तो आदिवासियों के लिए क्यों नहीं है। आदिवासियों की यह मांग लंबे समय से की जा रही है। आदिवासियों को टीएसपी क्षेत्र में नौकरियों का पूरा फायदा नहीं मिल रहा है।

हनुमानगढ़ जिले में गोदाम आवंटन में अनियमितता पर की है कार्यवाही : दक

जयपुर। राजस्थान के सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक ने शुक्रवार को विधानसभा में कहा कि हनुमानगढ़ जिले में गोदाम निर्माण में पाई गई अनियमितता के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए उसी दिन प्रबंध निदेशक एवं मुख्य प्रबंधक, केंद्रीय सहकारी बैंक, हनुमानगढ़ को निलंबित करते हुए विभागीय कार्यवाही शुरू कर दी गई।

दक प्रश्नकाल में पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि इसके अलावा प्रधान कार्यालय स्तर से प्रत्येक जिले में निरीक्षक दलों द्वारा निरीक्षण भी कराया गया। उन्होंने कहा कि गोदाम निर्माण के कार्यों में पारदर्शिता बनाये रखने एवं किसी भी प्रकार की अनियमितता को रोकने के लिए राज्य सरकार द्वारा समितियों का गठन भी किया गया है।

उन्होंने कहा कि जिले में ग्राम सेवा सहकारी समितियों के गोदाम आवंटन प्रकिया में किसी भी प्रकार की अनियमितता की शिकायत पाए जाने पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की महती योजना सहकारी क्षेत्र में दुनिया की सबसे बड़ी अनाज भंडारण योजना के तहत उन जिलों को प्राथमिकता दी जानी है, जिनमें भण्डारण क्षमता अपेक्षाकृत कम है। भारतीय खाद्य निगम से प्राप्त सूची के अनुसार प्रदेश के श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ एवं कोटा जिले में उपज के अनुपात में भण्डारण क्षमता अपेक्षाकृत कम होने से इन जिलों में भण्डारण निर्माण को प्राथमिकता देते हुए श्रीगंगानगर में 17, हनुमानगढ़ में 15 एवं कोटा में 13 गोदाम स्वीकृत किये हैं। परिणामस्वरूप इन जिलों की भण्डारण क्षमता में बढ़ोतरी हुई है।

इससे पहले विधायक संजीव कुमार के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में उन्होंने बताया कि वर्ष 2024-25 में राजस्थान सरकार की बजट घोषणा अन्तर्गत प्रदेश की 211 ग्राम सेवा सहकारी समितियों में शत-प्रतिशत अनुदान पर गोदाम निर्माण कराया जा रहा है। इस हेतु कुल 3832 लाख रुपए का आवंटन किया गया है। जिसका विवरण उन्होंने सदन के पटल पर रखा। उन्होंने बताया कि ग्राम सेवा सहकारी समितियों में कस्टम हायरिंग सेन्टर की स्थापना के लिए शत प्रतिशत अनुदान के स्थान पर केन्द्र सरकार से लागत के 80 प्रतिशत (अधिकतम रुपए 8 लाख) तक की वित्तीय सहायता दी जाती है।

आदेश की पालना क्यों नहीं की : अदालत

जयपुर। जयपुर मेट्रो-द्वितीय की कॉमर्शियल कोर्ट-एक ने सांगानेर की 848 रंगाई-छपाई इकाइयों से निकले अपशिष्टों के जल उपचार व प्रबंधन के लिए बनाए सीईटीपी की निर्माण राशि व इससे जुडी करीब 96 करोड रुपए की वसूली मामले में आदेश की पालना नहीं करने पर जयपुर कलेक्टर व पुलिस कमिश्नर सहित पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी को अवमानना नोटिस जारी किए हैं। अदालत ने इनसे एक मार्च को स्पष्टीकरण देकर यह बताने के लिए कहा है कि उन्होंने 14 फरवरी 2025 के आदेशों की जानबूझकर अवहेलना क्यों की और क्यों ना इसके लिए उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए। कोर्ट ने यह निर्देश मैसर्स एडवेंट एंवायरकेयर टेक्नोलॉजीज के अवमानना प्रार्थना पत्र पर दिया। कोर्ट ने कहा कि अवार्ड होल्डर की ओर से दायर प्रार्थना पत्र में कहा कि उन्होंने कोर्ट के सेल अमीन को सहयोग नहीं किया और इसके चलते ही उसने कुर्की वारंट को बिना तामील ही कोर्ट में वापस किया है। ऐसे में प्रथम दृष्टया यह प्रतीत होता है कि उन्होंने जानबूझकर आदेशों की अवहेलना की है, इसलिए वे स्पष्टीकरण दें।

करतारपुरा नाले को पक्का करने और प्रभावित मकानों को तोड़ने का मामला सदन में उठा

- विधायक सराफ ने कहा, ''500 मकानो पर लाल निशान लगाने से लोग दहशत में हैं''
- यूडीएच मंत्री खर्रा ने कहा, ''हाईकोर्ट में रिवाइज्ड योजना पेश करेंगे''

जयपुर। जयपुर के करतारपुरा नाले की चौड़ाई बढ़ाने और उसको पक्का करने के लिए जिन मकानों को तोड़ा जाना है , उसका मुद्दा शुक्रवार को विधानसभा में उठा। मालवीय नगर क्षेत्र से बीजेपी विधायक कालीचरण सराफ ने ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के जरिए ये मामला उठाते हुए कहा- करतापुरा नाले की चौड़ाई 30 मीटर करने के कारण 500 मकान टूटेंगे। 500 मकानों पर लाल निशान लगा दिए हैं, जिससे लोगों में दहशत है।

सराफ ने कहा कि द्रव्यवती नदी में गिरने वाले नाले का 25 मीटर आउटफॉल है। कच्चे नाले की 30 मीटर चौड़ाई करने का क्या औचित्य है? लोकतंत्र में 500 मकानों को तोड़े जाना संभव नहीं है, किसी हालत में इसे नहीं होने दिया जाएगा। हाईकोर्ट में ये निर्देश नहीं दिए कि नाले की चौड़ाई 30 मीटर की जाए। इसके दोनों तरफ 10-10 मीटर सड़क बनाने का जिक्र है।

मकान तोड़कर सड़क बनाने का कोई औचित्य नहीं है। इस इलाके में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) बनाना चाहिए। बीजेपी राज में इसके लिए अमृत योजना में 21 करोड़ मंजूर किए थे और मैंने उद्घाटन किया। सरकार बदलने के बाद कांग्रेस राज में यह कहकर इसे बंद कर दिया कि जमीन नहीं है। 30 कॉलोनियों के लोग बदबू से परेशान है, यहां एसटीपी बनना चाहिए।

यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि पीआईएल पर सुनवाई करते हुए 2018 में हाईकोर्ट ने नाले को पक्का करने की कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए थे। अब 2018 से लेकर अब तक जो हुआ उस पर कमेंट नहीं करूंगा। इस पर टोकते हुए सराफ ने कहा कि जनता को तब पता लगता है जब लाल निशा लगे।

खर्रा ने कहा कि एक बार हाईकोर्ट के आदेशों की पालना में कार्य योजना पेश कर दी। अब हाईकोर्ट से इसमें संशोधन का आग्रह करेंगे। हाईकोर्ट अनुमति दे देगा तो ऐसी कोई नई कार्ययोजना बनाकर पेश करेंगे, ताकि कम से कम लोगों को परेशानी हो।

पेपर खोया तो बिरसा मुंडा पर एक लाइन नहीं बोल पाए मंत्री

जयपुर। विधानसभा में शुक्रवार को जनजाति विभाग विकास की अनुदान मांगों पर बहस का जवाब देते हुए टीएडी मंत्री बाबूलाल खराड़ी आदिवासी नायकों के किस्से सुना रहे थे। खराड़ी आदिवासियों के नायक भगवान बिरसा मुंडा के जीवन से जुड़ी यादें पन्नों में देखकर पढ़ रहे थे। खराड़ी ने कहा- बिरसा मुंडा जब रांची में पढ़ने मिशनरी स्कूल में गए तो उनकी चोटी काट दी गई। अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष से जुड़ गए और बहुत कम उम्र में रांची जेल में रहस्यमय तरीके से उनकी मौत हो गई। इसके बाद खराड़ी रुक गए और पेपर खोजने लग गए, काफी देर खोजने के बाद भी पेपर नहीं मिला तो खराड़ी मुंडा पर कुछ नहीं बोल पाए।

ऑडिट कार्य में लापरवाही बरतने पर 6 चार्टर्ड अकाउंटेंट फर्मों पर कठोर कार्यवाही

- सहकारिता विभाग ने वर्तमान गठित पैनल से हटाया, भविष्य में पैनल में शामिल करने पर रोक लगाई

जयपुर। सहकारिता विभाग में ऑडिट कार्य में लापरवाही बरतने पर 6 चार्टर्ड अकाउन्टेंट फर्मों को वर्तमान गठित पैनल से हटाते हुए भविष्य में गठित किए जाने वाले पैनल में शामिल करने पर रोक लगाई गई है। रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां मंजू राजपाल द्वारा इस सम्बन्ध में एक अंतरिम आदेश जारी किया गया है।

आदेश के अनुसार श्रीगंगानगर जिले की श्रीविजयनगर तहसील अंतर्गत 2जीबीए ग्राम सेवा सहकारी समिति लि. 3 जीबी में गबन एवं अनियमितता का प्रकरण संज्ञान में आया था। प्रकरण में प्रबंध निदेशक, दी गंगानगर केन्द्रीय सहकारी बैंक लि. के आदेश पर मुख्य प्रबंधक, जीकेएसबी श्रीगंगानगर द्वारा राजस्थान सहकारी सोसायटी अधिनियम, 2001 की धारा 55 के तहत जांच की गई थी। जांच परिणाम एवं निर्देश में समिति में वर्ष 2014-15 से वर्ष 2023-24 तक ऑडिट कार्य में उक्त चार्टेड आकाउन्टेंट फर्मों की लापरवाही सामने आई थी। जांच परिणाम के आधार पर कार्यवाही करते हुए मै. विभोर रूपेश एण्ड कम्पनी, मै. रतन गर्ग एण्ड एसोसिएट्स, मै. गोयल नागपाल एण्ड कम्पनी, मै. राकेश लालगढ़िया एण्ड एसोसिएट्स, मै. भरत मून्दड़ा एण्ड कम्पनी एवं देवेन्द्र भटेजा एण्ड कम्पनी को सहकारी सोसायटियों की लेखा परीक्षा हेतु वर्तमान गठित पैनल से हटाते हुए भविष्य में गठित किए जाने वाले पैनल में शामिल करने पर रोक लगाई गई है।

राज्य स्तरीय आरोग्य मेला आज से

जयपुर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के आपणों अग्रणी राजस्थान, स्वस्थ राजस्थान एवं विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने हेतु आयुष विभाग द्वारा 4 दिवसीय राज्य स्तरीय आरोग्य मेला-2025 का आयोजन 1 मार्च से 4 मार्च तक शिल्पग्राम, जवाहर कला केन्द्र में किया जाएगा।

उप मुख्यमंत्री एवं आयुष मंत्री डॉ. प्रेम चंद बैरवा ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता को सम्बोधित करते हुए बताया कि राज्य स्तरीय आरोग्य मेला का उद्देश्य आयुष पद्धितयों की प्रभावशीलता एवं स्वस्थ जीवनशैली के बारे में नागरिकों को जागरूक करना, आयुष विशेषज्ञों के ज्ञान एवं अनुभव का आदान-प्रदान करना तथा रोगों से बचाव व उपचार में इन पद्धितयों की विशेषता से जनमानस को लाभान्वित करना है। उन्होंने बताया कि राज्य स्तरीय आरोग्य मेले-2025 का शुभारंभ 1 मार्च को उनके द्वारा किया जायेगा। मेला 4 मार्च तक प्रतिदिन प्रातः 11 बजे से रात्रि 8 बजे तक आयोजित होगा।

मिशन मोड में करें नवीन आवासीय योजनाओं का क्रियान्वयन : गालरिया

- राजस्थान आवासन मंडल के संचालक मंडल की 250 वीं बोर्ड बैठक

जयपुर। आवासन आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा ने बताया कि प्रमुख शासन सचिव, नगरीय विकास एवं मंडल अध्यक्ष श्री वैभव गालरिया की अध्यक्षता में शुक्रवार को मंडल मुख्यालय में राजस्थान आवासन मंडल के संचालक मंडल की 250 वीं बोर्ड बैठक आयोजित की गई।

उन्होंने बताया कि जयपुर के प्रताप नगर योजना में बन रहे माही अपार्टमेंट सेक्टर-23 में एमआईजी-बी के 143 एवं समृद्धि अपार्टमेंट में एमआईजी-ए के 96 फ्लैटों की स्वीकृत की गई निविदाओं के साथ ही मण्डल की अन्य योजनाओं की प्रशासनिक एवं वित्तीय कार्योत्तर स्वीकृति प्रदान की गई।

आवासन मण्डल की समस्त आवासीय योजनाओं की विकसित भूमि दर वर्ष 2024-25 की अवधि 1 जुलाई 2024 से 30 जून 2025 की एवं शेष अवधि 1 जनवरी 2024 से 30 जून 2024 की संचालक मण्डल की कार्योत्तर स्वीकृति प्रदान की गई। गालरिया ने इस अवसर पर कहा कि मण्डल में चल रही बुधवार निलामी, प्रीमियम सम्पतियों के ऑक्शन तथा विभिन्न योजनाओं के प्रति आमजन का उत्साह इस बात का प्रमाण है कि आवासन मण्डल आज भी किफायती दरों पर अपने आवास का सपना साकार करने के लिए आमजन की पहली पसंद है और हमें पहली पसंद बने रहने के लिए निरंतर प्रयास जारी रखने होंगे। उन्होंने अधिकारियों एवं अभियंताओं को आमजन के हितार्थ मिशन मोड में भूमि चिन्हितिकरण कर नवीन आवासीय योजनाओं को धरातल पर उतारने के निर्देश दिये।

इस बैठक में सचिव डॉ. अनिल कुमार पालीवाल, मुख्य नगर नियोजक अनिल माथुर, एवं मुख्य सम्पदा प्रबंधक प्रवीण अग्रवाल सहित अन्य उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

अब 10 मार्च तक हो सकेगी मूंगफली खरीद

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री गौतम कुमार दक ने बताया कि किसानों को बड़ी राहत देते हुए प्रदेश में मूंगफली खरीद की अवधि को 10 मार्च तक बढ़ाया गया है। राज्य सरकार ने कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार को पत्र लिखकर खरीद अवधि बढ़ाने का आग्रह किया था, जिसे स्वीकार कर लिया गया है। दक ने कहा कि खरीद की अवधि बढ़ाये जाने से पंजीकरण करवा चुके किसान बिना किसी बाधा के अपनी जिन्स का विक्रय कर पाएंगे। उन्होंने अधिकारियों को सभी पात्र किसानों से नियमानुसार तुलाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

ई.आर.सी.पी. में बांधों को जोड़ने को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा

जयपुर। ईआरसीपी में जयपुर ज़िले के बाँधों को जोड़ने को लेकर भारतीय किसान संघ की ज़िला कार्यकारिणी ने शुक्रवार को जयपुर कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देकर जोड़ने की माँग की है।

भारतीय किसान संघ के जयपुर प्रांत सह प्रचार प्रमुख डॉ.लोकेश कुमार चन्देल ने बताया है कि किसान संघ ईआरसीपी में जिन तहसीलों के बाँध नहीं जोड़े गए हैं । उनको जोड़ने के लिए ज़िला कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजे जा रहे हैं । इसी क्रम में आज जयपुर कलेक्टर को ज्ञापन दिया है जिसमें बताया गया है कि बस्सी तहसील के पांटन बांध,दुबली बांध,पृथ्वी पुरा बांध,साँभरिया बांध, देवगाँव बांध, कानोता बांध, नईनाथ बांध, कानोता बांध के बहाव क्षेत्र से अतिक्रमण हटाने का आग्रह किया है । इसी तरह जोबनेर तहसील का कालख बांध,पुनाना झील,डूँगरी बांध,चाकसू तहसील के रामसुंदर बांध, बड़ा तालाब डिक्कियाँ, खेजड़ी बांध,कोटखावदा तहसील से श्यामपुरा बांध,ठीकरियाँ मीणान बांध,दामोदरबांस का बांध,देवसी बांध और आँधी तहसील से रायावाला बांध,खल्ड बांध को जोड़ने की माँग की है । इस दौरान भारतीय किसान संघ के ज़िलाध्यक्ष राधेश्याम शर्मा, ज़िला मंत्री लक्ष्मीनारायण यादव, ज़िला उपाध्यक्ष बजरंग लाल शर्मा तिलपट्टी, जिला महिला प्रमुख यशोदा मीणा, जैविक प्रमुख कानाराम जाजरवार, जोबनेर तहसील अध्यक्ष मदनपुरी, आमेर अध्यक्ष कन्हैया लाल शर्मा, चाकसू तहसील अध्यक्षरामोत्तार बलाई, भगवान सहाय प्रेमपुरा आदि कार्यकर्ता मौजूद थे।

'बकाया छात्रवृति राशि का भुगतान मार्च तक'

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने शुक्रवार को विधानसभा में कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विशेष प्रयासों से अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों को छात्रवृति देने हेतु केंद्र सरकार से 250 करोड़ रुपए की राशि प्राप्त हुई है। उन्होंने सदन को आश्वस्त किया कि वर्ष 2021-22 से 2023-24 तक की बकाया छात्रवृति राशि का भुगतान मार्च माह के प्रथम सप्ताह तक किया जायेगा।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस सम्बन्ध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017-18 से 2020-21 तक बजट उपलब्धता में कमी होने कारण विगत पांच वर्षों में छात्रवृति का वितरण नहीं हो पाया। इस समयावधि के वित्तीय भार को देखते हुए राज्य सरकार द्वारा केंद्र सरकार को पत्र लिख केन्द्रांश की राशि उपलब्ध कराने हेतु आग्रह किया गया। उन्होंने कहा कि इस छात्रवृति राशि के भुगतान पश्चात केंद्र सरकार को इसका उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जायेगा। इसके उपरांत केंद्र सरकार से शेष रहे विद्यार्थियों की छात्रवृति हेतु भी केन्द्र द्वारा राशि उपलब्ध करवाई जाएगी।

प्रदेश में 1731 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों ने दी रीट परीक्षा

रीट की परीक्षा खत्म हुई तो घर लौटने वालों का रैला लग गया। जयपुर जंक्शन पर जान जोखिम में डालकर अभ्यर्थी रेलगाड़ी पर चढ़ने का प्रयास कर रहे थे।

जयपुर। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से आयोजित राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (रीट)-2024 का आयोजन 27-28 फरवरी को सफलता पूर्वक किया गया। परीक्षा दो दिन में तीन पारियों में आयोजित हुई। शुक्रवार को आयोजित परीक्षा में 88.55 प्रतिशत परीक्षार्थियों की उपस्थिति रही।

परीक्षा के लिए करीब 15 लाख अभ्यर्थियों ने पंजीकरण करवाया था। राज्य सरकार के निर्देशानुसार परीक्षा की पारदर्शिता एवं परीक्षा की शुचिता के लिए समस्त 1731 परीक्षा केन्द्रों पर सीसीटीवी से निगरानी की गई। रीट कार्यालय में गठित राज्य स्तरीय कमाण्ड सेन्टर एवं जिलों में अभय कमाण्ड सेन्टर से परीक्षा केन्द्रों पर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी की गई। रीट परीक्षा में नवाचार के तहत डमी परीक्षार्थी एवं अवाछित तत्वों पर नियंत्रण के लिए पहली बार लगभग परीक्षार्थियों के बायोमैट्रिक एवं फेस रिकग्निशन की व्यवस्था की गई। परीक्षा के दौरान सभी जिलों में तैनात शिक्षा विभाग के अधिकारी अलर्ट मोड पर रहे। प्रश्न पत्रों को पूर्ण सुरक्षा के साथ परीक्षा केन्द्रों तक पहुंचाया गया वहीं परीक्षा समाप्ति के बाद ओएमआर शीट्स व परीक्षा सामग्री संग्रहण केन्द्रों से रीट कार्यालय में पूर्ण सुरक्षा के साथ प्रेषित की गई। गौरतलब है कि तीन साल बाद रीट की परीक्षा बिना किसी व्यवधान के सम्पन्न हुई। शिक्षामंत्री मदन दिलावर ने रीट के निर्विघ्न संचालन पर हर्ष जताया है। शासन सचिव, शिक्षा श्री कृष्ण कुणाल ने तीन साल बाद निर्विघ्न रूप से संचालित हुई रीट के लिए सभी संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों को धन्यवाद दिया है।

कुछ लोग राष्ट्रीय एकता पर राजनीतिक टिप्पणी से नहीं चूकते : शेखावत

जयपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि कुछ लोग अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति के लिए राष्ट्रीय एकता पर राजनीतिक टिप्पणी करने से नहीं चूकते हैं, जो बिल्कुल अनुचित है।

शेखावत ने शुक्रवार शाम जयपुर एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत की। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के स्टालिन की हिंदी के विरोध में आई प्रतिक्रिया पर शेखावत ने कहा कि हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा है। इस पर सवाल उठाना ठीक नहीं है। जो लोग सवाल उठा रहे हैं, उनको पहले हिंदी के विषय में जानना चाहिए। हिंदी पूरे देश को एकता के सूत्र में बांधने वाली भाषा है। मां भारती के भाल की बिंदी है। देश के 140 करोड़ लोगों के लिए गर्व का विषय है कि हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा है। उस पर इस तरह की टीका-टिप्पणी नहीं होनी चाहिए। स्थानीय लोगों की भावनाओं को उकसाना गलत है।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि जिस देश के लोकतंत्र को 75 साल हो गए हों, उस देश में न तो ऐसे विषयों के लिए कोई स्थान होना चाहिए और न ही ऐसी भाषा बोलने वाले लोगों के प्रति कोई आस्था और श्रृद्धा होनी चाहिए।

ऑपरेशन नॉकआउट: जयपुर ग्रामीण पुलिस ने एक करोड़ 40 लाख की शराब एवं स्मैक पकड़ी

जब्त पंजाब निर्मित अवैध शराब गुजरात तस्करी की जा रही थी

जयपुर ग्रामीण जिले में तस्करी की जा रही अवैध शराब जब्त की।

जयपुर। जयपुर ग्रामीण जिले में अवैध मादक पदार्थ एवं शराब तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे ऑपरेशन नॉकआउट के तहत दूदू, मौखमपुरा एवं फुलेरा थना इलाके में बड़ी कार्रवाई कर करीब 1 करोड़ 40 लाख रुपए कीमत की पंजाब निर्मित अवैध शराब व स्मैक जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। जिले की दूदू थाना पुलिस ने 60 लाख रुपये कीमत की 742 कार्टून शराब सहित ट्रक जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया, वहीं मौखमपुरा पुलिस ने 80 लाख रुपए कीमत की 841 कार्टून शराब सहित ट्रक जब्त किया है। फुलेरा पुलिस ने 3.47 ग्राम स्मैक के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उप-महानिरीक्षक (सह-पुलिस अधीक्षक) जयपुर ग्रामीण आनन्द शर्मा ने बताया है कि जिले में ऑपरेशन नॉकआउट चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस की विशेष टीमें गठित कर थाना दूदू, मोखमपुरा एवं फुलेरा क्षेत्र में यह कार्रवाई की गई।

दूदू पुलिस ने 80 लाख की कीमत की अवैध शराब की जब्त

कांस्टेबल किशन लाल की सूचना पर एसएचओ दूदू मुकेश कुमार मय टीम द्वारा एनएच 48 पर दांतरी गांव के पास स्थित होटल जयपुर प्लाजा पर दबिश देकर वहां खड़े एक ट्रक से पुराने कपड़ों की कतरन की गांठों के नीचे छुपा कर रखी पंजाब निर्मित विभिन्न ब्राण्ड की अवैध अंग्रेजी शराब व बीयर के कुल 821 कार्टून जब्त कर अज्ञात आरोपी चालक के खिलाफ आबकारी एक्ट में प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। जब्त शराब की कीमत करीब 80 लाख रुपए आंकी गई है। थाना मौखमपुरा पुलिस ने 60 लाख की शराब के साथ एक आरोपी को पकड़ा। एसएचओ मौखमपुरा संजय मीणा को सूचना मिली कि अवैध शराब लेकर एक ट्रक हरियाणा से गुजरात की तरफ जा रहा है, इस पर टीम ने अजमेर जाने वाले रोड पर ट्रक का पीछा कर महला पुलिया के पास नाकाबन्दी कर ट्रक रुकवाया।

सरवाना में चोरी की वारदात का पर्दाफाश

जालोर, 28 फरवरी (कासं)। जालोर जिले के सरवाना पुलिस ने शुक्रवार का बालेरा में हुई दो नकबजनी की वारदातों का पर्दाफाश कर आरोपी को गिरपतार किया। चोरी किये गये 300 ग्राम सोने के गहनों को गोल्ड लॉन कम्पनी की शाखा राह गुजरात में फ्रीज करवाया गया। तथा 2.500 किलोग्राम चांदी के गहनों को जब्त किया।

जालोर जिले के सरवाना पुलिस थानाधिकारी सुरजभानसिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने मुखबिर तन्त्र व तकनीकी/सीसीटीवी फुटेज के आधार पर तलाश करते हुए उक्त प्रकरण में अज्ञात अभियुक्त दीपक कुमार पुत्र श्री मोहनलाल जाति पुरोहीत निवासी बालेरा को गिरफ्तार किया गया।

पुराराम पुत्र धर्माराम जाति पुरोहीत निवासी बालेरा ने 22 फरवरी को थाना पर उपस्थित होकर एक लिखित रिपोर्ट पेश की कि उसका बालेरा गांव स्थित सूने मकान में अज्ञात मुलजिम द्वारा करीब 8-10 दिन पूर्व रात्रि में सोने चांदी के गहने तथा रूपये चुराकर ले गया है। जिस पर प्रकरण दर्ज कर माल मुलजिम एवं पतारसी शुरू की गयी। पुलिस टीम के तुरन्त घटनास्थल का निरीक्षण किया गया। एमओबी टीम द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्यों का संकलन किया गया। आस-पास क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी, आसूचना का संकलन किया गया। आसूचना के आधार पर उक्त घटना में दीपक कुमार को संदिग्ध मानकर उसके लोकेशन को ट्रेस किया गया तो पता चला कि दीपक कुमार गुजरात राज्य की तरफ भागने की फिराक में घूम रहा है।

गंभीर एवं जन्मजात बीमारियों से ग्रस्त बच्चों के लिए जिला प्रशासन की पहल

सीएमएचओ डॉ हेमंत बिंदल ने राजसमंद में गंभीर बीमारियों से ग्रस्त बच्चों से मिल स्वास्थ्य की जानकारी ली।

■ चिन्हित गंभीर बीमारियों से ग्रस्त बच्चों को दिया जा रहा निःशुल्क उपचार

राजसमंद, 28 फरवरी। स्वास्थ्य जागरूकता की कमी, गरीबी और चिकित्सा संस्थानों से दूरी के कारण कई बच्चें समय पर आवश्यक उपचार से वंचित रह जाते हैं। इन परिस्थितियों को देखते हुए जिला कलक्टर बालमुकुंद असावा की पहल पर शाला स्वास्थ्य कार्यक्रम शुरू किया गया। सीएमएचओ डॉ हेमंत बिंदल ने बताया कि जिले के सभी राजकीय विद्यालयों में बच्चों की स्वास्थ्य जांच कर गंभीर बीमारियों से ग्रस्त बच्चों को निःशुल्क विशेषज्ञ उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। सर्वप्रथम शिक्षा विभाग द्वारा स्कूलों में 1 लाख 84 हजार 18० बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिसमें कटे-फटे तालु, हृदय रोग, मोतियाबिंद, मुडे पैर और अन्य जन्मजात बीमारियों से ग्रस्त बच्चों की पहचान की गई। इन बच्चों को निकटवर्ती चिकित्सालय में विशेषज्ञ को दिखता गया। अब इनमें स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान 354 बच्चें कटे-फटे तालु, 394 बच्चें हृदय रोग, 3०3 बच्चें मोतियाबिंद एवं नैत्र रोग और 57० बच्चें मुडे पैर एवं अन्य पैरों की बीमारियों से संभावित रूप से ग्रस्त पाए गए। 155 बच्चों को आरके राजकीय जिला चिकित्सालय में विशेषज्ञ परामर्श व उपचार के लिए भेजा गया, जबकि 61 बच्चों को निःशुल्क परिवहन सुविधा के माध्यम से अनंता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में उच्च स्तरीय चिकित्सा सेवाएं प्रदान की गईं। अनंता हॉस्पिटल में 19 बच्चों को ओपीडी परामर्श एवं उपचार दिया गया, जबकि 25 बच्चों को भर्ती कर गहन जांच की गई। इनमें से 5 बच्चों की सफल सर्जरी (क्लबफुट, मोतियाबिंद और कटे-फटे तालु) की गई। वहीं, 11 बच्चों को विशेषज्ञ निगरानी में उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई, जबकि 9 बच्चों का उपचार प्रक्रिया में है।

मेवाड़ के अनदेखे-अनकहे पहलुओं को दिखाएगा 'अनदेखा'

उदयपुर, 28 फरवरी। मेवाड के समृद्ध इतिहास, पुरातत्व, पर्यावरण, शिल्प-संस्कृति के अनदेखे पहलुओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए उदयपुर के दो आर्किटेक्ट्स सुनील एस लढ्डा और प्रियंका कोठारी ने पहल की है और 'अनदेखा' शीर्षक से डॉक्यूमेंटरी का निर्माण किया है।

इसका पहला एपिसोड वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की राजतिलक तिथि 28 फरवरी के अवसर पर राजतिलक स्थल गोगुंदा के इतिहास को समर्पित किया गया है। इस एपीसोड का लोकार्पण राजतिलक तिथि की पूर्व संध्या पर गुरुवार शाम को गोगुंदा के पंचायत समिति सभागार में ग्रामीणों और अतिथियों की मौजूदगी में किया गया।

समारोह में डॉक्यूमेंटरी के पहले एपीसोड का लोकार्पण अतिथि उप प्रधान लक्ष्मण सिंह झाला, पूर्व उप प्रधान पप्पू राणा, गोगुंदा मंडल अध्यक्ष निखिल कोठारी, एडवोकेट खुमाण सिंह राव, एडवोकेट भवानी सिंह मकवाना, पृथ्वीसिंह चदाना, काशी राम सहित प्रबुद्धजनों की मौजूदगी में हुआ।

इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि यह गोगुंदा के लिए गौरव की बात है कि इस धरा पर 28 फरवरी, 1572 को वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप का राजतिलक हुआ था और उन्हीं यादों में कुछ अनदेखी, अनसुनी यादों को इस डॉक्यूमेंटरी के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। वक्ताओं ने महाराणा प्रताप से जुडे स्थलों के संरक्षण-संवर्धन के लिए भी प्रयास करने की अपनी प्रतिबद्धता जताई। डाक्यमेंटरी के पहले एपिसोड के प्रसारण दौरान आर्किटेक्ट सुनील एस लढ्डा और प्रियंका कोठारी ने गोगुंदा के इतिहास के गौरवांवित पलों को उजागर किया और यहां पर राजतिलक स्थल की महत्ता, महादेव की बावडी के महात्म्य, इसके शिल्प-स्थापत्य की बारीकियों के साथ सांस्कृतिक महत्व को एक-एक कर बताया।

इस डॉक्यूमेंटरी में अत्याधुनिक तकनीक एआई का प्रयोग करते हुए न सिर्फ बावडी के प्राचीन स्वरूप को आकर्षक ढंग से उकेरा अपितु इसमें रहट चलाकर और इसकी सीढीयों पर दर्शकों को बैठाकर किसी थियेटर की भांति प्रयोग करके दिखाया तो मौजूद लोग रोमांचित हो उठे। लढ्डा ने बताया कि इस एपीसोड के निर्माण में गांव के प्रबुद्धजनों के साथ इतिहासकार जितेन्द्र सुथार और महाराणा प्रताप के वंशज डॉ. लक्ष्यराजसिंह मेवाड का तथा डॉक्यूमेंटरी निर्माण में फिल्म निर्देशक जितेन्द्र शास्त्री का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होंने बताया कि यह डॉक्यूमेंटरी यूट्यूब पर अनदेखा फॉर यू चैनल पर उपलब्ध है।

समारोह में महेन्द्रसिंह मकवाना, गोगुंदा सीबीईओ प्रेरणा नौसालिया, अतिरिक्त निदेशक डॉ. कमलेश शर्मा, मनीष माली, शिल्पकार हेमंत जोशी, कहानीकार रजत मेघनानी, सुरेश पालीवाल, रिया सोनी, चित्रकार राहुल सोनी, सहित बडी संख्या में प्रबुद्धजन, ग्रामीण और विद्यार्थी मौजूद रहे।

गड्ढे में गिरने की आंशका

गंगापुर सिटी, 28 फरवरी। वजीरपुर बस स्टैंड से बाजार जाने वाले मुख्य मार्ग पर जलदाय विभाग की लापरवाही से लोगों की जान जोखिम में है। विभाग ने पाइपलाइन की मरम्मत के लिए सडक पर गड्ढा खोदा, लेकिन 6 दिन बीतने के बाद भी न तो लीकेज ठीक किया और न ही गड्ढे को भरा। सामाजिक कार्यकर्ता अरविंद शर्मा ने बताया कि गड्ढा मुख्य मार्ग के बीच में है। कई लोगों के वाहन गड्ढे में फंस चुके हैं। कुछ लोग इसमें गिर भी चुके हैं। दिन में तो गड्ढा दिखाई देता है, लेकिन रात में हादसे का खतरा और बढ जाता है। स्थानीय लोगों ने जलदाय विभाग और वजीरपुर नगर पालिका से कई बार शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

वजीरपुर नगर पालिका के अधिकारी नारायण गुप्ता ने कहा कि जलदाय विभाग को नोटिस देकर गड्ढे को भरवाया जाएगा।

रीट परीक्षा के अंतिम दिन 90.66 प्रतिशत रहीं उपस्थिति

राजसमंद, 28 फरवरी। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की रीट 2024 परीक्षा का दूसरे दिन शुक्रवार को एक ही पारी में आयोजित परीक्षा शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हुई। रीट के दूसरे दिन भी कैंडिडेट की कडी जांच की गई। जिला मुख्यालय पर बनाए गए 21 परीक्षा केन्द्रों में से कई जिलों के केन्द्रों पर फेस स्कैनिंग में देरी के कारण लंबी लाइनें नजर आईं।

सख्त जांच के बाद ही कैंडिडेट को एंट्री मिली। रीट के लिए 14 लाख 29 हजार 822 ने आवेदन किया था। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से आयोजित रीट पात्रता परीक्षा के दूसरे दिन शुक्रवार को एक पारी में हुई परीक्षा में 6168 अभ्यर्थियों ने पंजियन कराया उसमें से 5592 यानि कुल 90.66 प्रतिशत परीक्षार्थी शामिल हुए जबकि 576 कैंडिडेट अनुपस्थित रहें। निर्धारित समय से पहले सेंटर के बाहर कैंडिडेट्स पहुंच गए। सुबह 8 बजे से सेंटर पर प्रवेश दिया गया। यहां चेकिंग करने के बाद फेस स्क्रेनिंग व अंगूठा निशानी ली गई। सेंटर पर नौ बजे तक प्रवेश मिला। निर्धारित तय समय के अनुसार ठीक 1० बजे से परीक्षा शुरू हुई। दोपहर साढे 12 बजे परीक्षा खत्म होने के बाद जैसे ही अभ्यर्थी बाहर निकले तो जिनके पैपर अच्छा हुआ वे खुश नजर आए तो जिन अभ्यर्थियों को पेपर आसान नहीं लगा वे उदास नजर आए। जांच के दौरान कैंडिडेट्स के हाथ-पैर में बंधे धागे काटे और ज्वैलरी और जूते भी खुलवाए गए। सेंटर पर पुलिस व सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम देखे गए। बोर्ड के केन्द्रीय कंट्रोल से हर सेन्टर पर सीसीटीवी से नजर रखी गई।

मारपीट के मामले में दो गिरफ्तार

मालपुरा । मालपुरा उपखण्ड क्षेत्र के लाम्बाहरिसिंह थाना क्षेत्र के झाडली गांव में संचालित डेयरी बुथ में घुसकर मारपीट के आरोप में दो जनो को गिरफ्तार किया । मारपीट के समय मौके पर काफी संख्या में लोग एकत्रित हो गये थे।

थानाधिकारी ने बताया कि किशनपुरा निवासी डेयरी बुथ संचालक जयसिंह जाट की और से 13 दिसम्बर 2024 को दी रिपोर्ट मे नामजद लोगो के विरूद्ध बुथ मे घुसकर मारपीट करने का मामला दर्ज करवाया गया था।

मामले मे कार्यवाही करते हुये थाना पुलिस ने दो आरोपी बाबूसिंह पुत्र बजरंग राजपूत निवासी आंटोली व नोरत मल पुत्र रामदेव माली निवासी अंराई को गिरफ्तार किया। मारपीट के मामले में पूर्व मे एक आरोपी राजूलाल गुर्जर को गिरफ्तार किया गया था।

अनुपम खेर की प्रेरणादायक मौजूदगी से दमका गीतांजली सिनेप्स का आयोजन

■ रंगारंग सांस्कृतिक और खेलकूद गतिविधियों का भी आयोजन हुआ

उदयपुर, 28 फरवरी। गीतांजली यूनिवर्सिटी, उदयपुर में आयोजित गीतांजली सिनेप्स -2025 का भव्य आयोजन किया गया। महोत्सव में मेडिकल, पैरामेडिकल, फार्मेसी, डेंटल, फिजियोथेरेपी और नर्सिंग कॉलेज के विद्यार्थियों ने पूरे जोश और उत्साह के साथ भाग लिया। इस दौरान विभिन्न रंगारंग सांस्कृतिक और खेलकूद गतिविधियों का आयोजन किया गया।

फेस्ट के मुख्य आकर्षण के रूप में प्रख्यात अभिनेता अनुपम खेर ने विशेष रूप से शिरकत की। गीतांजली ग्रुप के चेयरमैन जे.पी. अग्रवाल, वाइस चेयरमैन कपिल अग्रवाल, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अंकित अग्रवाल, यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ. राकेश व्यास और रजिस्ट्रार मयूर रावल ने उनका भव्य स्वागत और सम्मान किया। गीतांजली ग्रुप के चेयरमैन जे.पी. अग्रवाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि देश का भविष्य युवाओं के सुरक्षित हाथों में है।

उन्होंने अपने जीवन की सफलताओं और असफलताओं के अनुभव साझा किए, जिससे विद्यार्थियों को प्रेरणा मिली। उन्होंने कहा, सफलता और असफलता दोनों ही जीवन के महत्वपूर्ण पहलू हैं, और असफलता हमें सीखने और आगे बढने का अवसर प्रदान करती है। उन्होंने अनुपम खेर के प्रेरणादायक जीवन यात्रा के बारे में भी चर्चा की और उनके संघर्षपूर्ण जीवन के कई प्रेरणादायक प्रसंग साझा किए। फेस्ट के दौरान अनुपम खेर ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए जीवन में आने वाली चुनौतियों और उनके समाधान पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि वह अपने जीवन को एक फिल्म की तरह देखते हैं और अपने संघर्षों को सकारात्मक दृष्टिकोण से अपनाते हैं। उन्होंने कहा, असफलता एक घटना है, व्यक्ति नहीं। उन्होंने यह भी बताया कि भगवान ने प्रत्येक व्यक्ति को विशेष बनाया है, और खुद को जानना ही सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि आपकी ताकत आपके अन्दर है और भगवान् ने सबको बनाया है। खुद को जानना सबसे जरुरी है।

दो इमारते सीज

उदयपुर। उदयपुर नगर निगम द्वारा लगातार यूडी टैक्स वसूली को लेकर सख्त कार्रवाई लगातार जारी है । शुक्रवार को एक बार फिर से राजस्व शाखा द्वारा दो प्रतिष्ठानों को सीज किया गया। नगर निगम राजस्व अधिकारी नितेश भटनागर ने बताया कि आयुक्त राम प्रकाश के निर्देश पर नगरीय विकास कर वसूलने को लेकर फिर बडी कार्यवाही करते हुए 2 संपतियों को सीज किया गया वही एक प्रतिष्ठान मालिक द्वारा हाथों हाथ नगर निगम टीम को बकाया यू डी टैक्स का चेक सौंपा जिसपर निगम द्वारा सीज की कार्यवाही को रोक दिया गया। शुक्रवार को बोहरा गणेश जी स्थित जय श्री कॉलोनी में बंजारा फिटनेश सेंटर जिसका नगरीय विकास कर कुल 2 लाख 69 हजार 257 रूपये बकाया था जिसे सीज किया गया। बांसवाडा रोड वर्मा कॉलोनी,सविना सेक्टर 9 स्थित संपत्ति जिसका 2लाख 2०हजार 829 रुपए का नगरीय विकास कर बकाया था जिसे भी सीज किया गया।

जनसुनवाई में सांसद के पास आए 60 लोग

सांसद डॉ. रावत ने अधिकारियों को समस्याओं के निवारण के निर्देश दिए

■ प्रतिनिधिमंडल ने गांव चाटपुर में बसों के ठहराव की मांग की

उदयपुर, 28 फरवरी। सांसद मन्नालाल रावत ने शुक्रवार को जिला परिषद स्थित अपने कार्यालय में जन सुनवाई की और जनता के अभाव अभियोग सुने। इस दौरान करीब 60 लोगों ने व्यक्तिगत व प्रतिनिधिमंडल के साथ मिलकर अपनी परिवेदनाएं दी जिनमें से ज्यादातर का मौके पर ही समाधान किया गया। कुछ परिवेदनाओं का समाधान जल्दी करने के लिए सांसद डॉ रावत ने अधिकारियों से फोन पर बात की और तत्काल निवारण के निर्देश दिए।

जनसुनवाई के दौरान शहर के साथ ग्रामीण क्षेत्र से भी प्रतिनिधिमंडल आए। ज्यादातर लोगों की मांग संपर्क सडक निर्माण, स्कूल कक्षा कक्ष, पंचायत के विकास कार्यो, अधिकारियों द्वारा कार्रवाई नहीं करने तथा आवारा कुत्तों को लेकर आई जिन पर कार्रवाई के निर्देश दिए ।

भाजपा छप्पन मंडल सलूंबर के उपाध्यक्ष नारायण सिंह व प्रतिनिधिमंडल ने गांव चाटपुर में बसों के ठहराव की मांग की। उन्होंने बताया कि उदयपुर से बांसवाडा वाया सलूंबर चलने वाली रोडवेज की बसों का ठहराव ग्राम चाटपुर पंचायत खेराड में नहीं होने से ग्रामीणों को परेशानी हो रही है। इस पर सांसद ने कार्यालय से ही अधिकारी से बात कर इसका समाधान तुरंत निकालने के निर्देश दिए। कुंडली, नयागांव व गामडी के लोगों ने कुंडली को ग्राम पंचायत को लेकर मांग पत्र दिया जिसमें उन्होंने बताया कि वर्तमान में यह कराकला पंचायत में है तथा इस राजस्व गांव की जनसंख्या 1126 है जो पंचायत का सबसे बडा गांव है। नयागांव व गामडी भी पास में है जिनको मिलाकर कुंडली पंचायत बनाई जाए। इस पर सांसद ने सरकार को मांग पत्र भेजने का आश्वासन दिया।

छात्रा ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या की

देवली। शहर के एजेंसी एरिया स्थित सरकारी क्वार्टर में एक नाबालिग छात्रा ने फांसी का फंदा लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली।

पुलिस के अनुसार एजेंसी एरिया के गुर्जर मोहल्ला के पास स्थित सरकारी क्वार्टर में महिला कांस्टेबल सुनीता मीणा के साथ उसकी भतीजी अनुष्का पुत्री दुर्गालाल मीणा निवासी दलेलपुरा थाना नैनवा जिला बूंदी भी रहती थी। बताया गया कि वह कक्षा 10 में राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में पढ़ती थी। शाम करीब 5.30 पर थाने पर सूचना मिली कि उसने फंदा लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली है। सूचना पर देवली पुलिस के जाप्ता सरकारी क्वार्टर पहुंचा और मोबाइल यूनिट की सहायता से मौके के फिंगरप्रिंट ओर घटना स्थल के फोटोग्राफी करवाई गई है। घटना की सूचना परिजनों को दे दी गई है।

भारत के हर कोने में सेवाकार्य कर रहा एनएमओ : डॉ. अग्रवाल

उदयपुर । नेशनल मेडिकल ऑर्गेनाइजेशन (एनएमओ) के राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ. पुनीत अग्रवाल ने कहा है कि एनएमओ पूरे भारत में सेवा कार्यों को संचालित कर रहा है।

इनमें नॉर्थ ईस्ट में ऋषि कश्यप यात्रा, कश्मीर में धन्वंतरि यात्रा और विभिन्न क्षेत्रों में सेवा यात्राओं के आयोजन शामिल हैं। वे शुक्रवार को यहां पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। वे यहां नमोकॉन-2025 के सिलसिले में आए हैं।

नमोकॉन-2025 के तहत शुक्रवार को हल्दीघाटी तक साइकिल यात्रा निकाली गई। उद्घाटन समारोह एक मार्च शाम 5 बजे यहां रवीन्द्र नाथ टैगोर आयुर्विज्ञान महाविद्यालय के नवीन सभागार में होगा।

इससे पूर्व पत्रकारों से चर्चा में कहा कि एनएमओ का उद्देश्य चिकित्सा क्षेत्र में सेवा और जनजागृति को बढावा देना है। एनएमओ के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. अश्विनी टंडन ने बताया कि देशभर में 700 से अधिक मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं, जिनमें से लगभग 300 कॉलेजों में एनएमओ विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से सक्रिय है।

केंद्र सरकार की योजनाओं को धरातल पर उतारना हमारा कार्य है : सांसद मेवाड़

सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ में भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित बैठक को सम्बोधित किया।

राजसमंद, 28 फरवरी। भाजपा में मंडल अध्यक्ष की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण मानी जाती है और आप सभी के योगदान के बिना केंद्र सरकार की योजनाओं को धरातल पर नही उतारा जा सकता।

इसलिए सर्वप्रथम हमारे को केंद्र को योजनाओं का ज्ञान होना अतिआवश्यक है उसके बाद ही हम इन योजनाओं को लेकर के धरातल पर जनता के बीच जाकर के उनका क्रियान्वयन कर सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बहुत सी योजनाएं देश की जनता के लिए लागू की है, लेकिन जनता के पास उन योजनाओं की पूर्ण जानकारी नही होने पर उनका सही से लाभ नही उठा पाते है। इसलिए हम सभी को यह जिम्मेदारी निभानी है और अधिक से अधिक योजनाओं को जनता तक पहुंचाने का कार्य करें। जिला मीडिया प्रभारी अरविंद सिंह भाटी ने बताया कि यह विचार सांसद महिमा कुमारी ने भाजपा जिला कार्यालय पर सभी मंडल अध्यक्षो की बैठक में व्यक्त किए। भाजपा जिलाध्यक्ष जगदीश पालीवाल ने कहा कि सत्ता और संगठन दोनों ही एक सिक्के के दो पहलू है। हम सभी संगठन पदाधिकारी होने के नाते हमारी यह जिम्मेदारी बनती है कि जनता की हर सुख दुख व समस्याओं को हल करना हमारी जिम्मेदारी बनती है। हम सभी हमेशा जनता के बीच में रह कर के कार्य करने वाले है और जनता का हमारे ऊपर पूर्ण विश्वास है जिसको हमें विश्वास बनाए हुए जनता की सेवा करनी है। इस अवसर पर सभी मंडल अध्यक्ष ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

फायरिंग व मारपीट का आरोपी गिरफ्तार

गंगापुर सिटी। जयपुर रोड पर देवनारायण मंदिर के पास जनवरी महीने हुई फायरिंग की घटना में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही एक नाबालिग को भी हिरासत में लिया है। एसपी ममता गुप्ता के निर्देश पर की गई कार्रवाई में विशाल गुर्जर (2०) को गिरफ्तार किया गया है। विशाल बामनवास थाना क्षेत्र के खेडली का रहने वाला है। इसके अलावा एक नाबालिग को भी हिरासत में लिया गया है। घटना 2० जनवरी की रात करीब 1० बजे की है। जयपुर रोड स्थित देवनारायण मंदिर के सामने आरोपियों ने मयंक भारद्वाज पर अवैध हथियार से फायर किया। उनके साथी यश अवस्थी पर सरिए और लाठी-डंडों से हमला किया। दोनों युवक गंगापुर सिटी के रहने वाले हैं। हमले के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए थे। पीडित मयंक भारद्वाज की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की। मामले में धारा 115(2), 126(2), 19०, 191(2), 191(3), 1०9(1) भारतीय न्याय संहिता और आर्म्स एक्ट की धारा 3/25 के तहत मामला दर्ज किया गया।

न्यायाधीश ने किया बाल संप्रेक्षण गृह का मासिक निरीक्षण

■ उपलब्ध संसाधनों, स्टाफ व्यवस्था आदि के बारे में जानकारी ली

राजसमंद, 28 फरवरी। जिला प्राधिकरण अध्यक्ष एवं जिला एवं सेशन न्यायाधीश राघवेन्द्र काछवाल के आदेशानुसार प्राधिकरण सचिव एवं अपर जिला न्यायाधीश संतोष अग्रवाल ने शुक्रवार को राजकीय किशोर एवं बाल संप्रेक्षण गृह का मासिक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अग्रवाल ने गृह की आधारभूत संरचना एवं उपलब्ध संसाधनों, स्टाफ व्यवस्था, प्रकरणों की स्थिति आदि के बारे में जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के समय कुल 24 बालक आवासरत पाए गए किशोरों से वार्ता की गई सभी ने अपने मामलों में अधिवक्ता द्वारा पैरवी किया जाना बताया। गृह की सफाई व्यवस्था संतोषजनक पाई गई। भोजन व्यवस्था के प्रति बालकों ने संतोष व्यक्त किया। मीनू अनुसार बालकों को भोजन दिया जाना सुनिश्चित करवाने के निर्देश दिए गए। बालकों का स्वास्थ्य परीक्षण 21 फरवरी 2०25 को करना बताया। सभी बालक स्वस्थ हैं।

शिशु गृह का मासिक निरीक्षण

प्राधिकरण सचिव संतोष अग्रवाल ने राजकीय शिशु गृह का मासिक निरीक्षण कर सफाई, आवास एवं अन्य व्यवस्थाओं का आकलन किया गया। अग्रवाल ने बताया कि निरीक्षण के समय गृह में ०1 शिशु आश्रयरत पाया गया। गृह में बालक-बालिकाओं को अलग से रखने की व्यवस्था है, गृह में सुरक्षा के लिए अग्निशमन यंत्र लगा हुआ है गृह में आवक-जावक रजिस्टर उपलब्ध है। गृह में स्नानघर, शौचालय व रसोईघर उपलब्ध है। डॉ सारांश सबंल द्वारा 18 फरवरी 2०25 को शिशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा टीकाकरण समय अनुसार पूर्ण होना बताया। शिशु गृह की सफाई व्यवस्था संतोषजनक पाई गई। गृह में शिशुओं के उपयोग के लिए पर्याप्त मात्रा में राशन, कपडे व अन्य दैनिक उपयोग में आने वाली वस्तुएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होना बताया। पालना गृह कार्यशील अवस्था में पाया गया। इस दौरान समन्वयक प्रकाशचन्द्र सालवी उपस्थित थे।

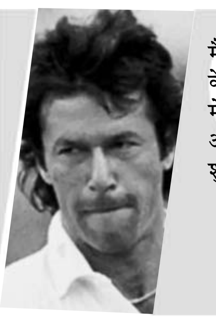

मैं चैम्पियंस ट्रॉफी में अपने देश की क्रिकेट टीम के प्रदर्शन से दुखी हूं। मेजबान पाकिस्तान कराची में न्यूजीलैंड और दुबई में भारत से हार के बाद आठ टीमों की चैंपियन्स ट्रॉफी से बाहर होने वाली शुरुआती टीमों में शामिल रहा। - इमरान खान

पूर्व क्रिकेटर, अपनी बहन अलीमा खान को अपना संदेश बताया।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

यूनुस खान

पूर्व पाकिस्तानी खिलाड़ी यूनुस खान इस समय चैंपियंस ट्रॉफी में अफगानिस्तान टीम के साथ मेंटर के रूप में काम कर रहे हैं। पूर्व पाक विकेटकीपर बल्लेबाज ने बताया है कि यूनिस ने पाकिस्तान टीम के साथ टूर्नामेंट में काम करने से मना कर दिया था। साथ ही उन्होंने इसकी वजह भी बताई है।लतीफ ने कहा कि यूनिस के इस फैसले में पैसा सबसे बड़ी वजह है। उनका मानना है कि पाकिस्तान क्रिकेट में ज्यादा आर्थिक लाभ नहीं है। यूनुस की कप्तानी में पाकिस्तान टीम टी20 वर्ल्ड कप जीत चुकी है। उनको चैंपियंस ट्रॉफी से पहले अफगानिस्तान टीम का मेंटर चुना गया था।

क्या आप जानते हैं ?... पुरुष हॉकी विश्व कपका उद्घाटन संस्करण साल 1971 में स्पेन के बार्सिलोना में आयोजित किया गया था।

कल्याणी एकेडमी 92 रन से जीती

जयपुर, 28 फरवरी। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27 वीं नवीन-नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज नैना क्रिकेट ग्राउण्ड जगतपुरा पर खेले गये पूल-ए के मैच में कल्याणी क्रिकेट एकेडमी ने अखिलेश सिनसिनवार 89 रन नाबाद (33 गेंद, 5 चौके, 9 छक्के) व 8 रन पर 2 विकेट के ऑलराउण्ड प्रदर्शन, सौरव सिंह 52 रन (23 गेंद 8 चौके, 3 छक्के) की अर्द्धशतक की पारी तथा जतिन मोटवानी 24 रन पर 3 विकेट की शानदार गेंदबाजी की बदौलत बिमल क्रिकेट एकेडमी को 92 रन से हराकर दो अंक अर्जित किये। सुबह कल्याणी क्रिकेट एकेडमी ने टोस जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया सौरव सिंह 52 रन (23 गेंद 8 चौके, 3 छक्के), अखिलेश सिनसिनवार 89 रन नाबाद (33 गेंद, 5 चौके, 9 छक्के) तथा दीपक 40 रन की मदद से निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट पर 217 रन बनाए। गेंदबाजी में बिमल क्रिकेट एकेडमी की ओर से अमन पारीक 22 रन पर 4 विकेट, अंकित 31 रन पर 2 विकेट तथा अमनदीप सिंह 38 गेंद पर 1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे। जवाबी पारी में बिमल क्रिकेट एकेडमी के अल्सेफ अली 29 रन, सद्दाम अंसारी 17 रन, कुलदीप सिंह 17 रन को छोड़कर बिमल क्रिकेट एकेडमी का कोई भी बल्लेबाज कल्याणी क्रिकेट एकेडमी के गेंदबाजों जतिन मोटवानी 24 रन पर 3 विकेट, अखिलेश सिनसिनवार 8 रन पर 2 विकेट, प्रवीण चौधरी, मदन राठौड़ व सौरव सिंह प्रत्येक 1-1 विकेट की गेंदबाजी के समक्ष बिमल क्रिकेट एकेडमी की पूरी टीम 20 ओवर में मात्र 125 रन पर सिमट गई और कल्याणी एकेडमी की टीम 92 रन से मैच जीत गई। मैन ऑफ दा मैच अखिलेश सिनसिनवार 89 रन व 8 रन पर 2 विकेट कल्याण क्रिकेट एकेडमी रहे।

विराट कोहली की नजरें सचिन तेंदुलकर के महारिकॉर्ड पर

दुबई, 28 फरवरी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के आखिरी लीग मुकाबले में भारत और न्यूजीलैंड आपस में भिड़ेंगे। भारत पहले ही सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुका है लेकिन वह अजेय रहकर नॉकआउट में जाना चाहेंगे। इस मैच में विराट कोहली पर भी नजरें होंगी। कोहली के पास मौका है कि वह इस मैच में रिकॉर्ड अपने नाम कर सकते हैं। साथ ही सचिन तेंदुलकर, महेंद्र सिंह धोनी के क्लब में शामिल होने का भी मौका होगा।विराट कोहली को अगर न्यूजीलैंड के खिलाफ मौका मिलता है तो ये उनके करियर का 300वां वनडे मुकाबला होगा। कोहली उन चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल होंगे जिन्होंने भारत के लिए 300 से ज्यादा वनडे मैच खेले हैं। कोहली 300 क्रिकेट मैच खेलने वाले सातवें खिलाड़ी हैं। उनसे पहले सचिन तेंदुलकर, एमएस धोनी, राहुल द्रविड़, मोहम्मद अजहरुद्दीन, सौरव गांगुली और युवराज सिंह ऐसा कर चुके हैं। विराट कोहली के पास न्यूजीलैंड के खिलाफ 3000 अंतरराष्ट्रीय रन बनाने का मौका है। कोहली अगर दुबई में रविवार को 85 रन बनाते हं तो उनके भी न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 हजार रन पूरे हो जाएंगे। वह भारत के केवल दूसरे ही ऐसे खिलाड़ी होंगे जिन्होंने कीवी टीम के खिलाफ 3 हजार रन बनाए। सचिन ने इस टीम के खिलाड़ी 3345 रन बनाए थे। वहीं रिकी पोंटिंग, जैक कालिस और जो रूट भी इस क्लब में शामिल हैं।कोहली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 55 मैचों में 2915 रन बनाए हैं। इसमें वह 9 शतक और 15 अर्धशतक भी लगा चुके हैं। कोहली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना पिछला मैच वानखेड़े स्टेडियम में खेला था। वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल मैच में कोहली ने 117 रन बनाए थे।

हिन्दुस्तान और नेशनल यूनाइटेड की आकर्षक जीत

नई दिल्ली, 28 फरवरी। डीएसए प्रीमियर लीग में नेशनल यूनाइटेड स्पोर्ट क्लब ने शुक्रवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए भारतीय वायु सेना को 3-2 से हरा कर पूरे अंक अर्जित किए। आज यहाँ नेहरू स्टेडियम परिसर में खेले गए कांटे के मुकाबले में विजेता के लिए युमनाम गोपी सिंह ने दो शानदार गोल जमाए। एक गोल विल्बर्ट मेते ने किया । वहीं पराजित वायुसेना के गोल मनदीप सिंह और समुएल वंकल्पेका ने किए दिन के दूसरे मुकाबले में हिंदुस्तान ने एक और बेहतरीन प्रदर्शन के साथ तरुणसंघा को प्लेयर ऑफ द मैच के लालरोशंगा के गोल से 1-0 से हराया। एक अन्य मुकाबले में नेशनल और हिंदुस्तान ने पिछले कुछ प्रदर्शनों को भुला कर जीत का सिलसिला बनाए रखा है। पिछले मुकाबले में हिन्दुस्तान ने पिछली विजेता गढ़वाल हीरोज पर शानदार जीत दर्ज की और आज तरुणसंघा को भी पीट कर वाह वाह लूटी। नेशनल की जीत का हीरो एक बार फिर गोपी सिंह रहे।

चैम्पियंस ट्रॉफी : बारिश के कारण ऑस्ट्रेलिया-अफगानिस्तान मैच बेनतीजा

दोनों को एक-एक मिले, ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल में पहुंचा

लाहौर, 28 फरवरी। ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल में पहुंचा बारिश के कारण मैच बेनतीजा होने से दोनों टीमों को एक-एक अंक मिले हैं। ऑस्ट्रेलिया के पास कुल 4 अंक हो गए हैं। ऐसे में टीम सेमीफाइनल में पहुंच गई है।इंग्लैंड-साउथ अफ्रीका मैच पर निर्भर अफगानिस्तानअफगानिस्तान के पास 3 अंक हैं।

साउथ अफ्रीका के पास भी 3 अंक हैं। हालांकि नेट रन रेट में अफ्रीका आगे है। यदि साउथ अफ्रीका अगला मैच जीत जाती है तो अफगानिस्तान बाहर हो जाएगी। वहीं, अफ्रीका के बड़े अंतर से हारने पर अफगानिस्तान टॉप-4 में पहुंच जाएगी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में ऑस्ट्रेलिया-अफगानिस्तान मैच बारिश के कारण बेनतीजा रहा है। इससे ऑस्ट्रेलियाई टीम 16 साल बाद इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गई है। वहीं, अफगानिस्तान की उम्मीदें शनिवार को कराची में होने वाले इंग्लैंड-साउथ अफ्रीका मैच पर टिक गई हैं।

शुक्रवार को लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में अफगानिस्तान ने बैटिंग चुनी और 273 रन पर ऑलआउट हो गई। सेदिकुल्लाह अटल ने 85 और अजमतुल्लाह ओमरजई ने 67 रन बनाए। बेन ड्वारशस ने 3 विकेट लिए। 274 रन का टारगेट चेज कर रही ऑस्ट्रेलिया ने एक विकेट पर 109 रन बनाए थे। तभी बारिश आ गई और खेल रोकना पड़ा। ट्रैविस हेड 40 बॉल पर 59 और कप्तान स्टीव स्मिथ 22 बॉल पर 19 रन बनाकर नाबाद रहे।

भारत और पाकिस्तान के बीच कब खेली जाएगी बाइलेट्रल सीरीज

जब तक सीमा पर शांति नहीं हो जाती, तब तक द्विपक्षीय क्रिकेट नहीं हो सकती : गावस्कर

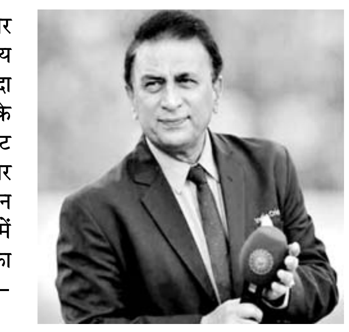

नई दिल्ली, 28 फरवरी। भारत और पाकिस्तान के बीच आखिरी द्विपक्षीय सीरीज खेले हुए एक दशक से भी ज्यादा का समय हो गया है। राजनीतिक मसलों के कारण से ये दोनों टीमें बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट में ही एक दूसरे के खिलाफ खेलती नजर आती है। वहीं इंडिया वर्सेस पाकिस्तान आखिरी द्विपक्षीय सीरीज 2012-13 में खेली गई थी जिस पाकिस्तान ने भारत का दौरा किया था, वहीं टीम इंडिया तो 2005-06 में आखिरी बार पाकिस्तान गई थी।

हालांकि, पाकिस्तान अक्सर भारत के खिलाफ द्विपक्षीय सीरीज खेलने की इच्छा जताता रहा है लेकिन भारत की ओर से कभी भी इसका जवाब नहीं दिया गया। इसका मुख्य कारण बॉर्डर पर अशांति है। जब टीम इंडिया के लीजेंड सुनील गावस्कर से इस बारे में सवाल किया गया तो जानें उन्होंने क्या जवाब दिया।सुनील गावस्कर से हाल ही में स्पोर्ट्स सेंट्रल पर पाकिस्तानी क्रिकेट शो ड्रेसिंग रूम में ये सवाल पूछा गया था और उन्होंने कहा कि जब तक सीमा पर शांति नहीं हो जाती, तब तक द्विपक्षीय क्रिकेट संबंधों की बहाली पर बात नहीं हो सकती।

सुनील गावस्कर ने कहा कि, सच कहूं तो जब बॉर्डर पर शांति होगी। अगर बॉर्डर पर शांति है, तो मुझे लगता है कि दोनों सरकारें निश्चित रूप से कहेंगी, देखिए ठीक है हमारे यहां कोई घटना नहीं हुई बिल्कुल भी नहीं। तो चलिए कम से कम बाचतीत से शुरुआत करते हैं। गावस्कर ने आगे कहा कि, मुझे पूरा यकीन है कि कुछ बैक-चैनल कनेक्शन चल रहे होंगे। लेकिन आप देखना चाहते हैं कि जमीन पर जमीन से बाहर क्या हो रहा है, क्योंकि हम घुसपैठ के बारे में सुनते हैं। यही कारण है कि भारतीय सरकार कह रही है। देखिए शायद जब त ये सब बंद नहीं हो जाता, हमें कुछ भी करने या बात करने के बारे में सोचना भी नहीं चाहिए।

जोस बटलर ने इंग्लैंड की कप्तानी छोड़ी

नई दिल्ली, 28 फरवरी। इंग्लैंड के जोस बटलर ने वनडे और टी-20 फॉर्मेट से टीम की कप्तानी छोड़ दी है। चैंपियंस ट्रॉफी में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद बटलर ने यह फैसला लिया। वे शनिवार को कराची में साउथ अफ्रीका के खिलाफ होने वाले गुप स्टेज मैच में आखिरी बार टीम की कमान संभालेंगे। बटलर ने मैच से पहले शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कप्तानी छोड़ने की बात कही।

इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ने जीता अंतर कॉलेज महिला हॉकी खिताब

नई दिल्ली, 28 फरवरी। इंदिरा गांधी इंस्टीट्ययूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज ने फाइनल में जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज (जेडीएमसी) पर 4-0 की शानदार जीत के साथ अंतर कॉलेज महिला हॉकी चैंपियनशिप का खिताब जीता। श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज द्वारा आयोजित टूर्नामेंट में इंदिर गांधी इंस्टीट्ययूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोट्स साइंसेज ने विवेकानंद कॉलेज के खिलाफ शुरुआत मैच में 2-0 से जीत दर्ज की, मैत्री कॉलेज को 6-0 से हराया, और मेजबान एसपीएम कॉलेज के खिलाफ सेमीफाइनल में संघर्षपूर्ण 1-0 से जीत दर्ज की। सोमवती, हेमा, पिंकी और आंचल ने एक-एक गोल किया, और आक्रामक आक्रमण और मजबूत रक्षा के मिश्रण से टीम की जीत पक्की कर दी। विशेष प्रशिक्षण सत्रों के माध्यम से खिलाड़ियों के साथ प्रोफेसर सरिता त्यागी के समर्पित प्रयासों ने उनके तकनीकी कौशल और मानसिक लचीलेपन को काफी बढ़ाया, जिसने टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आईपीएल और पाकिस्तान सुपर लीग का होगा टकराव!

पीसीबी ने जारी किया पाक सुपर लीग का शेड्यूल

नई दिल्ली, 28 फरवरी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पाकिस्तान सुपर लीग का शेड्यूल जारी किया है। जहां 11 अप्रैल सो इस लीग का आगाज हो रहा है। वहीं पाकिस्तान सुपर लीग का फाइनल 18 मई को खेला जाएगा। जबकि आईपीएल का आगाज 22 मार्च से हो रहा है। इस टूर्नामेंट का फाइनल 25 मई को खेला जाएगा। बहरहाल, पाकिस्तान सुपर लीग के पहले मैच में डिफेंडिंग चैंपियन इस्लामाबाद यूनाइटेड के सामने लाहौर कलंदर्स की चुनौती होगी। दोनों टीमें रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में आमने-सामने होंगी। इस सीजन पाकिस्तान सुपर लीग में कुल 30 मुकाबले खेले जाएंगे।इस सीजन पीएसएल में क्वॉलीफायर, एलिमिनेटर-1 और एलिमिनेटर-2 क्रमश: 13 मई, 14 मई और 16 मई को खेला जाएगा। इससे पहले ग्रुप स्टेज में कुल 30 मुकाबले होंगे। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में 18 मई को फाइनल खेला जाएगा। इसके अलावा रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में 11 मुकाबले खेले जाएंगे। जबकि लाहौर का गद्दाफी स्टेडियम 13 मैचों की मेजबानी करेगा। रावलपिंडी और लाहौर के अलावा कराची और मुल्तान में 5-5 मुकाबले खेले जाएंगे। वहीं इस दौरान भारत में आईपीएल का 18वां सीजन खेला जाएगा। आईपीएल का आगाज 22 मार्च से हो रहा है। इस टूर्नामेंट का फाइनल 25 मई को खेला जाएगा। पाकिस्तान सुपर लीग के चीफ एक्जीक्यूटीव ऑफिसर सलमान नसीर ने कहा कि हमें पाकिस्तान सुपर लीग के 10वें सीजन का शेड्यूल जारी करते हुए बेहद खुशी हो रही है। पिछले तकरीबन 10 सालों में पाकिस्तान सुपर लीग ने वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। इस टूर्नामेंट ने पाकिस्तान के कई प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को मंच दिया है। सलमान नसीर ने आगे कहा कि इस सीजन फैंस महज बड़े इंटरनेशनल खिलाड़ियों को ही नहीं देखेंगे बल्कि कराची, मुल्तान, लाहौर और रावलपिंडी में कुल 34 बेहतरीन मुकाबले देख पाएंगे।

हॉकी इंडिया ने सीनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में 'प्रमोशन' और 'रेलीगेशन' प्रणाली शुरू की

नई दिल्ली, 28 फरवरी। हॉकी इंडिया ने एक से 12 मार्च तक पंचकूला में होने वाली सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए प्रमोशन और रेलीगेशन प्रणाली के साथ शुक्रवार को यहां एक नया प्रारूप पेश किया। प्रतियोगिता में 28 टीमें भाग लेंगी जो 'ए', 'बी' और 'सी' नामक तीन डिवीजन में विभाजित होंगी। नए प्रारूप का उद्देश्य प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना है जिसमें टीमों को उनके प्रदर्शन के आधार पर शीर्ष डिवीजन तक पहुंचने (प्रमोशन) या निचली डिवीजन में खिसकने (रेलीगेशन) का प्रावधान होगा। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, " प्रमोशन और रेलीगेशन प्रणाली की शुरुआत देश भर में हॉकी प्रदर्शन के स्तर को ऊपर उठाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।'' उन्होंने कहा, ''इस प्रणाली में चैंपियनशिप में हर मैच का महत्व सुनिश्चित होगा चाहे वह खिताब के लिए मुकाबलाहो या रेलीगेशन से बचने के लिए। हम एक रोमांचक टूर्नामेंट की प्रतीक्षा कर रहे हैं जहां टीमें अपने कौशल का प्रदर्शन कर सकें और शीर्ष पर पहुंचने का लक्ष्य रखें।

न्यूजीलैंड के विरुद्ध कौन करेगा टीम इंडिया की कप्तानी

रोहित शर्मा की चोट ने बढ़ाई टेंशन

दुबई, 28 फरवरी। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में टीम इंडिया का अगला मुकाबला न्यूजीलैंड से 2 मार्च को है। भारत सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुका है ऐसे में ये मैच सिर्फ एक औपचारिकता ही है। ऐसे में हैमस्ट्रिंग इंजरी से जूझ रहे रोहित शर्मा को इस मैच के लिए आराम दिया जा सकता है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार टीम मैनेजमेंट इस मुद्दे पर विचार भी कर रहा है। भारत का सेमीफाइनल मुकाबला 4 मार्च को होगा। ऐसे में टीम मैनेजमेंट रोहित शर्मा पर कम से कम दबाव बनाना चाहेगी। अगर रोहित शर्मा को न्यूजीलैंड के खिलाफ रेस्ट दिया जाता है तो शुभमन गिल उनकी जगह कप्तानी कर सकते हैं। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए शुभमन गिल को रोहित शर्मा को डिप्टी यानी टीम का उपकप्तान चुना गया है। पाकिस्तान के खिलाफ मैच के दौरान जब रोहित शर्मा चोटिल होने के बाद मैदान छोड़कर गए थे तो कुछ देर के लिए गिल ने ही टीम की कमान संभाली थी। हालांकि, कुछ देर बाद ही रोहित वापस मैदान पर आ गए थे। लेकिन वह 100 प्रतित फिट नहीं दिखाई दे रहे थे। रिपोर्ट्स के अनुसार रोहित शर्मा और शुभमन गिल दोनों ने ही बुधवार को हुए बैटिंग प्रैक्टिस सेशन में हिस्सा नहीं लिया था। चोटिल होने के कारण रोहित की जगह गिल अच्छा महसूस नहीं कर हे थे।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबले में कैसी होगी दुबई की पिच

गेंदबाज या बल्लेबाज किसे मिलेगा फायदा!

दुबई, 28 फरवरी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के ग्रुप-ए में भारत और न्यूजीलैंड की टीमें सेमीफाइनल में अपनी जगह बना चुकी है। वहीं अब इन दोनों टीमों के बीच 2 मार्च को औपचारिक मुकाबला खेला जाएगा। ये भिड़ंत दुबई में होनी है, जहां अब तक एक बार भी किसी टीम का स्कोर 250 रन से ऊपर नहीं गया है। एक तरफ लाहौर में रनों की बारिश हो रही है। दूसरी ओर दुबई में बल्लेबाजों को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ा है। बता दें कि, भारत और न्यूजीलैंड में जीतने वाली टीम ग्रुप-ए में पहले स्थान पर फिनिश करेगी। दुबई की पिच को बहुत धीमा माना जाता है। आमतौर पर यहां स्पिन गेंदबाजों को मदद मिलती है। हालांकि, पिछले दो मैचों में भारत के तेज गेंदबाजों ने यहां 11 विकेट चटकाए हैं। दुबई में खेले गए पिछले 5 वनडे मैच की बात करें तो चार मौकों पर चेज करने वाली टीम विजयी रही है। इस मैदान पर कुल रिकॉर्ड पर नजर डालें तो यहां 22 बार पहले बल्लेबाजी और 36 मौकों पर चेज करने वाली टीम विजयी रही है। पिछले मैचों में तेज गेंदबाजों को नई गेंद से हल्की स्विंग भी मिली है। ऐसे में मोहम्मद शमी भी कहर बरपाते हुए नजर आ सकते हैं। दुबई मैदान की बात करें तो भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रोहित शर्मा हैं। कप्तान रोहित अब तक इस मैदान पर 7 मैचों में 75.60 के शानदार औसत से 378 रन बना चुके हैं। विराट कोहली इस मैदान पर अब तक 2 ही मैच खेल सके हैं। जिनमें उन्होंने 122 रन बनाए हैं। भारतीय टीम को कभी भी दुबई में किसी वनडे मैच में हार नहीं मिली है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ बड़ा रिकॉर्ड बना सकते है मोहम्मद शमी

अनिल कुबले को पछाड़ने का सुनहरा मौका

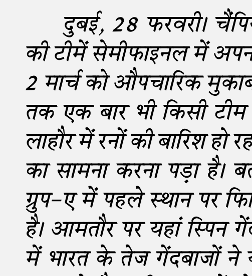

दुबई, 28 फरवरी। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के पास न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच में मौका होगा कि वह एक रिकॉर्ड लिस्ट में अनिल कुंबले को पछाड़ सकते हैं। चैंपियंस ट्रॉफी में भारत का ग्रुप स्टेज को अंतिम मुकाबला 2 मार्च को न्यूजीलैंड के साथ खेला जाएगा। शमी ने टूर्नामेंट के पहले मैच में बांग्लादेश के खिलाफ 5 विकेट चटकाए थे। उम्मीद है कि वह न्यूजीलैंड के खिलाफ भी बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे। टीम इंडिया और न्यूजीलैंड चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुकी है लेकिन फिर भी ये मैच सेमीफाइनल के लिहाज से अहम है। दरअसल, इसी मैच के बाद तय होगा कि भारत का मैच सेमीफाइनल में किस टीम के साथ होगा।न्यूजीलैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज जवागल श्रीनाथ हैं। उनके नाम 51 विकेट हैं। उनके बाद दूसरे नंबर पर 39 विकेटों के साथ अनिल कुंबले हैं। लेकिन इस मैच में 3 विकेट लेकर शमी अनिल कुंबले को पछाड़ सकते हैं।लिस्ट में तीसरे नंबर पर मोहम्मद शमी हैं, जिनके नाम 37 विकेट हैं। अगर वह 2 मार्च को 2 विकेट लेते हैं तो कुंबले की बराबरी करेंगे और अगर 3 विकेट चटकाते हैं तो कुंबले को पछाड़कर न्यूजीलैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय गेंदबाज बन जाएंगे।शमी ने बांग्लादेश के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी के पहले मैच में 5 विकेट लिए थे। हालांकि, पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे मैच में वह कोई विकेट नहीं ले सके थे। शमी के वनडे करियर की बात करें तो उन्होंने 105 मैचों में 202 विकेट झटके हैं।

द. अफ्रीका शीर्ष और इंग्लैंड प्रतिष्ठा के लिए खेलेगा

कराची, 28 फरवरी। चैंपियंस ट्रॉफी के शनिवार को इंग्लैंड के साथ होने वाले ग्रुप बी के अपने आखिरी मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका शीर्ष पर रहते हुए अपनी स्थिति मजबूत करने उतरेगा। वहीं इंग्लैंड दाव में लगी प्रतिष्ठा के लिए खेलेगा। अफगानिस्तान पर 107 रनों की शानदार जीत दर्ज करने के बाद दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरा मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था। इसके बावजूद मजबूत नेट रन रेट के साथ उसने सेमीफाइनल में अपनी जगह लगभग पक्की कर ली है। इस बीच इंग्लैंड का टूर्नामेंट में निराशाजनक अभियान जारी रहा उसे ऑस्ट्रेलिया से पांच विकेट और अफगानिस्तान से आठ रनों से हार का सामना करना पड़ा, जिससे कारण वह टूर्नामेंट से बाहर हो गया। कराची में पहले ही दो मैच खेल चुके दक्षिण अफ्रीका ने टूर्नामेंट में अपनी शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए 352 और 315 रनों का स्कोर खड़ा किया था।

जयपुर एलीट फुटबाल क्लब ने एसल फुटबाल क्लब को 11-0 से हराया

जयपुर, 28 फरवरी। राजस्थान फुटबॉल संघ के तत्वाधान में सुबोध स्कूल में जारी आर लीग यूथ अंडर-13 फुटबॉल प्रतियोगिता में को पांच मैच खेले गए। पहला मैच ब्रदर्स यूनाइटेड फुटबॉल क्लब ने जयपुर फुटसाल फुटबाल क्लब के बिच मैच हुआ जिसमे ब्रदर्स यूनाइटेड फुटबॉल क्लब ने मैच 2 -1 से जीता। दूसरा मैच जयपुर यूनाईटेड फुटबॉल क्लब और चैंपियन मेकर अजमेर के बीच खेला गया मैच में निर्धारित समय तक 5 -0 से चैंपियन मेकर ने जीत हासिल की। तीसरा मैच राजस्थान फुटबाल स्कूल जयपुर और जयपुर ब्वॉयज ओर गर्ल्स फुटबाल क्लब के बीच खेला गया जिसमें राजस्थान फुटबॉल स्कूल जयपुर ने मैच 1-0 से जीत लिया । चौथा मैच में रॉयल फुटबॉल क्लब ने रियान फुटबॉल कल्ब अजमेर के बीच मैच 0-0 से बराबर रहा दोनों टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया। पांचवा मैच में जयपुर एलीट फुटबॉल क्लब एसल फुटबॉल क्लब के मध्य खेला गया जिसमें जयपुर एलीट फुटबाल क्लब ने 11-0 से शानदार जीत हासिल की। चैंपियन मेकर अजमेर के ज्योरिंग (4 गोल) व जयपुर एलिट के आकाश (5 गोल) ने अपने अपने मैचों में हैट्रिक (3 गोल) मारी। संघ सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि कुल 90 मैचों में से 65 अब तक हो चुके है।

धोनी ने चेन्नई के साथ शुरू की तैयारी, नेट्स पर लगाए लंबे-लंबे शॉट्स

नई दिल्ली, 28 फरवरी। आईपीएल 2025 की शुरुआत 22 मार्च से होने वाली है। उससे पहले चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान एमएस धोनी ने तैयारी शुरू कर दी है। चेन्नई को 5 बार खिताब दिलाने वाले इस सफलतम कप्तान ने इंडियन प्रीमियर लीग के 18वें सीजन के लिए अभ्यास शुरू कर दिया है। धोनी ने चेन्नई की टीम के साथ मैदान पर जमकर प्रैक्टिस की।धोनी का मैदान पर बल्लेबाजी करते हुए और रनिंग करते हुए वीडियो भी सामने आया है, जिसमें धोनी अपने पूर्व साथ खिलाड़ी और टीम इंडिया के दिग्गज ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन के साथ नजर आए। चेन्नई की टीम का होम ग्राउंड एम चिदंबरम स्टेडियम है, लेकिन स्टेडियम में कुछ काम जारी है, जिसके चलते टीम अभी वहां अभ्यास नहीं कर रही है।

राजस्थान यूथ ने बनाया भारत में एकदिवसीय क्रिकेट में रिकॉर्ड 490 रन का स्कोर

जयपुर, 28 फरवरी। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित के एल सैनी ए डिविजन लीग में आज खेले गए मैच में राजस्थान यूथ ने राजीव गांधी क्लब को 307 रनों के विशाल अन्तर से हराया तथा जयपुरिया ग्राउंड पर चम्बल स्पोर्ट्स ने नीरजा मोदी एकेडमी को 8 विकेट से हराया। के एल सैनी स्टेडियम पर खेले गए मैच में राजीव गांधी क्लब ने टॉस जीतकर पहले राजस्थान यूथ को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया । राजस्थान यूथ ने आर्यमन कटारिया के 125 रन (62 गेंद, 14 चौके व 9 छक्के), अभय शर्मा 131 रन (91 गेंद, 16 चौके व 5 छक्के), जयंत ताम्बी के 94 रन, रिहान अली 28 रन, कुणाल गौतम 31 रन व आदित्य झाला के नाबाद 22 रनों से 50 ओवर में 7 विकेट पर 490 रनों का स्कोर बनाया। राजस्थान यूथ ने पारी में 25 छक्के व 43 चौके लगाए। राजीव गांधी क्लब के लिए सारांश गोस्वामी, जयेश पण्डिता ने 2 - 2, सौरभ यादव, आयुष गुर्जर व हर्ष मीना ने 1 - 1

विकेट लिए। जवाबी पारी में राजीव गांधी क्लब की टीम मनय कटारिया 23 रन, जयेश पण्डिता 21 रन, मोहित भगतानी 52 रन व हर्ष कुमार मीणा 29 रन से 41.4 ओवर में 183 रन बनाकर आउट हो गई। राजस्थान यूथ के लिए आदित्य झाला ने 34 पर 4, रोहन सिंह ने 44 पर 3, कैफ गुडएज ने 42 पर 2 व रिहान अली ने 24 पर 1 विकेट लिया। दूसरे मैच में जयपुरिया ग्राउंड पर चम्बल स्पोर्ट्स क्लब ने टॉस जीतकर पहले नीरजा मोदी को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। नीरजा मोदी ने सचिन देव सिंघल के 31 रन, चिराग शर्मा के 31 रन व पर्व झालानी के 36 रनों से 37.3 ओवर में 170 रनों पर सिमट गई। चम्बल स्पोर्ट्स क्लब के लिए अभिजय भंडारी ने 29 पर 2, मिहित अग्रवाल ने 25 पर 2, दिव्यांश शर्मा ने 27 पर 2, रोहन राजभर ने 21 पर 2 व आर्यन जैन ने 16 पर 1 विकेट लिया। जवाबी पारी में चम्बल स्पोर्ट्स क्लब ने राहुल खंडेलवाल के 96 रन, रोहन राजभर के 50 रन नाबाद से मात्र 16 ओवर में 2 विकेट पर 172 रन बनाकर मैच जीत लिया। नीरजा मोदी के लिए तरुण शर्मा व चिराग शर्मा ने 1-1 विकेट लिया। 1 मार्च को के एल सैनी स्टेडियम पर सुराणा क्रिकेट एकेडमी बनाम सबा क्लब क्लब क्लब के मध्य मैच खेला जाएगा।

एस.आई. पेपर लीक केस के मास्टर माइंड के मुख्य सहयोगी को जमानत मिली

अदालत ने कहा, एस.ओ.जी. परीक्षा केन्द्र पर आरोपी की उपस्थिति साबित नहीं कर पाई

- राजस्थान हाई कोर्ट ने मास्टर माइंड यूनिक भांभू के मुख्य सहयोगी शिवरतन मोठ को जमानत देते हुए कहा कि परीक्षा केन्द्र पर याचिकाकर्ता की ड्यूटी का कोई सबूत पेश नहीं किया गया।
- शिवरतन मोठ के वकील ने कहा, याचिकाकर्ता सरकारी कर्मचारी है, गत एक साल से जेल में है। मामले में आरोप पत्र पेश हो चुका है, इसलिए उसे जमानत दी जाए।

जयपुर, 28 फरवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने एसआई भर्ती पेपर लीक मामले में मास्टरमाइंड यूनिक भांभू के सहयोगी बताए जा रहे शिवरतन मोठ को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। जस्टिस गणेश राम मीणा ने ये आदेश आरोपी की जमानत याचिका को स्वीकार करते हुए दिए।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि एसओजी ने ऐसा कोई साक्ष्य पेश नहीं किया, जिससे साबित हो कि याचिकाकर्ता परीक्षा सेंटर पर मौजूद था। अदालत ने कहा कि एसओजी ने याचिकाकर्ता की भूमिका को लेकर सह आरोपी के बयान और परीक्षा के बाद यूनिक भांभू से फोन पर बात करने को लेकर ही जानकारी पेश की है। परीक्षा केन्द्र पर याचिकाकर्ता की ड्यूटी के संबंध में कोई साक्ष्य पेश नहीं किया गया और न ही ऐसी कोई वीडियोग्राफी पेश की गई, जिससे साबित हो कि याचिकाकर्ता पेपर लीक होने वाले परीक्षा सेंटर पर मौजूद था। इसके अलावा, मामले में पूर्व में ही आरोप पत्र पेश किया जा चुका है। ऐसे में आरोपी को जमानत पर रिहा करना उचित होगा।

जमानत याचिका में अधिवक्ता वेद प्रकाश ने बताया कि एसओजी याचिकाकर्ता को यूनिक भांभू का सहयोगी बताते हुए स्कूल संचालक राजेश खंडेलवाल से मिलकर उसे परीक्षा सेंटर में एंट्री कराना बता रही है, जबकि एसओजी के पास ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है, जिससे साबित हो की याचिकाकर्ता मौके पर मौजूद था। याचिकाकर्ता सरकारी कर्मचारी है और वह करीब एक साल से जेल में है। मामले में आरोप पत्र भी पेश हो चुका है। इसलिए उसे जमानत पर रिहा किया जाए। वहीं, राज्य सरकार की ओर से विशेष लोक अभियोजक अनुराग शर्मा ने कहा कि सह आरोपी राजेश खंडेलवाल की ओर से दी गई जानकारी से पता चलता है कि याचिकाकर्ता पेपर लीक के अपराध में शामिल था। इसके अलावा, याचिकाकर्ता ने भी उस स्थान की पहचान की है, जहां वह मौजूद था। वहीं, कॉल डिटेल से भी याचिकाकर्ता के यूनिक भांभू से संपर्क की बात साबित होती है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने याचिकाकर्ता को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं।

त्रिपुरा में 15 बंगलादेशी नागरिक और तीन भारतीय दलाल गिरफ्तार

- इनमें तीन महिलाएं, तीन पुरुष व सात बच्चे शामिल हैं।

अगरतला, 28 फरवरी। त्रिपुरा के उनाकोटी जिले में कैलाशहर के सीमावर्ती गांवों में घुसपैठ के खिलाफ चलाये गये अभियान में तीन महिलाओं, तीन पुरुषों और सात बच्चों समेत, 13 बंगलादेशी नागरिकों तथा तीन भारतीय दलालों को गिरफ्तार किया गया है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने शुक्रवार को यहां बयान जारी करके कहा कि सभी बंगलादेशी मौलवीबाजार, सुनामगंज, नेत्रगंज, नेत्रोकोना और बारिसल जिलों के निवासी हैं, जबकि भारतीय दलालों की पहचान असम के सिलचर के काजल दास तथा त्रिपुरा में उनाकोटी के अजीत दास और धलाई के प्रसनजीत देवनाथ के रूप में की गयी है। सीमा पार से अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए गुरुवार रात अगरतला रेलवे स्टेशन पर राजकीय रेलवे पुलिस के साथ संयुक्त अभियान चलाया गया।

रोहिंग्या बच्चों को सरकारी स्कूलों में प्रवेश दिया जा सकता है

- सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार को निर्देश दिया
- सुप्रीम कोर्ट ने कहा, अगर सरकारी स्कूल रोहिंग्या बच्चों को प्रवेश नहीं देते हैं तो वे हाईकोर्ट में अपील कर सकते हैं।

नई दिल्ली, 28 फरवरी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि रोहिंग्या बच्चे सरकारी स्कूलों में प्रवेश ले सकते हैं और अगर उन्हें मना किया जाता है, तो वे हाईकोर्ट में अपील कर सकते हैं। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन. कोटिस्वर सिंह की बेंच ने एक याचिका का निपटारा करते हुए यह निर्देश दिया। याचिका में दिल्ली सरकार के अधिकारियों को, संयुक्त राष्ट्र उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर) कार्ड धारक रोहिंग्या बच्चों को सरकारी स्कूलों में प्रवेश देने के लिए निर्देश देने की मांग की गई थी।

शीर्ष कोर्ट ने कहा, हम चाहते हैं कि बच्चे पहले सरकारी स्कूलों से संपर्क करें। अगर उन्हें प्रवेश नहीं मिलता है, तो वे हाईकोर्ट जा सकते हैं। रोहिंग्या मानवाधिकार पहल के लिए पेश हुए वरिष्ठ वकील कॉलिन गोंसाल्विस ने कहा कि इस आदेश से 500 रोहिंग्या छात्रों के लिए सरकारी स्कूलों में प्रवेश का रास्ता साफ हो जाएगा। गोंसाल्विस ने कहा, मैं 2018 से इस मुद्दे के लिए लड़ रहा हूं और और इस आदेश से सीधे 500 छात्रों को स्कूल में प्रवेश की अनुमति मिलेगी।

बेंच ने कहा कि उन्होंने एक और जनहित याचिका पर इसी तरह का आदेश पहले पारित किया था। कोर्ट ने 12 फरवरी को कहा था कि किसी भी बच्चे को शिक्षा प्रदान करने में भेदभाव नहीं होगा। इस याचिका में केन्द्र और दिल्ली सरकार को रोहिंग्या शरणार्थियों को सरकारी स्कूलों और अस्पतालों तक पहुंच देने का निर्देश देने की मांग की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने पहले इन शरणार्थियों के निवास क्षेत्रों के बारे में जानकारी मांगी थी।

31 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने एनजीओ को यह बताने के लिए कहा था कि रोहिंग्या शरणार्थी शहर में कहां बसे हुए हैं और उनके लिए उपलब्ध सुविधाएं क्या हैं। गोंसाल्विस ने कहा था कि एनजीओ ने रोहिंग्या शरणार्थियों के लिए सरकारी स्कूलों और अस्पतालों तक पहुंची की मांग की थी, क्योंकि आधार कार्ड की कमी के कारण उन्हें यह सुविधा नहीं मिल रही थी।गोंसाल्विस ने बताया था कि रोहिंग्या शरणार्थी शाहीन बाग, कालिंदी कुंज और खजूरी खास क्षेत्रों में रह रहे हैं। शाहीन बाग और कालिंदी कुंज में वे झुग्गियों में रह रहे हैं, जबकि खजूरी खास में वे किराये के घरों में रह रहे हैं।सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उसने यह समझने के लिए सवाल पूछे थे कि क्या वे शिविरों में रह रहे हैं क्योंकि राहत की प्रकृति जनहित याचिका में उल्लिखित से भिन्न होगी।

'12 साल सत्ता में रही आपकी पार्टी, लेकिन विधानसभा के नियम नहीं पता हैं'

दिल्ली विधानसभा के स्पीकर विजेन्द्र गुप्ता ने आतिशी के पत्र के जवाब में कहा

- पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने विधानसभा परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष प्रदर्शन की अनुमति नहीं देने पर स्पीकर से सवाल किया था।

नयी दिल्ली, 28 फरवरी। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी के पत्र का जवाब देते हुए हैरानी जतायी है कि मुख्यमंत्री रहने के बावजूद वह सदन के नियमों से अनभिज्ञ हैं। गौरतलब है आतिशी ने गुप्ता को पत्र लिखकर 25 फरवरी को आम आदमी पार्टी के 21 विधायकों को निलंबित किये जाने और उसके बाद उन्हें विधानसभा परिसर में राष्ट्रिपता महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष प्रदर्शन करने की इजाजत नहीं दिये जाने पर सवाल उठाया था।

इसके जवाब में गुप्ता ने आतिशी को पत्र लिखकर कहा कि 12 वर्षों से आम आदमी पार्टी दिल्ली में सरकार चला रही है और वह सदन के नियमों से अनभिज्ञ है। गुप्ता ने आतिशी को लिखे पत्र में कहा है, आपका पत्र मिला, जिसमें आपने विपक्षी विधायकों के निलंबन और उन्हें विधानसभा परिसर में प्रवेश नहीं दिये जाने पर आपत्ति जतायी है। यह अत्यंत चिंताजनक है कि विपक्ष सदन में कार्य संचालन से संबंधित नियमों और विनियमों से अनभिज्ञ है, विशेषकर तब जब यह राजनीतिक दल पिछले 12 सालों तक सत्ता में था।

उन्होंने लिखा, विधानसभा के नियमों में सदन के परिसीमन को व्यापक तौर पर परिभाषित किया गया है।

उन्होंने बताया कि विधानसभा के नियमों के अनुसार सदन के परिसीमन में विधानसभा, लॉबी, गैलरी, अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष के कक्ष, समिति कक्ष, पुस्तकालय, अध्ययन कक्ष, विभिन्न दलों के कक्ष, विधानसभा सचिवालय द्वारा उपयोग किये जा रहे कक्ष, विधानसभा सचिवालय के अधिकारियों को नियंत्रण में आने वाले सभी परिसर तथा इन तक जाने वाले मार्ग शामिल हैं। इसके अलावा, नियम 277, बिंदु 3(डी) स्पष्ट रूप से कहता है. जो सदस्य सदन की सेवा से निलंबित किया गया है, उसे सदन के परिसर में प्रवेश करने और सदन एवं समितियों की कार्यवाही में भाग लेने से प्रतिबंधित किया जाएगा।

'बेटी बचाओ -बेटी पढ़ाओ योजना के 455 करोड़ रु. कहां गए?'

- कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केन्द्र सरकार पर आरोप लगाया व कहा कि सरकार देश की बेटियों को जवाब दे।

नयी दिल्ली, 28 फरवरी। कांग्रेस ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि मोदी सरकार की महत्वपूर्ण बेटी बचाओ बेटी पढ़ ाओ योजना के 455 करोड रुपए गायब हो गए हैं और सरकार को इस बारे में देश की बेटियों को जवाब देना चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आज सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि सूचना के अधिकार आरटीआई के तहत हुए इस खुलासे पता चलता है कि मोदी सरकार बेटी बचाओ बेटी पढ़ ाओ योजना को लेकर कितना गंभीर है। इससे साबित होता है कि सरकार सिर्फ लुभावने नारे देती है और हकीकत उसके विपरीत होती है। खड़गे ने कहा,"आरटीआई से ख़ुलासा हुआ है कि मोदी सरकार की बेटी बचाओ, बेटी पढ़ ाओ योजना में 455 करोड़ रुपए ग़ायब हो गए हैं। आरटीआई के ताज़े खुलासे से मोदी सरकार के झूठ की कलई एक बार फ़िर खुल गई है।

हिमाचल सरकार ने योजनाओं के लिए मंदिरों से पैसा मांगा

हिमाचल सरकार भारी आर्थिक संकट से जूझ रही है, योजनाओं के लिए भी पैसा नहीं है

- भाजपा ने राज्य सरकार की इस बात के लिए कड़ी आलोचना की और कहा, मंदिरों के पैसे से अपनी फ्लैशशिप योजना चलाना चाहती है सरकार।

शिमला, 28 फरवरी। हिमाचल प्रदेश में आर्थिक संकट के बीच सुक्खू सरकार के पास अपनी योजनाओं को चलाने के लिए पैसा नहीं है। इसी के चलते अब सरकार ने प्रदेश के बड़े मंदिरों से पैसा मांगा है। सरकार की तरफ से इस संबंध में हिमाचल प्रदेश सरकार के अंडर आने वाले मंदिरों को पत्र लिखा है और दो योजनाओं के लिए पैसे देने का आग्रह किया है। हालांकि, मंदिरों से पैसा मांगने पर अब सुक्खू सरकार घिर गई है और भारतीय जनता पार्टी ने सरकार पर सवाल उठाए हैं।

दरअसल, 29 जनवरी को हिमाचल प्रदेश सरकार के भाषा एवं संस्कृति विभाग ने मंदिर ट्रस्ट को एक पत्र लिखा था और मंदिर कमेटियों से जरूरतमंद बच्चों की मदद का आग्रह किया है। सरकार की अपील पर डीसी ने मंदिर न्यास को आर्थिक मदद करने के लिए पत्र जारी किए हैं। पत्र में लिखा गया है कि मुख्यमंत्री सुखाश्रय और सुख शिक्षा योजना की मदद सरकार के अधीन आने वाले मंदिरों के ट्रस्ट भी करेंगे। भाषा एवं संस्कृति विभाग ने मंदिर कमेटियों से जरूरतमंद बच्चों की मदद का आग्रह किया है।

गौरतलब है कि करोड़ों रुपये की आय वाले प्रदेश के 35 बड़े मंदिरों की जिला प्रशासन देखरेख करता है। सरकार की अपील पर उपायुक्तों ने मंदिर न्यास को आर्थिक मदद करने के लिए पत्र जारी कर दिए किए हैं। भाजपा मीडिया प्रभारी करण नंदा ने कहा कि सरकार अब मंदिरों से अपनी सुख आश्रय योजना के लिए पैसे की मांग कर रही है और यह सीधे तौर पर नहीं बल्कि जिला प्रशासन द्वारा इस डोनेशन की मांग की जा रही है। नंदा ने कहा कि 35 मंदिरों से डोनेशन की मांग की गई है। हिमाचल प्रदेश के पूर्व सीएम और नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि सुक्खू सरकार एक तरफ सनातन धर्म का विरोध करती है और हिंदू विरोधी बयान देती रहती है। दूसरी तरफ मंदिरों से पैसा लेकर सरकार की फ्लैगशिप योजना चलाना चाह रही है। हिमाचल में सरकारी अधिग्रहण के तहत 35 मंदिर आते हैं। प्रदेश का सबसे सबसे अमीर मंदिर जिला ऊना में मां चिंतपूर्णी का है। यहां मंदिर के खजाने के तहत एक अरब रुपए की बैंक एफडी और एक क्विंटल से अधिक सोना है। प्रदेश में कई बड़े शक्तिपीठ हैं, जिनका संचालन प्रदेश सरकार करती है। बिलासपुर जिले में स्थित शक्तिपीठ नैनादेवी मंदिर के खजाने में 11 करोड़ से अधिक कैश, 58 करोड़ से अधिक की एफडी है। मंदिर के खजाने में 1 क्विंटल 80 किलो सोना है और 72 क्विंटल से ज्यादा चांदी है।

तेलंगाना टनल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इंस्टीट्यूट (एनजीआरआई) के वैज्ञानिक भी मौके पर पहुंचे हैं। वे ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार (जीपीआर) की मदद से मलबे में दबे मजदूरों ढ ूंढ ने की कोशिश कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, किसी भी मजदूर के जीवित मिलने की संभावना बहुत कम लग रही है। नागरकुरनूल के एसपी वैभव गायकवाड़ ने बताया कि मलबा हटाने और लोहे की छड़ों की कटिंग का काम लगातार जारी है। गुरुवार सुबह से मलबा साफ करने और टनल के पानी को बाहर निकालने का काम चल रहा है। शुक्रवार सुबह 7 बजे एक टीम टनल में गई।(रेस्क्यू ऑपरेशन में आर्मी, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ के अलावा राज्य सरकार की अन्य एजेंसियों के 600 के करीब कर्मी जुटे हैं।

'अनुसूचित जाति...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नैशनल कमीशन फॉर शिड्यूल्ड कास्ट्स एक संवैधानिक निकाय है, जिसकी स्थापना इसलिये की गई थी कि यह अनुसूचित जातियों के शोषण के विरूद्ध कवच का काम कर सके तथा उनके सामाजिक, शैक्षिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक हितों की रक्षा कर सके।

'नकद मानदेय...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ऑफिसर भर्ती-2023 में भाग लिया। इससे पूर्व, उसने सीएमएचओ कोटा के अधीन काम किया था और इसकी एवज में उसे मानदेय नगद दिया गया। उसे अनुभव प्रमाण पत्र तो जारी कर दिया, लेकिन भर्ती में बोनस अंक का लाभ नहीं दिया गया। इस कारण वह भर्ती की वरीयता सूची से बाहर हो गया। इसे हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा कि केवल मानदेय नगद मिलने के आधार पर उसे भर्ती में बोनस अंक का लाभ देने से मना नहीं किया जा सकता। इसलिए उसे अनुभव के बोनस अंक का लाभ देकर नियुक्ति दी जाए। याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने माना कि काम के बदले नगद मानदेय मिलने पर भी याचिकाकर्ता बोनस अंक प्राप्त करने का अधिकारी है। ऐसे में उसकी नियुक्ति पर विचार किया जाना चाहिए।

उत्तराखंड के चमोली में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को बचाने के लिए खोज और बचाव अभियान युद्धस्तर पर लगातार जारी है, हालांकि क्षेत्र में हो रहे छोटे स्तर के लगातार हिमस्खलनों के कारण बचाव कार्य धीमी गति से, लेकिन अधिकतम सतर्कता के साथ किया जा रहा है।

सीमा सड़क संगठन (जीआरईएफ) जोशीमठ और माणा के बीच की सड़क को साफ करने में जुटा हुआ है, ताकि राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाई जा सके। साथ ही, जोशीमठ से अतिरिक्त चिकित्सा सहायता और संसाधनों को बिना किसी अतिरिक्त विलंब के माणा भेजा जा रहा है।

उत्तराखंड के ऊंचाई वाले कई इलाकों में बीते 24 घंटों से बर्फबारी हो रही है, जबकि निचले इलाकों में बारिश का दौर जारी है। केदारनाथ धाम, त्रियुगीनारायण, तुंगनाथ, चोपता सहित अन्य ऊंचाई वाले इलाकों में भारी बर्फबारी हुई है।

मौसम विभाग ने पहाड़ी क्षेत्रों के लिए अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने उत्तराखंड में भारी बारिश और बर्फबारी का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। आईएमडी के मुताबिक, उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग समेत, अन्य जिलों में बारिश और बर्फबारी की स्थिति अभी बनी रहेगी।

तमिलनाडु के मछुआरे अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर

- मछुआरे श्रीलंका की नौसेना द्वारा अपने साथियों की गिरफ्तारी का विरोध कर रहे हैं
- रामेश्वरम में मछुआरा संघों के नेताओं ने आंदोलनकारियों को संबोधित किया तथा केन्द्र सरकार से समस्या का समाधान करने का आग्रह किया।

रामनाथपुरम, 28 फरवरी। तमिलनाडु के मछुआरों को लगातार हिरासत में लिये जाने और श्रीलंकाई नौसेना की ओर से उनकी नावों को जब्त किये जाने के विरोध में सैकड़ों मछुआरों और उनके परिवारों ने शुक्रवार को अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी।

मछुआरों ने केन्द्र सरकार से पाक जलडमरूमध्य में मछली पकड़ने के अधिकार के मुद्दे का स्थायी समाधान निकालने की मांग की। रामेश्वरम, पंबन और मंडपम तथा अन्य तटीय बस्तियों की महिलाओं सहित, मछुआरों ने रामेश्वरम के थंगाचिमदम में अपनी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की।

रामेश्वरम में विभिन्न मछुआरा संघों के नेताओं ने भूख हड़ताल आंदोलन को संबोधित करते हुए केन्द्र से इस मुद्दे को श्रीलंकाई सरकार के समक्ष उठाने और उनकी समस्या का स्थायी समाधान निकालने की अपील की। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि श्रीलंकाई नौसेना तमिलनाडु के मछुआरों पर हमला करने, उन्हें गिरफ्तार करने और उनकी नावों को जब्त करने में संयम बरते। उन्होंने कहा कि जब तक कोई केन्द्रीय मंत्री उनसे मिलने नहीं आता और यह आश्वासन नहीं देता कि उनकी मांगें पूरी की जाएंगी, तब तक वे अपना आंदोलन जारी रखेंगे। तमिलनाडु तटीय मशीनीकृत नौका मछुआरा संघ के सचिव पी. शेषु राजा ने कहा कि श्रीलंकाई समुद्री बलों द्वारा निर्दोष मछुआरों को लगातार कैद किये जाने से मछली पकड़ने के उद्योग पर निर्भर सैकड़ों मछुआरों और अन्य श्रमिकों की आजीविका को बड़ा खतरा है। उन्होंने कहा कि श्रीलंकाई नौसेना ने इस साल अब तक तमिलनाडु के रामेश्वरम, नागपट्टिनम और पुडुकोट्टई जिलों से 131 मछुआरों को गिरफ्तार किया है और 18 नावों को जब्त किया है। अकेले 2024 में, श्रीलंकाई समुद्री बलों ने 554 मछुआरों को पकड़ा और 72 नावों को जब्त किया तथा उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की। पिछले 11 वर्षों में मशीनीकृत और देशी नावों सहित, 500 से अधिक नावों को जब्त किया गया और श्रीलंकाई सरकार ने एक भी नाव को नहीं छोड़ा। दक्षिण भारत के प्रमुख समुद्री खाद्य केन्द्रों में से एक, रामेश्वरम के मशीनीकृत नाव मछुआरों द्वारा की जा रही अनिश्चितकालीन हड़ताल आज लगातार पांचवें दिन में प्रवेश कर गयी।

'चुनाव के लिए ''डीलिमिटेशन''...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विभिन्न गतिविधियों में जुट जाते हैं, जैसे जनता के कल्याण एवं भलाई के लिये, उसकी सहायता करना, हमारी सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डालने तथा पार्टी के आदर्शों और सिद्धांतों का प्रचार-प्रसार करना।''

इस बार अपने जन्मदिन पर, उन्होंने पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं को राज्य के सामने खड़ी दो बहुत बड़ी चुनौतियों का स्मरण कराया- ''भाषा, जो हमारी लाइफ लाइन है, के लिये लड़ाई तथा परिसीमन, जो हमारा अधिकार है, के लिये संघर्ष करना।'' उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से अनुरोध किया कि वे इस लड़ाई का असली उद्देश्य जनता तक पहुँचायें, क्योंकि लोकसभा क्षेत्रों का परिसीमन राज्य के आत्मसम्मान, सामाजिक न्याय तथा जनकल्याणकारी योजनाओं को सीधा प्रभावित करेगा।

स्टालिन ने जोर देकर कहा, ''आप इस संदेश को जनता तक ले जायें आप में से प्रत्येक को अपने राज्य के बचाव के उठना ही चाहिये। हम इस सैद्धांतिक लड़ाई की अगुआई करेंगे तथा पूरे देश को रास्ता दिखायेंगे।

उन्होंने दावा किया कि एकात्मता की आवाजें कर्नाटक, पंजाब, तेलंगाना तथा अन्य राज्यों से उठ रही हैं तथा इस प्रतिरोध को ध्यान में रखते हुये, केन्द्र ने जोर देते हुये कहा है कि वह राज्यों पर अपनी इच्छा नहीं थोपेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''लेकिन, उनकी सारी कार्यवाहियाँ कुछ और ही संकेत दे रही हैं।''

स्टालिन ने कहा कि त्रिभाषा-नीति के चलते, तमिलनाडु के वाजिब फंड पहले ही रोक लिये गये हैं। इसी प्रकार, वे दावा कर रहे हैं कि वे तमिलनाडु की संसदीय सीटें कम नहीं करेंगे, लेकिन वे यह आश्वासन देने के लिये तैयार नहीं हैं कि अन्य राज्यों का प्रतिनिधित्व गैर-आनुपातिक तरीके से नहीं बढ़ाया जायेगा। दरअसल, इस मुद्दे पर स्टालिन की अधीरता का कारण केन्द्र की खामोशी है। मोदी सरकार ने इस मुद्दे पर दक्षिणी राज्यों के साथ बात करने की दिशा में अभी तक कोई पहल नहीं की है, जिससे दक्षिण की राजनैतिक पार्टियों और सरकारों के साथ विचार-विमर्श करके कोई समाधान तलाश जाये तथा उनकी उन सच्ची चिंताओं का हल निकाला जाये,जो निरंतर अभिव्यक्त हो रही हैं।

हाई कोर्ट ने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हैं और उस समय उन्हें मिलने वाला महंगाई भत्ता मूल वेतन के पचास फीसदी से कम था। ऐसे में उन्हें ग्रेच्युटी के तौर पर 25 लाख रुपए नहीं मिले। ऐसे में केन्द्र सरकार के 30 मई, 2024 के आदेश को 7वां वेतन आयोग लागू होने की तिथि से प्रभावी किया जाए। याचिका पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने केन्द्र और राज्य सरकार से जवाब तलब किया है।

भारत और ई.यू. के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमैंट का ड्राफ्ट तैयार

प्र.मंत्री मोदी और यूरोपियन आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयन के बीच महत्वपूर्ण वार्ता में इस साल के अंत तक एग्रीमैंट पर मुहर लगाने पर सहमति बनी

- अमेरिका और ई.यू. के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए समूचे यूरोपियन आयोग की भारत यात्रा को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

नई दिल्ली, 28 फरवरी। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूरोपियन आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के बीच शुक्रवार को अहम बातचीत हुई है। दोनों नेताओं ने भारत और यूरोपियन यूनियन के बीच रणनीतिक साझेदारी को नयी गति प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया है। बता दें कि उर्सुला वॉन डेर लेयेन 'ई यू कॉलेज ऑफ कमिश्नर्स' यानी समूह के 27 सदस्य देशों के वरिष्ठ राजनीतिक नेताओं के साथ भारत की यात्रा पर पहुंची हैं। यू.एस.ए. के साथ संबंधों में आई खटास के बीच वॉन डेर लयेन भारत यात्रा पर हैं। उन्होंने कहा भारत के विशाल बाजार तक पहुंच हांसिल करना हमारे ऐजेंडा में सबसे ऊपर है।

प्रधानमंत्री मोदी और उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने शुक्रवार को रक्षा, सुरक्षा और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में भारत-यूरोपीय संघ रणनीतिक साझेदारी का विस्तार करने का संकल्प लिया है। इसके साथ ही इस साल के आखिर तक यूरोपीय यूनियन और भारत के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमैंट (एफ.टी.ए.)को भी पूरा करने की बात कही गई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत और यूरोप के बीच संपर्क के मुद्दे पर कहा कि भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारे को आगे ले जाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- ''मुझे विश्वास है कि यह गलियारा वैश्विक वाणिज्य, सतत विकास और समृद्धि को आगे बढ़ाने के लिए एक इंजन साबित होगा। भारत और यूरोपीय संघ हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, सुरक्षा, स्थिरता और समृद्धि के महत्व पर सहमत हैं।''

वॉन डेर लेयेन ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ वार्ता के बाद कहा कि हम भारत के साथ यूरोपीय संघ के संबंधों को नयी ऊंचाइयों पर ले जाना चाहते हैं। उन्होंने एक थिंक टैंक को संबोधित करते कहा है कि यूरोपीय संघ जापान और दक्षिण कोरिया के साथ किए गए समझौतों की तरह भारत के साथ भविष्य में ''सुरक्षा साझेदारी'' की संभावनाएं तलाश रहा है। उन्होंने बताया कि दुनिया किस तरह से खतरों से भरी हुई है। शक्ति को लेकर महाप्रतिस्पर्धा का आधुनिक संस्करण यूरोप और भारत को अपनी साझेदारी के संबंध में ''पुनः कल्पना'' करने का अवसर देता है। वॉन डेर लेयेन ने कहा है कि भारत अपनी सैन्य आपूर्ति में विविधता लाने और नयी क्षमताओं तक पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है। मेरा मानना है कि हम अपने सुरक्षा उद्देश्यों को पूरा करने में एक-दूसरे की मदद कर सकते हैं।

ई यू एक ऐसे व्यापार समझौते पर जोर दे रहा है जो उसकी कारों, स्पिरिट, वाइन और अन्य उत्पादों के लिए बाधाओं को कम करेगा। इस बीच भारत स्वच्छ ऊर्जा, शहरी बुनियादी ढांचे और जल प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में अधिक यूरोपीय संघ के निवेश की उम्मीद करता है। नई दिल्ली अपने स्किल्ड वर्कफोर्स के लिए आसान गतिशीलता और भारत में उद्यमों के लिए उच्च निवेश पर भी जोर दे रही है।

वॉन डेर लेयेन की यात्रा भारत के लिए काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। खासकर तब जब अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप लगातार अपने दोस्तों और दुश्मनों दोनों के खिलाफ टैरिफ की घोषणा कर रहे हैं।

'उत्तर भारत में कई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

औद्योगिकीकरण की भरपूर संभावनाएं होने के बाद भी यहां के लोग अवसरों से वंचित महसूस करते हैं। युवाओं में नशे की लत भी एक गंभीर समस्या है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने की भारी मांग है। क्षेत्र का युवा महसूस करता है कि राज्य की द्विभाषा नीति की वजह से वे पड़ौसी राज्यों के युवाओं की तुलना में पिछड़ गए हैं। राज्यपाल के अनुसार, बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि राज्य के विद्यार्थियों को अपनी मर्जी की भाषा में पढ़ने की सुविधा नहीं दी जानी चाहिए। लगता है, द्रमुक इसी के इंतजार में थी, पार्टी नेताओं ने राज्यपाल के बयान पर जोरदार पलटवार किया। राज्य के कानून मंत्री एस. रघुपति ने राज्यपाल से कहा कि उन्हें तमिलों को उनकी भाषा के गौरव पर लैक्चर देने का कोई हक नहीं है। वे लगातार तमिल लोगों, तमिलनाडु और तमिल राज्य गीत के खिलाफ जहर उगलते रहे हैं। उन्हें तमिलों को उनकी भाषा से प्रेम के लिए भाषण नहीं देना चाहिए। रघुपति ने कहा कि तमिलनाडु ने शिक्षा, चिकित्सा व अर्थव्यवस्था में शानदार उपलब्धियां हासिल की हैं। इसका प्रमाण केन्द्र सरकार का डेटा है। यह उपलब्धि द्विभाषा फॉर्मूला के कारण मिली है। उन्होंने राज्यपाल पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति के जरिए हिंदी थोपने की कोशिश का आरोप लगाया।

समरावता कांड में जाँच ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अधिकारी को तलब किया है। अदालत ने जांच अधिकारी को 21 मार्च को केस डायरी सहित पेश होकर बताने को कहा है कि उन्होंने इस केस में बाकी आरोपियों के खिलाफ अनुसंधान लंबित क्यों रखा हुआ है। जस्टिस वीके भारवानी ने ये आदेश दिलखुश मीणा सहित 21 ग्रामीणों की याचिका पर दिए।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अदालत को बताया गया कि कुछ आरोपियों के खिलाफ पूर्व में आरोप पत्र पेश किया जा चुका है, जबकि बाकी अन्य आरोपियों के खिलाफ जांच लंबित है। इस पर अदालत ने जांच अधिकारी को हाजिर होकर इस संबंध में जानकारी पेश करने को कहा है। याचिका में अधिवक्ता राजेश गोस्वामी अदालत को बताया कि इस मामले में चार एफआईआर दर्ज हो चुकी हैं और ऐसे में मामले की निष्पक्ष जांच जरूरी है। ग्रामीणों ने उप चुनाव में मतदान का बहिष्कार किया था और वे शांतिपूर्वक विरोध कर रहे थे। इस दौरान ही उन पर स्थानीय प्रशासनिक अफसरों व पुलिस अफसरों ने दबाव बनाया और उन्हें धमकी दी। इसके साथ ही निर्दोष ग्रामीणों पर स्थानीय प्रशासन व पुलिस ने अत्याचार किया। वहीं, मामले में कार्रवाई की बजाय पुलिस से उनके खिलाफ ही झूठी एफआईआर दर्ज करवा ली। इसलिए मामले की जांच हाईकोर्ट की मॉनिटरिंग में सीबीआई से कराई जाए।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908